THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 208 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.3, 2079 बुधवार, 12 अक्टूबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'महाकाल लोक' राष्ट्र को समर्पित

महाकाल मंदिर में पूजा-अर्चना करते पीएम मोदी।

उज्जैन, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। जय महाकाल.. ! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को जब उज्जैन में ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर के नए परिसर 'महाकाल लोक' का लोकार्पण किया, तो चारों ओर इसी जयघोष की गूंज सुनाई दी। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच रक्षा सूत्र (कलावे) से बनाए गए 15 फीट ऊंचे शिवलिंग की प्रतिकृति से मोदी ने रिमोट के जरिए जैसे ही आवरण हटाया, अध्यात्म का यह नया आंगन सभी के लिए खुल गया।

इससे पहले मोदी ने महाकाल के दर्शन किए और साष्टांग मत्था टेका। महाकाल को चंदन, मोगरे और गुलाब की माला अर्पित कर जनेऊ चढ़ाया। सूखे मेवे और फल का भोग लगाया। दक्षिणा अर्पित की। वे संध्या आरती में भी शामिल हुए।

महाकाल के दक्षिण दिशा में बैठकर रुद्राक्ष की माला से 3 मिनट तक जप करते हुए ध्यान लगाया। 'महाकाल लोक' प्रोजेक्ट दो फेज में 856 करोड़ रुपये की लागत से डेवलप किया जा रहा है। इसके जरिए 2.8 हेक्टेयर में फैला महाकाल परिसर 47 हेक्टेयर का हो जाएगा। इसमें 946 मीटर लंबा कॉरिडोर है, जहां से श्रद्धालु गर्भगृह पहुंचेंगे।

मोदी, मंगल और महाकाल से 2 अद्भुत संयोग

उज्जैन मंगलनाथ की जन्मभूमि, पीएम की राशि का स्वामी भी मंगल

उज्जैन, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ दो ऐसे संयोग बने जो अध्यात्म और धर्म की दृष्टि से बहुत ही अलग और चौंकाने वाले हैं। मोदी ने पीएम बनने के बाद दो ज्योतिर्लिंगों के बड़े कॉरिडोर देश को समर्पित किए हैं। उत्तर में काशी विश्वनाथ और अब दक्षिणमुखी महाकाल। नरेंद्र मोदी ने आज तक जो भी ऐतिहासिक, धार्मिक, सकारात्मक और तयशुदा फैसले किए उनमें कभी मंगलवार नहीं आया। अधिकतर काम सोमवार को किए हैं। उज्जैन को मंगल (मंगलनाथ) की जन्मभूमि माना गया है। मोदी मंगलवार को ही उज्जैन पहुंचे। इस दिन चंद्रमा मेष का है, जिसका स्वामी मंगल है। मोदी की राशि वृश्चिक है, इसका स्वामी भी मंगल है। उनकी कुंडली का लग्न भी वृश्चिक है इसका स्वामी भी मंगल ही है।

अब दूसरा संयोग जान लेते हैं

महाकाल और काशी विश्वनाथ दोनों को विश्व और भूलोक का स्वामी माना गया है। देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में से पीएम मोदी का ज्योतिर्लिंग विस्तार के लिए इन्हीं दोनों को चुनना, अपने आप में संयोग है। काशी विश्वनाथ। यह ज्योतिर्लिंग उत्तरमुखी है, जो कि देवों की दिशा है। यानी विश्व में देवों की सुरक्षा का जिम्मा काशी विश्वनाथ संभालते हैं। उसका विस्तार मोदी ने ही कराया। शास्त्रों के अनुसार महाकाल इकलौता ज्योतिर्लिंग है जो दक्षिण मुखी है। दक्षिण को दैत्य, असुरों की दिशा कहा जाता है। यानी जिस महाकाल के विस्तार का लोकार्पण मोदी के हाथों कराया गया है, वह महाकाल दैत्यों पर नजर रखने वाले भूलोक के स्वामी हैं। यानी एक दैत्यों से बचाने वाले हैं, दूसरे देवों को संभालने वाले। कुदरत चाहती तो उनके हाथों से किसी और भव्य कॉरिडोर का लोकार्पण भी करा सकती थी, लेकिन सबसे पहले उन्हें ये ही दो मिले।

जम्मू-कश्मीर के 8 जिलों में एनआईए की रेड

श्रीनगर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को टेरर फंडिंग से जुड़े मामले में जम्मू-कश्मीर के 8 जिलों में छापेमारी की है। जांच एजेंसी ने राजौरी, पुंछ, जम्मू, श्रीनगर, पुलवामा, बडगाम, शोपियां और बांदीपोरा जिलों में कई ठिकानों की तलाशी ली।

एनआईए ने जम्मू-कश्मीर में अल हुडा एजुकेशनल ट्रस्ट की संदिग्ध गतिविधियों और टेरर फंडिंग से जुड़े मामले में यह कार्रवाई की है। जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के साथ मिलकर एनआईए के अफसरों ने ट्रस्ट के सदस्यों के घरों की तलाशी ली। एनआईए ने राजौरी के अल हुडा एजुकेशनल ट्रस्ट के फंडिंग पैटर्न और संदिग्ध गतिविधियों को संज्ञान में लेते हुए मामला दर्ज किया गया था। यह ट्रस्ट अलगाववादी संगठन जमात-ए-इस्लामी के फ्रंटल यूनिट के तौर पर काम करता है। जमात-ए-इस्लामी को 2019 में यूएपीए के तहत एक गैरकानूनी संगठन घोषित किया जा चुका है। एनआईए की कई टीमों ने इनपुट के आधार पर ये छापेमारी की।

50वें सीजेआई होंगे जस्टिस चंद्रचूड़

पहली बार पिता के बाद बेटा भी होगा सीजेआई

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ देश के 50वें सीजेआई होंगे। सीजेआई यूयू ललित ने कानून मंत्री किरन रिजिजू को उनके नाम की सिफारिश की है। सीजेआई ललित 8 नवंबर को रिटायर हो जाएंगे। जस्टिस चंद्रचूड़ 9 नवंबर को सीजेआई के रूप में शपथ लेंगे। सीजेआई ललित ने मंगलवार सुबह सुप्रीम कोर्ट के जजों की उपस्थिति में पर्सनली जस्टिस चंद्रचूड़ को अपने पत्र की एक कॉपी सौंपी।

जस्टिस चंद्रचूड़ के पिता 16वें सीजेआई थे :

जस्टिस चंद्रचूड़ के पिता यशवंत विष्णु चंद्रचूड़ देश के 16वें सीजेआई थे। उनका कार्यकाल 22 फरवरी, 1978 से 11 जुलाई, 1985 तक यानी करीब 7 साल तक रहा। पिता के रिटायर होने के 37 साल बाद उसी पद पर बैठेंगे। जस्टिस चंद्रचूड़ पिता के 2 बड़े फैसलों को सुप्रीम कोर्ट में पलट भी चुके हैं। वह बेबाक फैसलों के

लिए चर्चित हैं। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ का कार्यकाल 9 नवंबर, 2022 से 10 नवंबर, 2024 तक यानी 2 साल का होगा।

कानून मंत्री किरन रिजिजू ने 7 अक्टूबर को सीजेआई ललित को चिट्ठी लिखकर उनसे उनके उत्तराधिकारी का नाम बताने की अपील की थी। परंपरा है कि मौजूदा सीजेआई अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश तभी करते हैं, जब उन्हें कानून मंत्रालय से ऐसा करने का आग्रह किया जाता है।

जस्टिस चंद्रचूड़ ने 2017-18 में पिता के दिए दो फैसले एडल्टरी लॉ और शिवकांत शुक्ला वर्सेज एडीएम जबलपुर के फैसले को पलटा था।

1. साल 1985 में तत्कालीन चीफ जस्टिस वाईवी चंद्रचूड़ की बेंच ने सौमित्र विष्णु मामले में आईपीसी की धारा 497 को बरकरार रखा था। उस वक्त बेंच ने अपने फैसले में लिखा था, सामान्य तौर पर यह स्वीकार किया गया है कि संबंध बनाने के लिए फुसलाने वाला आदमी ही है न कि महिला।

2018 में इस फैसले को पलटते हुए जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने कहा, एडल्टरी लॉ पितृसत्ता का संहिताबद्ध नियम है। उन्होंने कहा कि यौन स्वायत्तता को महत्व दिया जाना चाहिए।

2. साल 1976 में शिवकांत शुक्ला बनाम एडीएम जबलपुर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने निजता को मौलिक अधिकार नहीं माना था। उस बेंच में पूर्व सीजेआई वाईवी चंद्रचूड़ भी थे। 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने निजता को मौलिक अधिकार माना। इस बेंच में चंद्रचूड़ भी शामिल थे।

ज्ञानवापी केस : 14 अक्टूबर को आ सकता है फैसला

वाराणसी, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित ज्ञानवापी मस्जिद-श्रृंगार गौरी मंदिर मामले में आज अदालत में मुस्लिम पक्ष अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने कार्बन डेटिंग कराए जाने पर अपना पक्ष रखा। दलीलें सुनने के बाद अदालत ने 14 अक्टूबर को फैसले की तारीख मुकर्रर कर दी है। 7 तारीख को वाराणसी के जिला जज की अदालत में परिसर में मिले कथित शिवलिंग के कार्बन डेटिंग और वैज्ञानिक परीक्षण को लेकर हिन्दू पक्ष ने अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करते हुए दावा किया कि वजूखाना में पाया गया शिवलिंग वाद का एक हिस्सा है। हिन्दू पक्ष की इस बात पर तब अंजुमन इंतजामियां मसाजिद कमेटी के लोगों ने कहा कि आज हम तैयारी से नहीं आए थे। हम लोग ऑर्डर सुनने आए थे लेकिन अगर अब यह एक बात सामने आई है तो हमें समय दिया जाए और हम भी इसका जवाब देंगे। इसके बाद अदालत ने उन्हें 11 तारीख का समय दिया था।

पिछली तारीख पर हिंदू पक्ष के अधिवक्ता हरिशंकर जैन ने बताया कि जिला अदालत के समक्ष उन्होंने बताया कि हमने अपने वाद में यह पहले ही कहा है कि ज्ञानवापी परिसर के सभी दृश्य और अदृश्य देवताओं के दर्शन पूजन का अधिकार हिंदुओं को दिया जाय। उन्होंने कहा कि ज्ञानवापी परिसर के वजुखाने का पानी हटाने के बाद 'शिवलिंग' प्रकट हुआ इसलिए यह हमारे वाद का हिस्सा है। जैन ने कहा कि कुछ लोगों ने भ्रम फैला रखा है कि कार्बन डेटिंग से शिवलिंग को नुकसान पहुंच सकता है। इस पर हमने अदालत को बताया कि जहां कार्बन डेटिंग नहीं कराई जा सकती वहां वैज्ञानिक परीक्षण कराया जाय। अदालत के बाहर पत्रकारों को जानकारी देते हुए हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा, अदालत ने कहा कि हम चाहते हैं कि आदेश पारित करने से पहले, कुछ प्रश्न हैं, जिन्हें आप हल कर दीजिये, अपना स्पष्टीकरण दे दीजिए।

टीएमसी विधायक माणिक को ईडी ने अरेस्ट किया

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई गिरफ्तारी पर रोक लगाई थी

कोलकाता, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पार्थ-अर्पिता के बाद एक और गिरफ्तारी की है। मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक माणिक भट्टाचार्य को ईडी ने गिरफ्तार किया है। बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाले के वक्त भट्टाचार्य शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष थे।

सुप्रीम कोर्ट से मिली थी गिरफ्तारी में राहत :

भट्टाचार्य को 29 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट से गिरफ्तारी में राहत मिली थी। उस वक्त सीबीआई उन्हें गिरफ्तार करना चाह रही थी, जिस पर भट्टाचार्य कोर्ट चले गए। कोर्ट ने अगले आदेश तक सीबीआई से उन्हें गिरफ्तार नहीं करने के लिए कहा था।

79 दिन से जेल में बंद हैं अर्पिता-पार्थ :

ईडी ने 23 जुलाई को पश्चिम बंगाल के तत्कालीन शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी और उनकी करीबी अर्पिता को गिरफ्तार किया था। ईडी की टीम को अर्पिता के फ्लैट से करीब 49 करोड़ रुपये कैश और गोल्ड मिला था। ईडी का कहना है कि यह स्कैम करीब 100 करोड़ रुपये का है। सीबीआई की ओर से शिक्षक भर्ती घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज करने के बाद 22 जुलाई को ईडी ने पार्थ-अर्पिता के साथ भट्टाचार्य के घर पर रेड मारी थी।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने माणिक को पद से हटाया था :

साल 2014 में प्राथमिक शिक्षक नियुक्ति के लिए पात्रता परीक्षा में 269 लोगों को फर्जी तरीके से नौकरी देने का आरोप है। गलत प्रश्न का दावा कर इन सभी की उत्तर पुस्तिका में एक-एक नंबर बढ़ा दिए गए थे। इसके खिलाफ कलकत्ता हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। जून 2022 में इस पर सुनवाई के बाद कलकत्ता हाई कोर्ट ने मामले की सीबीआई जांच कराने का आदेश दिया था और माणिक भट्टाचार्य को उनके पद से हटा दिया था।

सत्येंद्र जैन मामले में ईडी को भेजा नोटिस

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आप नेता सत्येंद्र जैन की दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति एम आर शाह और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी की पीठ ने ईडी को नोटिस जारी करते हुए मामले की आगे की सुनवाई के लिए 31 अक्टूबर की तारीख तय की है।

दरअसल, दिल्ली हाई कोर्ट ने मंत्री सत्येंद्र जैन की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले को दूसरी अदालत में स्थानांतरित करने के निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी थी।

ए.राजा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, सीबीआई ने दाखिल की चार्जशीट

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक बड़ी खबर के अनुसार, सीबीआई ने पूर्व टेलीकॉम मिनिस्टर ए. राजा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में आज चार्जशीट दायर की है। दरअसल जांच एजेंसी के मुताबिक, राजा ने खुद के केंद्रीय मंत्री रहते हुए 5.53 करोड़ रुपये से अधिक संपत्ति अर्जित की थी।

वहीं मामले पर चेन्नई की स्पेशल सीबीआई कोर्ट में दाखिल चार्जशीट में एजेंसी ने यह संगीन आरोप लगाया कि राजा के एक करीबी सी कृष्णमूर्ति ने बीते जनवरी, 2007 में एक कंपनी कोवई शेल्टर प्रमोटर्स की बनाई थी। इसके बाद इस कंपनी को उसी साल फरवरी में 4.56 करोड़ रुपये का पेमेंट भी हुआ था। दरअसल यह पैसे एक रियल एस्टेट कंपनी से कांचीपुरम में जमीन की खरीद के लिए कमीशन के तौर पर दिया गया था। आरोप है कि राजा ने ये पैसे जमीन की खरीद के लिए नहीं, बल्कि रियल एस्टेट फर्म को एक इंफ्रास्ट्रचर कंपनी का स्टेटस देने के लिए दिया था। यह भी आरोप है कि यह रकम जमीन सौदे के लिए नहीं मिली बल्कि राजा के केंद्रीय मंत्री रहने के दौरान रियल एस्टेट कंपनी को इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी का दर्जा देने के बदले में मिली।

उद्धव ठाकरे के बाद एकनाथ शिंदे को मिला चुनाव चिन्ह

'तलवार-ढाल' से होगा 'मशाल' का मुकाबला

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने मंगलवार को एकनाथ शिंदे गुट को भी चुनाव चिह्न जारी कर दिया है। आयोग ने उन्हें दो तलवारें और ढाल वाला चिह्न जारी किया है। उद्धाव ठाकरे को टॉर्च और मशाल वाला चिह्न जारी किया गया है। वहीं, उनकी पार्टी का नाम शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे रखा गया है। वहीं, शिवसेना के दूसरे गुट यानी एकनाथ शिंदे गुट की पार्टी का नाम 'बालासाहेबआंची शिवसेना' पार्टी नाम रखा गया है।

शिंदे गुट के नाम चिट्ठी में चुनाव आयोग ने लिखा, शिंदे गुट द्वारा सुझाया गया चुनाव चिन्ह ढाल-तलवार फ्री चुनाव चिन्ह की लिस्ट में नहीं था। यह 'पीपुल्स डेमोक्रेटिक मूवमेंट' के एक पूर्व आरक्षित प्रतीक 'दो तलवारें और एक ढाल' जैसा दिखता है, जिसे 2004 में एक राज्य पार्टी के रूप में मान्यता नहीं दी गई थी। आपके अनुरोध पर आयोग ने दो तलवारें और एक ढाल (दो तलवारें और ढाल) को एक स्वतंत्र प्रतीक घोषित करने का फैसला किया है। इसे विवाद में अंतिम आदेश पारित होने तक आवंटित किया गया है।

सोमवार को उद्धव व शिंदे गुट ने चुनाव आयोग को तीन-तीन नाम व चुनाव चिन्ह प्रदान किए थे। जिसमें चुनाव आयोग ने शिंदे गुट के चुनाव चिन्ह वाले तीनों विकल्पों को अस्वीकार कर दिया। आयोग ने शिवसेना के प्रतिद्वंदी गुट के दिए गदा व त्रिशूल को चुनाव चिन्ह के रूप में आवंटित करने से मना कर दिया। इसके पीछे आयोग इनके धार्मिक चिन्ह होने का हवाला दिया। इसके बाद आयोग ने शिंदे गुट के द्वारा भेजे तीसरे चिन्ह उगता सूरज को डीएमके पार्टी के चुनाव चिन्ह जैसा दिखने के कारण अस्वीकार कर दिया। यही वजह थी कि शिंदे गुट को चुनाव चिन्ह आवंटित नहीं हो पाया। अब आयोग ने शिंदे गुट को मंगलवार को नया चुनाव चिन्ह अलॉट कर दिया है।

8 अक्टूबर को शिवसेना का चुनाव चिन्ह हुआ था फ्रीज :

महाराष्ट्र में नई सरकार बनने के बाद से शिवसेना में खींचतान चल रही थी। चुनाव आयोग ने 8 अक्टूबर को शिवसेना का चुनाव चिन्ह तीर कमान फ्रीज कर दिया था। आयोग द्वारा 3 नवंबर को मुंबई के अंधेरी वेस्ट विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव तक दोनों गुटों पर पार्टी का नाम व चुनाव चिन्ह का उपयोग करने पर पाबंदी लगा दी थी।

पालघर में साधुओं की हत्या का मामला : महाराष्ट्र सरकार सीबीआई जांच को तैयार

मुंबई, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पालघर जिले में 2020 में साधुओं की पीट-पीटकर हुई हत्या की जांच शिंदे सरकार सीबीआई को सौंपने को तैयार है। राज्य सरकार ने एक हलफनामा दायर कर अपनी यह मंशा जताई।

शिंदे सरकार ने अदालत में दायर हलफनामे में कहा इस मॉब लिंचिंग की सीबीआई जांच कराने में कोई आपत्ति नहीं है। इस हत्याकांड की पूरे देश में निंदा हुई थी। उस वक्त महाराष्ट्र समेत कोरोना लॉकडाउन था। तब राज्य में उद्धव ठाकरे नीत महाविकास अघाड़ी सरकार थी।

क्या है पूरा मामला

16 अप्रैल 2020 की रात 10 बजे के करीब सुशीलगिरी महाराज (35) और कल्पवृक्ष गिरी महाराज (70) और नीलेश तेलगड़े (30) नामक ड्राइवर के साथ देशव्यापी कोरोना लॉकडाउन के बीच एक कार में सवार होकर मुंबई के कांदिवली से गुजरात के सूरत में एक अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए जा रहे थे। इस बीच गडचिनचाइल गांव में भीड़ ने पुलिस टीम की मौजूदगी में उन पर हमला किया और बेहद ही बर्बरता के साथ उनकी हत्या कर दी थी। ग्रामीणों की भीड़ ने इन साधुओं की कार को रोका और उन्हें चोर समझकर पीट-पीटकर मार डाला था। मामले की जांच शुरुआत में पालघर पुलिस ने जांच की थी और बाद में इसे राज्य सीआईडी-अपराध शाखा को स्थानांतरित कर दिया गया था।

साधुओं ने की थी सीबीआई जांच की मांग

महाराष्ट्र सरकार की जांच पर संदेह जताते हुए साधुओं के रिश्तेदार और जूना अखाड़ा के साधुओं ने सीबीआई और एनआईए जांच की गुहार लगाई थी।

जजपा के तल्ख तेवर से हरियाणा बीजेपी में हलचल

सीएम मनोहर लाल की सफाई-आदमपुर में साथ हैं

नाराज जेजेपी का गठबंधन पर मंथन

चंडीगढ़, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। आदमपुर उपचुनाव को लेकर बीजेपी और जेजेपी की अनबन बरकरार है। एक तरफ सीएम मनोहर लाल ने कहा कि हम गठबंधन के साथी है और चुनाव भी साथ लड़ेंगे। दूसरी तरफ जजपा इस पर आज दिल्ली में मंथन कर रही है। जजपा नेता आदमपुर चुनाव में भाजपा के पोस्टरों पर उनके नेताओं की फोटो न होने से नाराज चल रहे हैं।

सीएम को पोस्टरों पर देनी पड़ी सफाई

सीएम मनोहर लाल ने चुनावी पोस्टरों में जेजेपी नेताओं के फोटो नहीं होने पर सफाई दी है। उन्होंने कहा है कि अभी आदमपुर में लोकल नेता अपने स्तर पर पोस्टर जारी कर रहे हैं। जब चुनाव अपने चरम पर आएगा तब सरकार में गठबंधन के साथी साथ में खड़े नजर आएंगे। हरियाणा में जेजेपी-बीजेपी गठबंधन में कुछ सही चल रहा है।

दिग्विजय जता चुके हैं नाराजगी

बीजेपी के गठबंधन को लेकर रवैये पर जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के महासचिव दिग्विजय चौटाला खुलकर सामने आए। उन्होंने आदमपुर उपचुनाव में बीजेपी के पोस्टरों में जजपा नेताओं के फोटो न होने पर कड़ी आपत्ति जताई। इसको लेकर जजपा ने दिल्ली में ससंदीय बोर्ड की मीटिंग बुलाई थी। हालांकि वह इस पर कोई फैसला नहीं ले सके। अब इस बारे में आज भी जजपा नेताओं का मंथन हो रहा है।

2024 के कैंपेनिंग पोस्टरों से भी जेजेपी गायब

आदमपुर उपचुनाव और पंचायत चुनाव के बीच हरियाणा बीजेपी ने 2024 विधानसभा चुनाव पर फोकस शुरू कर दिया है। पार्टी की सोशल मीडिया विंग ने इसके लिए पोस्टर जारी किए हैं। जिसमें सीएम मनोहर लाल खट्टर को चेहरा बनाया गया है। पोस्टर में डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला का कहीं जिक्र नहीं है। यह पोस्टर ट्विटर पर 'मनोहर म्हारा हरियाणा' से ट्रेंड करवाए जा रहे हैं।

भाजपा निर्दलीय विधायकों से भी नजदीकी बढ़ा रही

गठबंधन को लेकर त्रिपुरा के पूर्व सीएम और हरियाणा में पार्टी के स्टेट इंचार्ज बिप्लब देब के हरियाणा दौरे से चर्चाएं तेज हुई। उन्होंने निर्दलीय विधायकों से वन टू वन मीटिंग की। इसे भाजपा के मिशन 2024 साधने के साथ जजपा पर दबाव बनाने की राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है।

जजपा भी पीछे नहीं, दुष्यंत दिखा रहे तेवर

भाजपा के खिलाफ तेवर दिखाने में जजपा भी पीछे नहीं है। पार्टी में हो रही टूट फूट पर डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला भी बड़े एक्शन ले रहे हैं। उन्होंने पार्टी विधायक राम निवास सुरजाखेड़ा को बीजेपी प्रेम के चलते हरियाणा खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के चेयरमैन पद से हटा दिया।

150 नेता शामिल कर बीजेपी दे चुकी झटका

हरियाणा में जेजेपी के साथ गठबंधन सरकार चल रही बीजेपी 16 सितंबर को एक बड़ा झटका दे चुकी है। जजपा के संस्थापक सदस्य और डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के विशेष सचिव रहे महेश चौहान सहित 150 जजपा नेताओं तथा कार्यकर्ता को पार्टी छोड़ बीजेपी में शामिल हो गए।

रोचक खबरें

न्यूजीलैंड में 500 पायलट व्हेल की मौत! विलुप्त हो रही प्रजाति को क्यों मारा गया?

न्यूजीलैंड के सुदूर चैथम द्वीप समूह में बड़े पैमाने पर फंसी लगभग 500 व्हेल मछलियों की मौत हो गई है. न्यूज़ एजेंसी एएफपी की एक रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को, चैथम द्वीप के समुद्र तट पर 250 पायलट व्हेल और फिर तीन दिन बाद पिट द्वीप पर 240 अन्य व्हेल के फंसे होने की सूचना सरकार को मिली थी. व्हेल के मरने पर स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि इन स्थानों की न्यूजीलैंड की मुख्य भूमि से दूरी ने बचाव अभियान को असंभव बना दिया था. जिस कारण से प्रशासन ने उन्हें 'इच्छा मृत्यु' देने का फैसला किया .

दोनों व्हेल समूहों को दी गई इच्छा मृत्यु

मनुष्यों और पायलट व्हेल पर शार्क के हमलों के जोखिम को देखते हुए, जीवित व्हेल को इच्छा मृत्यु दी गई. सरकारी तकनीकी समुद्री सलाहकार डेव लुंडक्विस्ट ने एएफपी को बताया कि उनकी प्रशिक्षित टीम द्वारा आगे की पीड़ा को रोकने के लिए व्हेल को इच्छामृत्यु दी गई. लुंडक्विस्ट ने बताया कि इस फैसले को कभी हल्के में नहीं लिया जाता है, लेकिन इस तरह के मामलों में यह सबसे अच्छा विकल्प होता है. इन व्हेल की मृत्यु के बाद शवों को साइट पर प्राकृतिक रूप से सड़ने के लिए छोड़ दिया जाएगा.

1918 में करीब हजार व्हेल फंसी थीं

चैथम द्वीप समूह पर वर्ष 1918 में करीब 1,000 व्हेल फंस गई थीं. ऐसे ही 2017 में, लगभग 700 पायलट व्हेल का एक बड़ा समूह द्वीप के किनारों पर फंस गया था. वैज्ञानिक पूरी तरह से यह नहीं समझ पाए हैं कि बड़े पैमाने पर स्ट्रैंडिंग क्यों होती है, लेकिन कुछ शोधकर्ताओं का मानना है कि तट के बेहद करीब आने पर ऐसी घटनाएं सामने आती हैं. पिछले महीने, ऑस्ट्रेलिया के सुदूर पश्चिमी तस्मानिया में एक समुद्र तट पर लगभग 200 पायलट व्हेल की मौत हो गई थी।

ढाई हजार साल पहले सिक्कों पर दिखती थी शिवलीला

विक्रमादित्य कालीन अवंतिका क्षेत्र से प्राप्त शिव, शिव पार्वती, शिव नंदी वाले सिक्के । ●नईदुनिया

विक्रमादित्य कालीन अवंतिका क्षेत्र से प्राप्त शिव, शिव पार्वती, शिव नंदी वाले सिक्के । ●नईदुनिया

श्री महाकाल लोक का वैभव निश्चित ही देवताओं में भी इसके दर्शन की लालसा पैदा कर रहा होगा। आज जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने कर कमलों से इस दिव्य लोक का लोकार्पण करेंगे, तब धर्मधानी के अध्याय में अध्यात्मिक उन्नति व सांस्कृतिक पुर्नउत्थान का नया अध्याय जुड़ जाएगा। महाकाल लोक में शिवलीला की मूर्ति श्रृंखला में कालजयी महाकाल का जैसा वैभव नजर आता है, शिवलीला का ऐसा ही अंकन ढाई हजार साल पहले उज्जैन के प्राचीन सिक्कों पर दिखाई देता था। यह सिक्के महिदपुर के अश्विनी शोध संस्थान में आज भी संरक्षित हैं। शोध संस्थान के निदेशक मुद्रा शास्त्री डा. आरसी ठाकुर बताते हैं कि भगवान महाकाल का प्रताप इतना है कि उज्जैन पर आधिपत्य करने वाले विदेशी शासकों को भी अपने सिक्कों पर शिव की आकृतियों ओर शिव से संबंधित विशेष नामों का अंकन करना पड़ा।

विदेशी शासकों ने जब भारत में आकर उज्जैन पर आधिपत्य किया तो अपने नाम रुद्रदाम, रुद्रसेन, रुद्रसिंह रखकर भगवान महाकाल की सत्ता को स्वीकार करना पड़ा। सिन्धु सभ्यता में हड़प्पा और मोहनजोदड़ों से प्राप्त मोहरों पर जो प्रतीक पाए जाते हैं, ऐसे ही प्रतीक उज्जयिनी के सिक्कों पर भी मिलते हैं। उज्जैन में ढले एक सिक्के पर वैदिक वृक्षों के बीच चौकोद पाद पीठ पर विशाल शिवलिंग स्थापित है। पृष्ठ भाग पर उज्जैन की विशिष्ट पहचान चिन्ह है। उज्जैन के अन्य सिक्कों में योगासन मुद्रा में बैठे शिव का अंकन मिलता है।

ढले हुए सिक्कों में शिवलीला के दर्शन

2300 साल पहले जब सिक्के ढालकर बनाए जाने लगे तब उज्जैन के सिक्कों पर शिव के कई और प्रतीक रूप बनाए गए। इसमें दंडधारी शिव, उमामहेश, जटाशंकर, कमंडलधारी शिव, नंदी के साथ शिव, शिव का रौद्ररूप, गंगा अवतरण करते हुए शिव, त्रिमुख शिव, चर्तुमुख शिव तथा महाकाल रूप में शिव अंकन के सिक्के प्रमुख हैं। श्री महाकाल लोक में शिव विवाह पर आधारित विशाल म्यूरल वाल का निर्माण किया है। प्राचीन सिक्कों में कल्याण सुंदर रूप का भी आश्चर्यजनक अंकन मिलता है। सिक्के पर ऊपर मंगल कार्यों का प्रतीक स्वस्तिक बना है तथा नीचे शिव व पार्वती विवाह के लिए जाते दृष्टि गोचर होते है।

हरियाणा-पंजाब के सीएम ही करेंगे एसवाईएल मुद्दे का समाधान

14 अक्तूबर को होगी मान-मनोहर की बैठक

चंडीगढ़, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब के सीएम भगवंत मान और हरियाणा के सीएम मनोहर लाल 14 अक्टूबर को एसवाईएल मुद्दे पर बैठक करेंगे। इस दौरान केंद्र सरकार की ओर से कोई नुमाइंदा मौजूद नहीं रहेगा। दोनों सीएम आपस में बैठकर मसले का समाधान निकालने की कोशिश करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर की शुरुआत में केंद्र सरकार से सतलुज-यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर से जुड़े वर्षों पुराने विवाद को सुलझाने के लिए पंजाब और हरियाणा राज्यों के साथ बैठक करने को कहा था। कोर्ट ने कहा था कि यह एक संवेदनशील मामला है और देश के व्यापक हित में इसे इस तरह नहीं छोड़ा जा सकता। पानी एक प्राकृतिक संसाधन है और लोगों को इसे साझा करना सीखना चाहिए, चाहे वह व्यक्तिगत स्तर पर हो या राज्य के स्तर पर। मामले को केवल एक शहर या एक राज्य के दृष्टिकोण से नहीं देखा जा सकता है। यह प्राकृतिक संपदा जिसे साझा किया जाना है और इसे कैसे साझा किया जाना है, यह एक तंत्र है जिस पर काम करने की जरूरत है।

वहीं पंजाब ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि वह अपने किसानों के हितों को नजरअंदाज कर दूसरे राज्यों को पानी नहीं दे सकता। पंजाब ने यह भी कहा था कि इस मामले को सुप्रीम कोर्ट को सुनवाई नहीं करना चाहिए, बल्कि इसे ट्रिब्यूनल को सुनना चाहिए। पंजाब का कहना है कि सतलुज, ब्यास नदी के पानी पर पहले उसका हक है। इसके बाद किसी और का नंबर आता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद दोनों प्रदेशों की राजनीति गरमा गई थी। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि पंजाब और हरियाणा में पानी की कमी है। यहां भी पानी का स्तर नीचे जा रहा है। केंद्र सरकार को हरियाणा और पंजाब को पानी दिलाना चाहिए। केंद्र का काम दोनों राज्यों को लड़ाना नहीं है, बल्कि हल निकालना है। हमें 130 करोड़ लोगों को जोड़ना है। हमें आपस में लड़ना नहीं है। हरियाणा और पंजाब को पानी मिल सकता है। मगर केंद्र सरकार को जिम्मेदारी लेनी होगी।

वहीं हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा था कि यदि पंजाब एसवाईएल का पानी दे तो इसका लाभ न केवल हरियाणा को होगा, बल्कि दिल्ली को भी सीधा फायदा मिलेगा। पंजाब हरियाणा को पानी देने की बजाय पाकिस्तान को देकर खुशी मना रहा है। पंजाब हरियाणा को पानी देगा तो पाकिस्तान जाने वाला पानी वहां नहीं जाएगा।

दो दिवसीय यात्रा पर आज त्रिपुरा आएंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

अगरतला, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार को त्रिपुरा के दो दिवसीय दौरे पर आ रही हैं। इस दौरान वे कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगी। राष्ट्रपति बनने के बाद मुर्मू का यह पहला पूर्वोत्तर दौरा है। राष्ट्रपति बुधवार सुबह सवा 11 बजे महाराजा बीर बिक्रम हवाई अड्डे पर पहुंचेंगी। नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे (एनएफआर) के एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रपति गुरुवार को अगरतला रेलवे स्टेशन से अगरतला-कोलकाता पैसेंजर ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगी।

त्रिपुरा सरकार के एक अधिकारी ने कहा, अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान मुर्मू न्यायिक अकादमी का उद्घाटन करेंगी और अगरतला के बाहरी इलाके नरसिंहगढ़ में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की नींव रखेंगी। राष्ट्रपति मुर्मू का टाउन हॉल में अगरतला नगर निगम (एएमसी) द्वारा स्वागत किया जाएगा, जहां मुख्यमंत्री माणिक साहा, महापौर दीपक मजूमदार और कैबिनेट मंत्री मौजूद रहेंगे।

राष्ट्रपति की नेताओं, गणमान्य लोगों और आम जनता से मुलाकात करने की भी योजना है। वह 13 अक्तूबर को त्रिपुरेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए उदयपुर जाएंगी। इसके बाद राष्ट्रपति गुवाहाटी के लिए रवाना होंगी। राष्ट्रपति के दौरे के मद्देनजर अगरतला तथा उसके आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा कड़ी कर दी गयी है।

हरियाणा कांग्रेस को 'गांधी परिवार' का साथ नहीं

आदमपुर उपचुनाव के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में नाम नहीं; भूपेंद्र हुड्डा प्रचार को लीड करेंगे

चंडीगढ़, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के आदमपुर उपचुनाव में कांग्रेस को गांधी परिवार का साथ नहीं मिलेगा। हरियाणा कांग्रेस ने उपचुनाव के लिए स्टार प्रचारकों की लिस्ट तैयार की है। जिसमें राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी का नाम नहीं है। लिस्ट में पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ही हरियाणा कांग्रेस का सबसे बड़ा चेहरा होंगे। कांग्रेस ने आदमपुर विधानसभा क्षेत्र को 3 जोन में बांटा है। इन क्षेत्रों में विधायकों के साथ ही पूर्व विधायकों को प्रचार का जिम्मा दिया है।

स्टार प्रचारकों में गुट विरोधियों को भी जगह

हरियाणा कांग्रेस के सात प्रमुख नेताओं के नामों को स्टार प्रचारकों की लिस्ट में जगह दी गई है। इसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान के अलावा विधायक दल के नेता एवं पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके सांसद बेटे दीपेंद्र हुड्डा का नाम शामिल है। हुड्डा गुट के विरोधियों कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला, कैप्टन अजय सिंह यादव, किरण चौधरी सहित चारों कार्यकारी अध्यक्षों को भी स्टार प्रचारक बनाया गया है।

बूथ लेवल पर बैठेंगे मौजूदा और पूर्व एमएलए

हरियाणा कांग्रेस ने आदमपुर उपचुनाव में पार्टी के 30 एमएलए की ड्यूटी लगाई है। इसके साथ ही 48 पूर्व एमएलए व पूर्व एमपी को प्रचार की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये सभी नेता और पदाधिकारी आदमपुर में बूथ लेवल की जिम्मेदारी संभालेंगे। चुनाव क्षेत्र में तीन कार्यालय खोले जाएंगे, जिनमें स्टेट लेवल के पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

इन नेताओं ने तैयार की जीत की प्लानिंग

आदमपुर उपचुनाव में जीत की तैयारी की प्लानिंग 3 प्रमुख नेताओं ने मिलकर तैयार की है। इनमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान और एमपी दीपेंद्र हुड्डा, विधायक दल के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा शामिल हैं। पार्टी की ओर से दावा किया गया है कि इसे और भी सीनियर नेताओं से विचार विमर्श के बाद अंतिम रूप दिया गया है।

गुटबाजी से संगठन सूची लटकी

हरियाणा कांग्रेस पिछले आठ सालों से संगठन के नाम पर सिर्फ प्रदेश अध्यक्ष के भरोसे ही चल रही है। गुटबाजी के कारण अभी तक राज्य में पार्टी का संगठन खड़ा नहीं हो पाया है। आदमपुर उपचुनाव में पार्टी को गुटबाजी के कारण बगावत का डर सता रहा है यही कारण है कि एक बार फिर से पार्टी की ओर से संगठन बनाने का काम टाल दिया गया है।

पार्टी में चार गुट एक्टिव

हरियाणा कांग्रेस में इस समय चार गुट हैं। इनमें कुमारी सैलजा, राज्यसभा एमपी रणदीप सुरजेवाला, किरण चौधरी और हुड्डा गुट है। हालांकि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष उदयभान ने गुटबाजी की बातों को सिरे से खारिज किया है उनका कहना है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव और आदमपुर उपचुनाव की व्यस्तता के कारण संगठन की सूची जारी नहीं की जा रही। हरियाणा कांग्रेस में 195 डेलीगेट्स को लेकर भी विवाद छिड़ा हुआ है।

असम में 47 करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त, एक गिरफ्तार

अगरतला, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने मंगलवार को असम पुलिस के साथ करीमगंज जिले में 47.4 करोड़ रुपये मूल्य की 9.477 किलोग्राम हेरोइन जब्त की और इस सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त टीम ने न्यू करीमगंज रेलवे स्टेशन के पास त्रिपुरा जाने वाले एक ट्रक को रोका।

वाहन की तलाशी लेने पर ट्रक के केबिन की छत में बनी गुहा से हेरोइन युक्त 764 साबुन के डिब्बे बरामद किए गए। प्रवक्ता ने बताया कि मिजोरम से आ रहे ट्रक के चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। बीएसएफ अधिकारियों को संदेह है कि म्यांमार से ड्रग्स की तस्करी की गई थी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 8 अक्टूबर को गुवाहाटी में 'न शी ले पदार्थों की तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा' पर सभी पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्रियों, मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान यह खुलासा हुआ कि 2014 से अब तक 20,000 करोड़ रुपये के ड्रग्स को जब्त किया गया है और पूर्वोत्तर राज्यों में 4,888 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

कोलकाता में गंगा नदी में डूबे तीन लोग

कोलकाता, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तरी कोलकाता में निमतला श्मशान घाट के पास गंगा नदी में तीन लोग डूब गए, जहां वे अपने एक रिश्तेदार का अंतिम संस्कार करने गए थे। घटना सोमवार देर रात की है। स्थानीय पुलिस सूत्रों ने कहा कि आने वाले उच्च ज्वार के बारे में वहां तैनात पुलिसकर्मियों द्वारा बार-बार चेतावनी देने के बावजूद लोगों का एक समूह नदी में चला गया। उन्होंने पानी से बाहर निकलने से भी इनकार किया और उनमें से तीन नदी में एक उच्च ज्वार में बह गए। तीन और लोगों को किसी तरह बचाया गया, जबकि अन्य तीन डूब गए। उनके शव अभी तक नहीं मिले हैं। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के गोताखोर रिपोर्ट दर्ज होने तक तलाशी अभियान चला रहे थे। ये सभी उत्तरी कोलकाता के बेलियाघाटा इलाके के रहने वाले थे।

20 लाख में रचा गया था हत्या का षड्यंत्र

कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा के आवास की सुरक्षा बढ़ाई

देहरादून, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा की हत्या की साजिश का खुलासा होने के बाद उनके आवास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। आवास पर मेटल डिटेक्टर लगाने के साथ सिपाहियों और सादे कपड़ों में एलआईयू को तैनात किया गया है।

मामले में सीएम ने डीजीपी समेत पुलिस के बड़े अफसरों संग बैठक कर मामले की जानकारी ली। उन्होंने पुलिस अफसरों को कई निर्देश भी दिए। मंत्री का सुरक्षा प्रोटोकॉल भी बदला जा सकता है। मंत्री की हत्या के षड्यंत्र का खुलासा होने के बाद सुरक्षा एजेंसियों में भी खलबली मच गई है। एक आरोपी को पकड़ा जा चुका है। इसके साथ ही अब पुलिस अफसरों को मंत्री की सुरक्षा की चिंता सताने लगी है। सोमवार को आईजी इंटेलीजेंस एपी अंशुमन भी मंत्री से मिलने यमुना कॉलोनी स्थित आवास पहुंचे और आवास के बाहर उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही उन्होंने वहां पर एलआईयू को तैनात करने के निर्देश दिए। उनके जाने के बाद आवास के बाहर मेटल डिटेक्टर, दो सिपाही और एलआईयू कर्मियों को तैनात किया गया है। मामले में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पुलिस और इंटेलीजेंस के अधिकारियों के साथ भी बैठक की थी। इस दौरान उनसे अब तक हुई मुकदमे की कार्रवाई की जानकारी ली। मंत्री की सुरक्षा के संबंध में भी मुख्यमंत्री ने जानकारी ली। बताया जा रहा कि अब उनका सुरक्षा प्रोटोकॉल बदलने की बात चल रही है। इसके लिए शासन में विचार किया जा रहा है। वर्तमान में मंत्री सौरभ बहुगुणा का वाई स्पेशल सुरक्षा प्रोटोकॉल है। इसके तहत उनके साथ एक स्कॉट गाड़ी चलती है। यह सभी मंत्रियों का प्रोटोकॉल भी रहता है। ऐसे में अब उनका प्रोटोकॉल बढ़ाकर जेड भी किया जा सकता है।

20 लाख रुपये की दी सुपारी

सीओ ओमप्रकाश शर्मा ने सोमवार को घटना का खुलासा करते हुए बताया कि बीते रविवार की देर शाम को कैबिनेट मंत्री के प्रतिनिधि भाजपा नेता उमाशंकर दुबे ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि कोटाफार्म सिसौना निवासी हीरा सिंह थाना सितारगंज से पूर्व में गेहूं चोरी के मामले में जेल गया था। आरोपी हीरा इस मामले में स्वयं को जेल भिजवाने में कैबिनेट मंत्री (पशु पालन डेरी, मत्स्य विभाग व प्रोटोकोल) सौरभ बहुगुणा को जिम्मेदार मानते हुए उनसे रंजिश रखता है। सीओ ने बताया कि हीरा ने जेल में रहने के दौरान सिरसा फार्म थाना बहेड़ी जिला बरेली (यूपी) निवासी सतनाम सिंह से मिलकर मंत्री सौरभ बहुगुणा की हत्या का षड्यंत्र रचा था। जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद हीरा ने सतनाम के बताए साथी सिरसा फार्म निवासी हरभजन सिंह व नौडांडी थाना बहेड़ी जिला बरेली (यूपी) के तांत्रिक मो. अजीज उर्फ गुड्डू से मिलकर 20 लाख रुपये की सुपारी दे दी।

देश में रोल मॉडल बनकर उभरी है तेलंगाना पुलिस : महमूद अली

गृह मंत्री ने पुलिस स्टेशनों और पुलिस कल्याण केंद्र का किया शुभारंभ

पेद्दापल्ली, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। गृह मंत्री मोहम्मद महमूद अली ने कहा कि तेलंगाना पुलिस कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए अभिनव तरीकों को अपनाकर देश के लिए एक आदर्श के रूप में उभरी है।

महमूद अली मंगलवार को कल्याण मंत्री कोप्पुला ईश्वर और डीजीपी एम महेंद्र रेड्डी के साथ गोदावरीखानी टाउन-I और अंतरगांव पुलिस स्टेशनों और पुलिस कल्याण केंद्र और सामुदायिक हॉल का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। गृह मंत्री ने कहा कि राज्य में सत्ता में आने के बाद मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने पुलिस विभाग को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर कानून व्यवस्था बनाए रखने में तेलंगाना को रोल मॉडल के रूप में विकसित किया। तेलंगाना उन क्षेत्रों के लिए एक उत्कृष्ट उदाहरण था जहां कानून और व्यवस्था सभी मोर्चों पर विकसित हो रही थी। पुलिस को आधुनिक वाहन उपलब्ध कराने के साथ ही मैत्रीपूर्ण पुलिसिंग के

माध्यम से जनता को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

जनता को कारपोरेट स्तर की सेवाएं प्रदान करने के लिए नागरिक हितैषी पुलिसिंग के तहत राज्य भर में आधुनिक सुविधाओं के साथ नए पुलिस थाना भवनों का निर्माण किया जा रहा है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए शी टीमें और बरोसा केंद्र स्थापित किए गए।

पुलिस कर्मियों पर जनता के बीच विश्वास बढ़ गया था क्योंकि पुलिस डायल 100 के माध्यम से कॉल प्राप्त करने और समस्याओं को हल करने के दस मिनट के भीतर मौके पर पहुंच रही है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना पुलिस डीजीपी महेंद्र रेड्डी की देखरेख में आधुनिक तकनीक का उपयोग करके जनता को बेहतर सेवाएं प्रदान कर रही है और राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार और पुरस्कार भी जीते हैं। कल्याण मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने उम्मीद जताई कि नए पुलिस थाने के उद्घाटन से लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था के मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री पुलिस विभाग को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मैत्रीपूर्ण पुलिस नीति के अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर की रिपोर्टों के अनुसार, राज्य में अपराध दर में भारी गिरावट आई है।

डीजीपी महेंद्र रेड्डी ने गोदावरीखानी थाने के नए भवन के निर्माण को ऐतिहासिक घटना करार दिया। पुराने करीमनगर जिले के अस्तित्व से ही यह क्षेत्र राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर पेद्दापल्ली के सांसद बोरलाकुंटा वेंकटेश नेथकानी, रामागुंडम के विधायक कोरुकांति चंदर, पुलिस हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष कोलेटी दामोदर, पुलिस आयुक्त एस चंद्रशेखर रेड्डी, करीमनगर के सीपी वी सत्यनारायण और अन्य उपस्थित थे।

श्री वेंकटेश्वर वैभवोत्सव की धार्मिक शुरुआत

अस्तदल पदपद्म आराधना और वसंतोत्सवम भक्तों को लुभाता है

श्री वेंकटेश्वर वैभवोत्सव की धार्मिक शुरुआत में भाग लेते हुए गर्वनर तमिलसाई सुंदरराजन, केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेडड़ी, सांसद डॉ. के. लक्ष्मण व अन्य।

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पांच दिवसीय श्री वेंकटेश्वर वैभवोत्सव (एसवीवी) मंगलवार को हैदराबाद में धार्मिक रूप से शुरू हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। तिरुमाला मंदिर में दैनिक सेवा नहीं देखने वाले भक्तों को सक्षम करने के लिए, टीटीडी ने लगभग एक दशक पहले एक अभिनव कार्यक्रम श्री वेंकटेश्वर वैभवोत्सवम तैयार किया है जो पिछले दो वर्षों में कोविड महामारी के कारण रुका हुआ था। पहले दिन, दैनिक कैंकर्य सुप्रभातम के साथ शुरू हुआ, सुबह 6 बजे भगवान की जागृति सेवा, उसके बाद रंग-बिरंगी माला और तुलसीमल के साथ पीठासीन देवता की तोमाला सेवा-सजावट, जिसे मंदिर दरबार कोलुवु ने सुबह 6.30 से 7.30 बजे के बीच सफल किया। हालांकि, शाम को एकांतम में तोमला सेवा मनाई जाएगी। पीठासीन देवता को अलंकृत करने के बाद, भगवान के 1000 पवित्र नामों का पाठ करते हुए अर्चना-पूजा की गई, जिसमें सहस्रनाम, अस्तोतरा सतनामा, चतुर्विम्सतिनामा, द्वादासनमा शामिल थे। जो सुबह 7.30 से 8.15 बजे के बीच किया गया।

विशेष सीएस अरविंद कुमार ने किया सड़क चौड़ीकरण कार्यों का निरीक्षण

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। याकूतपुरा और बहादुरपुरा विधानसभा क्षेत्रों में सड़क चौड़ीकरण कार्यों का निरीक्षण नगर प्रशासन और शहरी विकास (एमए एंड यूडी) के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार ने मंगलवार को यहां किया। निरीक्षण के दौरान, उनके साथ हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी, याकूतपुरा के विधायक अहमद पाशा कादरी, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के आयुक्त डीएस लोकेश कुमार और अन्य लोग थे। एमए एंड यूडी के विशेष मुख्य सचिव ने ट्विटर पर कहा कि पुराने शहर में सड़क चौड़ीकरण और नाले के काम में तेजी लाई जाएगी। बाद में उन्होंने बताया कि सड़क चौड़ीकरण और नाला कार्यों में तेजी लाएंगे।

ताश खेलने के आरोप में चार गिरफ्तार नकदी व सेलफोन बरामद

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वरंगल टास्कफोर्स पुलिस ने गेमिंग के बारे में विश्वसनीय जानकारी पर गीसुकोंडा थाना की सीमा के अंतर्गत आने वाले रेड्डीपुरम में सूर्यकुटीर वेंचर में ताश खेलने वाले 4 लोगों को पकड़ा और 4100 रुपये की नकद 4 बाइक, 4 मोबाइल फोन जब्त किए। इस दौरान बाकी 2 व्यक्ति मौके से फरार हो गए। छापेमारी के बाद जब्त की गई संपत्ति सहित गिरफ्तार आरोपियों को आगे की कार्रवाई के लिए गीसुकोंडा पुलिस को सौंप दिया गया है। गिरफ्तार किये गये आरोपियों में गट्टीकोप्पुला निशान (23), संतोष (60) लुनावत। विनोद (24) तथा बोंथा सुरेश (30) शामिल हैं। फरार होने वालों में सी. इलैया (47) तथा शिवरात्रि सुरेश (26) शामिल हैं।

मंत्री ने आदिवासी छात्र को आईआईटी में जाने के लिए मदद का आश्वासन दिया

मंचेरियल, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी मंत्री केटी रामाराव ने जनाराम मंडल के सुदूर कमनपल्ली गांव के एक मेधावी आदिवासी छात्र को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में इंजीनियरिंग करने के अपने सपने को साकार करने में मदद करने का आश्वासन दिया है। मंत्री एक ट्विटर उपयोगकर्ता मौनिका राठौड़ के एक ट्वीट का जवाब दे रहे थे, जिसमें छात्र की दुर्दशा बताई गई थी। रामा राव ने आश्वासन दिया कि वह व्यक्तिगत रूप से चंद्रकांत नाइक की देखभाल करेंगे, जिन्होंने एसटी वर्ग के तहत जेईई एडवांस -2022 में 787वां रैंक हासिल किया और हाल ही में आईआईटी-भुवनेश्वर में मैकेनिकल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में सीट हासिल की, लेकिन 35,000 रुपये का ट्यूशन

फीस का भुगतान करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। इकोडा मंडल केंद्र के राठौड़ ने चंद्रकांत की स्थिति को मंत्री के ध्यान में लाया, जिन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

मंत्री ने बताया कि मैं व्यक्तिगत रूप से ध्यान रखूंगा। मंत्री ने अपने कार्यालय से समन्वय करने के लिए कहा। राठौड़ ने कहा कि मंत्री के आश्वासन से छात्र को प्रमुख संस्थान में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के अपने सपने को पूरा करने में मदद मिलेगी। उसने कहा कि चंद्रकांत के माता-पिता उनकी कमजोर वित्तीय पृष्ठभूमि को देखते हुए फीस का भुगतान नहीं कर सके। सुदर्शन नाइक, उनके पिता एक विकलांग व्यक्ति हैं, जो जीविका चलाने के लिए किराना चलाते हैं। इस बीच, चंद्रकांत ने मंत्री के आश्वासन पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि वह भविष्य की अनिश्चितता से निराश हैं। उन्होंने जनाराम मंडल के किस्तापुर गांव में जिला परिषद माध्यमिक विद्यालय में स्कूल में पढ़ाई की है और उत्नूर के एक कॉलेज में इंटरमीडिएट की पढ़ाई की है।

निर्मल में बुजुर्ग की झुलसकर मौत

निर्मल, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा मंडल के एकगांव गांव में सोमवार की रात अचानक आग लगने से 65 वर्षीय एक व्यक्ति जिंदा जल गया जब वह फसल बचाने के लिए रह रहा था।

भैंसा पुलिस ने कहा कि एकागांव के भुमन्ना को एक अलाव से आग की लपटों के बाद जिंदा जला दिया गया था, जिसे उन्होंने खुद जलाया था, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वह रात में धान के खेत की रक्षा के लिए झोपड़ी में रह रहा था। वह अलाव का इस्तेमाल गर्मी के लिए कर रहा था।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, VASEEM BANO, R/o.21-4-51 and 52, opp Kaman, Hussaini Alam, Hyd-64, T.S. Changed My Name As WASEEM BANU W/o.SYED OMER KHAN.

I, GEWARA NARSING RAO, R/o.16-11-18/18, F.No.302, MBS Residency, Malakpet, Hyd, T.S. Changed My Name As GEWARE NARSING RAO.

I, RESHMA BEGUM, R/o.18-13-7/1/4/C, Chandrayangutta, Indra Nagar, Hyd-05, T.S. Changed My Name As AYESHA MARYAM W/o. MOHAMMED JAFFAR ADNAN.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन के प्रतिवाल करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सत्र अदालत ने फेसबुक इंडिया के संचालन के पूर्व एमडी को समन जारी किया : प्रदीप

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एससी और एसटी मामलों के लिए रंगारेड्डी जिला सत्र अदालत ने शहर के मूल निवासी प्रदीप मानिकोंडा द्वारा दायर एक याचिका के जवाब में फेसबुक के पूर्व एमडी (संचालन) कीर्तिगा रेड्डी को समन जारी किया है। अदालत ने रेड्डी को सुनवाई के लिए 21 नवंबर को पेश होने को कहा।

प्रदीप ने अपनी याचिका में अदालत को बताया कि कीर्तिगा रेड्डी ने न केवल उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी है, बल्कि फेसबुक में गलतियों और सोशल नेटवर्किंग साइट द्वारा किए गए धोखाधड़ी को इंगित करने के लिए उन्हें परेशान भी किया है। उन्होंने अदालत को यह भी बताया कि रेड्डी ने उन्हें चर्चा के लिए आमंत्रित किया और उन्हें मौखिक रूप से गालियां दीं। उसने अदालत को यह भी बताया कि उसे कीर्तिगा रेड्डी से अपनी जान को खतरा है। उन्होंने कोर्ट से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सोमाजीगुडा प्रेस क्लब में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, प्रदीप, जो एक साइबर सुरक्षा इंजीनियर, पैठ परीक्षक और साइबर रक्षा सलाहकार हैं, ने कहा कि उनके पास समृद्ध अनुभव है और उन्होंने कहा कि उन्होंने फेसबुक के कैलिफोर्निया कार्यालय में की गई एक प्रस्तुति में फेसबुक में दोषों की ओर इशारा किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि फेसबुक की खामियों के उजागर होने के बाद फेसबुक के प्रबंधन ने उनके खिलाफ एक शिकायत विकसित की थी। उन्होंने कहा कि फेसबुक प्रबंधन ने उन्हें एक प्रस्तुति के लिए 2010 में कैलिफोर्निया में अपने कार्यालय में आमंत्रित किया और कहा कि उन्होंने एक प्रस्तुति दी और फेसबुक की खामियों को उजागर किया। उन्होंने कहा कि इसके बाद फेसबुक के प्रबंधन,

मास्क के संस्थापक जुकरबर्ग ने उन्हें फेसबुक के कार्यालय में अवैध रूप से प्रवेश करने के आरोपों पर उनके खिलाफ झूठा मामला दर्ज करने की धमकी दी, उन्होंने कहा कि जुकरबर्ग ने नागरिक उत्पीड़न और साइबर का मामला दर्ज किया। कैलिफोर्निया राज्य के सांता क्लारा में एक अदालत में उनके खिलाफ शिकारी और कहा कि अदालत ने उन्हें फेसबुक के संस्थापक से उनके द्वारा प्राप्त निमंत्रण को देखने के बाद अमेरिका में जुकरबर्ग से 100 फीट की दूरी बनाए रखने का आदेश दिया है।

प्रदीप ने कहा कि उन्होंने कैलिफोर्निया राज्य न्यायिक आयोग में सांता क्लारा सुपीरियर कोर्ट के फैसले को चुनौती दी और $ 100 मिलियन के लिए वैश्विक अपमान और मानहानि का मामला दायर किया। उन्होंने कहा कि वह 2014 में शहर लौट आए थे। उन्होंने कहा कि कीर्तिगा रेड्डी ने चर्चा करने के नाम पर उन्हें हैदराबाद में अपने कार्यालय में बुलाया और अमेरिका में दायर अपने मामले को वापस लेने की मांग करते हुए उनका अपमान किया।

उन्होंने कहा कि उन्होंने कीर्तिगा रेड्डी के खिलाफ माधापुर पुलिस स्टेशन में एक मामला दर्ज किया था और कहा कि पुलिस ने कीर्तिगा रेड्डी के दबाव के बाद इसे झूठा बताकर और इसके बारे में कोई जानकारी दिए बिना उनके मामले को बंद कर दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने भी उन्हें कोई सुरक्षा मुहैया नहीं कराई। उन्होंने कहा कि जब से उन्होंने कीर्तिगा रेड्डी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है तब से वह फेसबुक के प्रबंधन के खिलाफ लड़ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि उन्हें प्रबंधन से लगातार हमलों का सामना करना पड़ रहा था और कहा कि पुलिस उनकी शिकायतों का जवाब नहीं दे रही थी। प्रदीप ने कहा कि उन्हें जिला अदालत में विरोध याचिका दायर करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि उनके पास न्याय पाने का कोई विकल्प नहीं था।

माधापुर में हुक्का पार्लर पर छापा

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। माधापुर पुलिस ने सोमवार रात एक हुक्का पार्लर, द बैकयार्ड कैफे में छापा मारा और दो प्रबंधकों एमडी सरफराज और वामशी गौड़ को बिना अनुमति के संचालन के लिए गिरफ्तार किया। एक गुप्त सूचना पर, पुलिस ने परिसर में छापा मारा और पाया कि प्रबंधन हुक्का पार्लर और एक कॉफी शॉप चला रहा था और आगंतुकों को अवैध रूप से हुक्का बर्तनों की आपूर्ति कर रहा था। पुलिस ने हुक्का पार्लर और अन्य सामान जब्त किया। मामला दर्ज है।

राज्य भर के 103 केंद्रों में मुफ्त डायलिसिस पहल का विस्तार करेगी सरकार : स्वास्थ्य मंत्री

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। क्रॉनिक किडनी पेशेंट्स (सीकेडी) के लिए जीवन रक्षक डायलिसिस सुविधाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक बड़ी पहल के तहत, तेलंगाना सरकार राज्य भर में 103 डायलिसिस केंद्रों के लिए अपनी प्रमुख मुफ्त डायलिसिस पहल का विस्तार करने की प्रक्रिया में है।

निःशुल्क डायलिसिस केंद्रों का विस्तार करने का निर्णय आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के रोगियों को संपूर्ण किडनी देखभाल सुविधाएं प्रदान करने के लिए राज्य सरकार की समग्र रणनीति का हिस्सा है। निःशुल्क डायलिसिस के अलावा, गुर्दे की बीमारियों के रोगियों को भी मासिक आसरा पेंशन 2016, निःशुल्क बस पास सुविधा, निकटतम निःशुल्क डायलिसिस सुविधा, आरोग्यश्री के तहत निःशुल्क गुर्दा प्रत्यारोपण कराने

वाले रोगियों के लिए जीवन रक्षक दवाओं की आजीवन आपूर्ति की जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने मंगलवार को किडनी रोगियों को आसरा पेंशन आईडी कार्ड जारी करने के दौरान कहा कि राज्य के गठन के बाद से 2014 में केवल 3 ऐसे केंद्रों से तेलंगाना सरकार ने लगभग गुर्दा रोगियों को मुफ्त डायलिसिस सुविधा प्रदान करने के लिए 700 करोड़ रुपये खचे किया है। उन्होंने बताया कि हमने पहले 44 डायलिसिस इकाइयां शुरू कीं और फिर पिछले कुछ वर्षों में उनका विस्तार 83 सुविधाओं तक किया। आने वाले दिनों में, हम 103 केंद्रों तक मुफ्त डायलिसिस का विस्तार कर रहे हैं।

वर्तमान में, लगभग 10,000 क्रोनिक किडनी रोगी सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क डायलिसिस सुविधा प्राप्त कर रहे हैं, जिनमें से 5,000 रोगी मासिक रूप से आसरा पेंशन प्राप्त कर रहे हैं।

हरीश राव ने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने हमें केवल मुफ्त डायलिसिस के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित करने का निर्देश दिया है। डायलिसिस रोगियों में संक्रमण को कम करने के लिए, हम सभी डायलिसिस सुविधाओं में सिंगल यूज डायलिसिस मशीनों का उपयोग कर रहे हैं। सभी मौजूदा और आगामी मुफ्त डायलिसिस सुविधाएं निम्स, उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल (ओजीएच) और गांधी अस्पताल सहित तीन-हबों से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि तीन केंद्रों के नेफ्रोलॉजिस्ट को जिलों में सैटेलाइट डायलिसिस केंद्रों का व्यक्तिगत दौरा करने का निर्देश दिया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण डायलिसिस सुविधाएं उपलब्ध हों।

ग्रामीण इलाकों में बुनियादी ढांचा तैयार करने के प्रयास जारी : आदिलाबाद सांसद

आदिलाबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद के सांसद सोयम बापू राव ने कहा कि वह ग्रामीण हिस्सों में परिवहन और बिजली के बुनियादी ढांचे को बनाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कलेक्टर सिकता पटनायक के साथ मंगलवार को यहां विभिन्न विभागों द्वारा शुरू की गई योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक बुलाई। बापू राव ने कहा कि यदि प्रस्ताव तैयार किए जाते हैं तो ग्रामीण क्षेत्रों के बुनियादी ढांचे में सुधार के प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि किसानों के कल्याण के लिए राशि दी जा रही है। उन्होंने किसानों को धन का उपयोग करने और विभिन्न फसलों को उगाने की सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों को पोषण की खुराक प्रदान करके आदिवासी बस्तियों की महिलाओं के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए, जो एनीमिया, कुपोषण के कारण कठिनाइयों का सामना कर रही हैं।

सांसद ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि हाल ही में हुई भारी बारिश से प्रभावित ग्रामीण इलाकों में बेहतर परिवहन, पीने और बिजली की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएं। उन्होंने कृषि अधिकारियों से कहा कि वे किसानों को जैविक खाद के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि फसलों को उगाने के लिए अकार्बनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग से होने वाली बीमारियों से किसान अपनी जान गंवा रहे हैं। उन्होंने याद किया कि कोविड -19 लॉकडाउन के दौरान इसी तरह की समीक्षा बैठक ऑनलाइन आयोजित की गई है।

कलेक्टर ने सांसद को बताया कि महत्वाकांक्षी माना ऊरु-माना बड़ी योजना के तहत 237 विद्यालयों को विकसित करने के लिए चयनित किया गया है। उन्होंने कहा कि कुपोषित महिलाओं और बच्चों को पौष्टिक आहार दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनता को बेहतर गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए शहर के एक सरकारी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में डॉक्टरों की भर्ती के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। कलेक्टर ने कहा कि जिला केंद्र के खानापुर में एक सिंचाई टैंक को मिनी टैंक बांध में बदला जा रहा है और काम पूरा होने वाला है, कलेक्टर ने अधिकारियों को बंगारुगुडा में विकास गतिविधियों को शुरू करने और इलाके में बिजली की आपूर्ति करने के लिए भी कहा।

त्योहारों के दौरान पुलिस के साथ सहयोग करने के लिए हैदराबाद सीपी ने लोगों को धन्यवाद दिया

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने पुलिस के साथ सहयोग करने और शहर में हाल ही में मनाए गए सभी त्योहारों के शांतिपूर्ण संचालन के लिए समर्थन देने के लिए नागरिकों को धन्यवाद दिया। धार्मिक मौलवियों की सांप्रदायिक सौहार्द, आत्मानुशासन और सकारात्मक प्रतिक्रिया को बनाए रखते हुए, शांति समिति के सदस्यों ने त्योहारों के शांतिपूर्ण समापन का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि हम पूरे शहर में उन सभी की सराहना करते हैं जिन्होंने अपना समर्थन दिखाया है। आप हमारे शहर की परवाह करते हैं और क्योंकि आप लगातार पुलिस विभाग के साथ सहयोग कर रहे हैं, हैदराबाद ऐतिहासिक रूप से विविधतापूर्ण और सामंजस्यपूर्ण शहर बना हुआ है।

अमित शाह के मंच से भोजपुरी के लिए बड़ी मांग

सांसद ने कहा- आठवीं अनुसूची में किया जाए शामिल

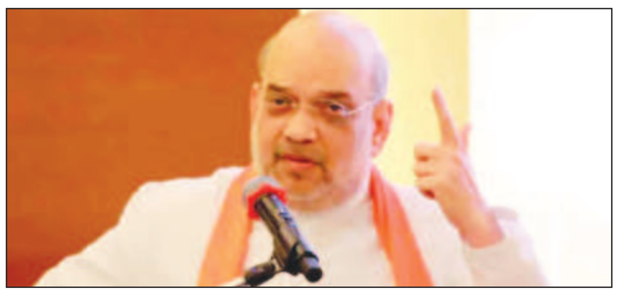

पटना, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंति पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बिहार में जेपी के पैतृक गांव सारण जिले के सिताब दियारा पहुंचे। जहां उन्होंने जयप्रकाश नारायण की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। प्रतिमा अनावरण के बाद आम सभा का आयोजन किया गया।

भाजपा सांसद विरेंद्र सिंह मस्त ने मंच से संबोधित करते हुए लालू यादव व नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला। वहीं भोजपुरी भाषा में जब उन्होंने संबोधित किया तो लोगों के बीच का उत्साह देखने लायक था। वीरेंद्र सिंह मस्त ने भोजपुरी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग भी मंच से कर दी।

सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने कहा कि अगर हमारे गृह मंत्री चाहेंगे तो ये भी होकर रहेगा। वीरेंद्र सिंह मस्त ने अमित शाह के कार्यों का गुणगान करते हुए सरदार वल्लभ भाई पटेल को याद किया और कहा कि जिस तरह देश को एकसूत्र में पिरोने का काम तब पटेल जी ने किया वही आज गृह मंत्री अमित शाह कर रहे हैं। वीरेंद्र सिंह मस्त ने सिताब दियारा के लिए कइ अन्य मांगें की।

मंच पर अमित शाह के साथ ही यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, बिहार बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल, सांसद सुशील मोदी, मंत्री नित्यानंद राय समेत कई नेता मौजूद थे।

मुलायम को बेटे अखिलेश ने मुखाग्नि दी

राजनाथ-पवार-खड़गे समेत कई बड़े नेता मौजूद थे, करीबी अनिल अंबानी, सुब्रत राय और अभिषेक बच्चन भी पहुंचे

लखनऊ, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुलायम सिंह यादव का मंगलवार को अंतिम संस्कार किया गया। बेटे अखिलेश यादव ने सैफई के मेला ग्राउंड पर उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार के लिए मुलायम की पार्थिव देह पहली पत्नी मालती के मेमोरियल के पास बने प्लेटफॉर्म पर रखी गई थी। राजकीय सम्मान के साथ हुए अंतिम संस्कार में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद थे। कई राज्यों के मुख्यमंत्री, उप-मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री भी पहुंचे। बेहद करीबी माने जाने वाले अमिताभ बच्चन के बेटे अभिषेक बच्चन मां जया के साथ पहुंचे। सहारा चीफ सुब्रत राय और उद्योगपति अनिल अंबानी ने भी अंतिम दर्शन किए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, यूपी के डिप्टी सीएम केशव मौर्य और बृजेश पाठक, बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, कांग्रेस नेता कमलनाथ, मल्लिकार्जुन खड़गे मौजूद थे। श्रद्धांजलि देने वालों में आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू, भाजपा सांसद रीता बहुगुणा जोशी और योगगुरु बाबा रामदेव भी थे। इनके अलावा राकांपा चीफ शरद पवार, उनकी बेटी सुप्रिया सुले, भाजपा सांसद वरुण गांधी, मेनका गांधी, आरएलडी अध्यक्ष जयंत चौधरी, सहारा के चीफ सुब्रत राय सहारा, स्वामी प्रसाद मौर्य और अभिषेक बच्चन और उद्योगपति अनिल अंबानी भी अंतिम संस्कार में शामिल हुए। मेलाग्राउंड में 5 साल पहले तक सैफई महोत्सव होता था। यहीं मुलायम के अंतिम संस्कार के लिए प्लेटफॉर्म बनाया गया था। बारिश के बीच 50 मजदूरों ने रातोंरात 30x30 फीट का प्लेटफॉर्म खड़ा किया। यह प्लेटफॉर्म मुलायम की पहली पत्नी मालती देवी के मेमोरियल के करीब ही बनाया गया। मालती देवी की 2003 में मृत्यु हो गई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी में 3 दिन के शोक की घोषणा की है। वे सोमवार को ही सैफई पहुंचे थे और मुलायम के अंतिम दर्शन किए। बिहार में भी एक दिन का राजकीय शोक था।

मेदांता में सोमवार सुबह 8:16 बजे निधन के बाद जब नेताजी का शव सैफई लाया गया तो घर पर हजारों कार्यकर्ता जमा हो गए। रात से लेकर सुबह तक नारे लगते रहे- नेताजी अमर रहें। फिर सुबह पार्थिव देह मेला ग्राउंड लाई गई ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग मुलायम सिंह के अंतिम दर्शन कर सकें। यहां लाखों की तादाद में लोग पहुंचे। मेला ग्राउंड ही नहीं, पूरे सैफई में पैर रखने की जगह नहीं दिखाई दे रही थी।

मुलायम सिंह यादव ने सोमवार सुबह 8 बजकर 16 मिनट पर गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में अंतिम सांस ली। 82 साल के मुलायम सिंह करीब 2 साल से ब्लड प्रेशर और यूरिन इन्फेक्शन जैसी बीमारियों से जूझ रहे थे। मुलायम सिंह यादव 2 साल से बीमार चल रहे थे।

पीएम नरेंद्र मोदी सोमवार को गुजरात के भरुच में जनसभा कर रहे थे। यहां भी उन्होंने सबसे पहले मुलायम सिंह यादव को याद किया। कहा, मुलायमजी का जाना देश के लिए बहुत बड़ी क्षति है। मेरा मुलायमजी के साथ नाता विशेष प्रकार का रहा।

मुलायम सिंह के सामने अखिलेश के लिए मुनव्वर राना ने कौन सा शेर सुनाया था

जिसे सुन सपा संरक्षक बोले- हम भी उसे यही समझाते हैं

लखनऊ, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के संस्थापक और पूर्व यूपी सीएम मुलायम सिंह यादव के निधन से हर कोई दुखी है। मशहूर शायर मुनव्वर राना ने भी मुलायम सिंह यादव के निधन पर दुख व्यक्त किया है और वह सपा नेता के साथ अपने कुछ पुराने किस्से भी याद कर रहे हैं। उन्होंने अखिलेश यादव के लिए एक शेर का जिक्र करते हुए बताया कि जब शायर ने यह शेर नेताजी को सुनाया था उन्होंने कहा था कि वह भी अखिलेश को यही समझाते हैं।

मुनव्वर ने नेताजी के साथ अपने संबंधों के बारे में बताया कि वह अक्सर राना को मिलने के लिए बुलाते रहते थे और बिना किसी परमिशन के उन्हें सीधा मुलायम के पास भेज दिया जाता था। उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह यादव को ज्यादा शायरी समझ नहीं आती थी, लेकिन उनकी मोहब्बत में वह शायरी भी सुनने लगे थे। मुनव्वर राना की इन बातों से ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनके नेताजी के साथ रिश्ते काफी ज्यादा अच्छे थे।

मुनव्वर राना ने नेताजी के साथ अपनी पहली मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा कि 30-32 साल पहले इटावा के एक मुशायरे में वह दोनों मिले थे। उन्होंने कहा, "वो जमाना बलराम सिंह यादव का हुआ करता था। मुलायम साहब एमएलए थे, तब से हमारी उनसे मुलाकातें थीं। वह अक्सर हमको बुलवाते थे और हम जाते थे। वह हमसे मिलकर बहुत खुश होते थे। कोई दुख या सुख होता था खुद बयां करते थे वो बहुत दिलचस्प होता था और हमारे भी दुख-सुख सुनते थे।" उन्होंने एक किस्सा याद करते हुए कहा कि वह एक बार अपने बेटे परवेज के साथ नेताजी से मिलने गए। 15 मिनट बाद नेताजी आए और उन्होंने कहा कि राना जी क्षमा कीजिएगा, हमारी पीठ में बहुत दर्द था। इस वजह से बहुत देर से उठा। राना ने आगे कहा, "मैंने उनको एक शेर सुनाया और कहा कि आप समझ लीजिए कि यह आपकी तरफ से आपके मुख्यमंत्री बेटे के लिए है।"

मुनव्वर का वह शेर था- "हम अभी हैं तो हुनर हमसे हमारे ले लो, वरना हम भी किसी दीवार से लगे रहेंगे।" यह किस्सा याद करते हुए मुनव्वर ने बताया, "यह शेर सुनकर नेताजी भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि हम यह बात उसे समझाते हैं कि जब तक हम जिंदा हैं हमसे सीख लो कुछ फैसला करते वक्त।" मुनव्वर राना नेताजी के निधन पर काफी दुखी हैं और उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में पिछले 10 सालों में सबसे बड़ा आदमी दुनिया से गया है।

स्वामी प्रसाद के निजी सचिव समेत 12 पर मुकदमा

हत्या की कोशिश व छेड़छाड़ का आरोप

लखनऊ, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के निजी सचिव सज्जाद समेत 12 अन्य पर गोमतीनगर निवासी महिला ने हत्या की कोशिश व छेड़छाड़ का आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता ने रविवार रात को गोमतीनगर थाने में तहरीर दी थी। आरोप है कि सज्जाद ने उसकी बहन को फंसा रखा है।

इंस्पेक्टर गोमती नगर दिनेश चंद्र मिश्रा के मुताबिक, शारदा अपार्टमेंट में रहने वाली महिला का कहना है कि उसकी बहन सरकारी अफसर है। इसी अपार्टमेंट में सज्जाद भी रहता है। महिला की बहन व सज्जाद में कुछ समय से अच्छी जान-पहचान है। महिला को शक है कि सज्जाद ने दो साल से उसकी बहन को फंसा रखा है। महिला के अनुसार, नौ अक्टूबर की रात वह छोटी बहन और अन्य रिश्तेदारों के साथ रात के वक्त 1090 चौराहे पर आइसक्रीम खा रही थी। इस बीच सपा नेता का काफिला निकला। महिला ने बहन व रिश्तेदारों को साथ लेकर कार से काफिले का पीछा किया।

स्वामी प्रसाद मौर्य के घर पहुंचने पर महिला ने उनसे मिलने की बात कही। इस बीच सज्जाद ने स्वामी प्रसाद मौर्य को बताया कि उक्त महिला कई दिनों से पीछा कर रही है। इस बीच महिला ने सज्जाद पर बहन को परेशान करने का आरोप लगाया। सारी बातें सुनने के बाद स्वामी प्रसाद मौर्य अंदर चले गए। आरोप है कि सज्जाद और अन्य गार्डों ने मिलकर उसे, उसकी बहन और अन्य रिश्तेदारों को पीटा।

आईपीएस पदाधिकारी पर बड़ी कार्रवाई

पूर्णिया एसपी के ठिकानों पर एसवीयू का छापा

पूर्णिया, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में एक आईपीएस पदाधिकारी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगने पर जांच एजेंसियों ने शिकंजा कस दिया है। पूर्णिया में पुलिस के अधिकारियों पर विजिलेंस ने एक साथ शिकंजा कस दिया है। पुलिस अधीक्षक दयाशंकर के सरकारी आवास , दफ्तर के अलावा कई पुलिसकर्मियों समेत आधा दर्जन थानाध्यक्षों के ठिकानों पर स्पेशल विजिलेंस की टीम के द्वारा छापेमारी की जा रही है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच इस छापेमारी में दो दर्जन से अधिक विजिलेंस के अधिकारी शामिल हैं। भारी संख्या में सुरक्षा बलों को भी लगाया गया है। आय से अधिक संपत्ति मामले में पूर्णिया एसपी दयाशंकर के खिलाफ निगरानी कोर्ट में मामला दर्ज किया गया था। निगरानी कोर्ट से सर्च वारंट मिलने के बाद इसी के आलोक में यह छापेमारी की जा रही है। एसपी के रीडर नीरज कुमार सिंह, करीबी पुलिसकर्मी सावन कुमार, सदर थानाधक्ष संजय कुमार सिंह, श्रीनगर थानाध्यक्ष कुंदन कुमार के आवास और थाना पर एक साथ छापेमारी चल रही है।

पुलिस लाइन में भी टीम के द्वारा छापेमारी की जा रही है। फिलहाल पुलिस लाइन में अफरा-तफरी का माहौल मचा हुआ है। नकदी समेत बांकी संपत्ति की अभी कोई जानकारी नहीं मिल पायी है। साक्ष्यों की भी पुष्टि नहीं हो पा रही है। इसके पूर्व सदर और बायसी थाना में पदस्थापित दो एसआई को निगरानी विभाग की टीम ने रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर जेल भेजा था। पूर्णिया में पहली बार किसी एसपी के आवास पर विजिलेंस का रेड हुआ है। कई पुलिस अधिकारियों के आवास पर एक साथ छापेमारी के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है।

मिली जानकारी के अनुसार पूर्णिया और पटना स्थित आठ ठिकानों पर स्पेशल विजिलेंस यूनिट और आर्थिक अपराध इकाई छापेमारी कर रही है। पूर्णिया एसपी पर आय से 65% अधिक संपत्ति रखने का आरोप लगाया गया है। पटना में एसपी के नीजी आवास पर भी रेड जारी है। दायर केस के अनुसार एसपी के पार आय से 71 लाख अधिक की संपत्ति है। यह भी जानाकारी मिल रही है कि एसपी ने अपनी बेनामी संपत्ति रियल इस्टेट में लगाया है। जांच एजेंसी को एक बिल्डर की तलाश है जो फरार है।

बेखौफ बदमाशों ने पत्रकार को गोली मारकर घायल किया

अस्पताल में चल रहा उपचार

पटना, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में अपराधी का मनोबल बढ़ा हुआ है, ताजा मामला बिहटा थाना क्षेत्र के अमर गांव के पास की है, यहां एक दैनिक अखबार के संवाददाता रवि शंकर पर बदमाशों ने ताबड़तोड़ 5 से 6 राउंड फायरिंग की। इस घटना में पत्रकार रवि शंकर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायल पत्रकार को अस्पताल में दाखिल कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक पत्रकार रवि शंकर सोमवार की देर रात एक पार्टी से अपने घर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाकर बैठे बाइक सवार दो बदमाशों ने अचानक सामने आकर गोलीबारी शुरू कर दी। घटना में एक गोली पत्रकार के जांघ में लगी है, जबकि दूसरी गोली शरीर को छूते हुए निकल गई है। बदमाशों ने एक के बाद एक कुल 5-6 चक्र गोलीबारी की थी।

घटना के बारे में पत्रकार रवि शंकर ने बताया कि दो बदमाशों ने लगभग 5-6 चक्र गोलीबारी की। एक गोली उनके जांघ में लगी है, जबकि दूसरी गोली उनके शरीर को छूते हुए निकल गई। बदमाशों ने हेलमेट पहन रखा था। जिस वजह से वे उनको पहचान नहीं सके। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों बदमाश बाइक से फरार हो गए। इधर, मामला संज्ञान में आने के बाद घटनास्थल पर पहुंचकर पुलिस ने बारीकी से मामले की छानबीन की।

घायल पत्रकार से भी पुलिस ने पूछताछ की है। पुलिस ने बताया कि जल्द ही मामले का खुलासा करते हुए बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

खेसारी लाल यादव ने मडुआ की रोटी खाते हुए पवन सिंह पर कसा तंज

कुछ कहा कि हो गया बवाल

पटना, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। भोजपुरी सिनेमा के दिग्गज कलाकारों की बात होती है तो सुपरस्टार खेसारी लाल यादव और पवन सिंह का नाम टॉप पर आता है। भोजपुरी इंडस्ट्री में एक समय में खेसारी लाल यादव और पावर स्टार पवन सिंह जिगरी यार हुआ करते थे। यहां तक की कभी खेसारी ने पवन सिंह को अपने पिता तक का दर्जा दिया था। लेकिन इन दिनों की दोस्ती को किसी की नजर लगी हुई है।

'जीवन में पत्नी का रहना जरूरी'

खेसारी लाल यादव और पवन सिंह सोशल मीडिया पर एक दूसरे पर निशाना साधने से नहीं चुकते हैं। ताजा मामला खेसारी लाल यादव से जुड़ा हुआ। इस बार खेसारी ने पवन सिंह का नाम लिये बगैर उनपर तंज कसते हुए कहा कि 'पत्नी की इज्जत करना सीखो' उनकी पत्नी उनका बेहद ख्याल रखती है। जीवन में पत्नी का रहना बेहद अहम है।

मडुआ की रोटी खाते हुए कसा तंज दरअसल, इन दिनों खेसारी लाल यादव मुंबई में है। यहां उन्होंने मडुआ की रोटी का लुत्फ उठाया। इस दौरान खेसारी लाल यादव ने पवन सिंह का नाम लिये बगैर उनपर तंज कसते हुए कहा कि उनकी वाइफ ने उनके लिए मडुआ की रोटी बनाई है। उन्होंने कहा कि जिसके पास सास-ससुर बेटा-बेटी होगी वहीं न मडुआ की रोटी खाएगा।

'खास ख्याल रखती है मेरी पत्नी'

खेसारी लाल यादव ने आगे कहा कि उनकी पत्नी उनका बहुत ख्याल रखती है। जीवन में पत्नी का बहुत योगदान होता है। इसलिए अपनी बीबी-बच्चों से प्यार करिए। समाज में प्यार बांटिए। कोई न कोई तो आपके लिए भी मडुआ भेज ही देगा। नहीं तो फिर आपके जीवन में मडुआ बो देगा। खेसारी ने आगे कहा कि जीवन में परिवार का अपना महत्व होता है। उनकी सास आज भी खास उनके लिए पांच कट्ठा में मडुआ की खेती करवातीं है। दरअसल, पवन सिंह और उनकी दूसरी पत्नी ज्योति सिंह के बीच कुछ सही नहीं चल रहा है। पवन सिंह ने आरा के कोर्ट में तलाक की अर्जी दी है।

वहीं, ज्योति ने भी पवन सिंह पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। बताते चलें कि पवन सिंह की पहली पत्नी ने शादी के कुछ महीने बाद ही आत्महत्या कर ली थी।

लालू-नीतीश पर बरसे योगी आदित्यनाथ

कहा- भ्रष्टाचार ने बिहार की प्रतिभा को आगे बढ़ने से रोक दिया

छपरा, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंलगवार को जयप्रकाश नारायण की जन्म स्थली सिताब दियारा पहुंचे। इस दौरान अमित शाह और योगी आदित्यनाथ ने राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव पर जमकर हमला बोला। योगी आदित्यनाथ ने सीएम नीतीश और लालू परिवार का नाम लिये बिना कहा कि जो लोग जयप्रकाश और लोहिया जी के नाम पर राजनीति को आगे बढ़ाते रहे हैं, उनके कारनामों को हम सब जानते हैं। जेपी राजनीति के अपराधीकरण के धुर विरोधी थे, लेकिन आज राजनीति का अपराधीकरण और भ्रष्टाचार बिहार के विकास को बाधित कर रहा है। योगी ने कहा कि आज से कुछ साल पहले उत्तर प्रदेश में राजनीति का अपराधीकरण हुआ था। भ्रष्टाचार और राजनीति एक साथ मिल जाती है तो वह खाद का काम करता है। कहा कि बिहार के युवाओं का ब्रेट शार्प ब्रेन है, लेकिन भ्रष्टाचार ने बिहार की प्रतिभा को आगे बढ़ने से रोक दिया है। यूपी के सीएम ने कहा कि बिहार के नौजवानों को जब भी अवसर मिला, देश और दुनिया को अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। जयप्रकाश नारायण की जन्मस्थली के गांव के बाद वाली भूमि उत्तर प्रदेश की है। इस इलाके में बाढ़ की समस्या का समाधान पर काम किये जायेंगे।

तेज प्रताप यादव-श्याम रजक विवाद!

आरजेडी छोड़कर एलजेपी ज्वाइन करने के सवाल पर राष्ट्रीय महासचिव ने कहा- कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं हूं

पटना, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव और श्याम रजक के बीच का विवाद किस मुकाम तक पहुंचेगा इसका इंतजार लोग कर रहे है! एक ऑडियो वायरल होने के बाद तेजप्रताप यादव का गुस्सा भड़का था और वे दिल्ली में आयोजित राजद राष्ट्रीय कार्यकारिणी का बैठक से गुस्से में निकल गए थे। बाहर आकर उन्होंने आरोप लगाया था कि उनके पीए को साला कहा गया और उनकी बहन को गाली दी गई। तेज ने यह भी कहा कि श्याम रजक आरएसएस के एजेंट हैं। इसके बाद श्याम रजक की तबीयत खराब हो गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। बता दें कि श्याम रजक राजद के वरिष्ठ नेता हैं। वे लालू-नीतीश की सरकार में कई विभागों में मंत्री रह चुके हैं। अभी वे राजद के राष्ट्रीय महासचिव हैं।

भतीजे के निधन के बावजूद राजद के कार्यक्रम में लगे रहे

अस्पताल में ठीक होने के बाद श्याम रजक सोमवार को पार्टी के खुला अधिवेशन में भाग लेने पहुंचे। दूसरी तरफ तेजप्रताप यादव, मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि देने यूपी के सेफई गए। श्याम रजक दिल्ली से पटना आ चुके हैं। वे इस समय अपने भतीजे के निधन से आहत हैं। उन्होंने दिल्ली में कहा भी कि भतीजे के निधन के बावजूद मैं राजद का कार्यक्रम में लगा रहा। मैं दलित हूं और दलित तो कमजोर होता ही है। अब इस बात का कयास लगाया जा रहा है कि श्याम रजक राजद में रहेंगे कि नहीं ! क्या श्याम रजक, लोजपा में जा सकते हैं! भास्कर ने श्याम रजक से बात की और पूछा कि इसकी चर्चा खूब है कि आप राजद को छोड़ लोजपा में जा सकते हैं? श्याम रजक ने कहा कि मेरा भतीजा डेथ कर गया है, मुझे इससे बड़ा धक्का कुछ नहीं लग सकता और ऐसे समय भी आप इस तरह के सवाल कर रहे हैं! मैं कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं हूं।

तेजप्रताप यादव ने वायरल ऑडियो को लेकर सोशल मीडिया पर बात रखने की बात कही थी लेकिन उन्होंने श्याम रजक के बारे में कुछ आगे कुछ नहीं कहा। इसलिए माना जा रहा है कि इस बारे में लालू प्रसाद ने उन्हें समझाया है कि मामले को तूल देना ठीक नहीं है। बता दें कि किसी जमाने में राजद के अंदर राम और श्याम की जोड़ी हुआ करती थी। वह जोड़ी टूट गई। रामकृपाल यादव ने लालू प्रसाद का साथ छोड़ दिया और भाजपा के टिकट पर पाटलिपुत्रा से लोकसभा का चुनाव लड़ा। तब पाटलिपुत्रा से लालू प्रसाद की बड़ी बेटी मीसा भारती मैदान में थी।

मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी पर ईडी ने कसा शिकंजा

मऊ, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। माफिया मुख्तार अंसारी के विधायक बेटे अब्बास अंसारी के खिलाफ प्रर्वतन निदेशालय लगातार शिकंजा कसता जा रहा है। मऊ से विधायक अब्बास अंसारी के खिलाफ ईडी ने लुकआउट नोटिस जारी किया है। इसका मतलब ये है कि वह अब देश छोड़कर नहीं भाग पाएगा।

इससे पहले ईडी ने मुख्तार अंसारी की पत्नी आफ्शा अंसारी के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था। इसके अलावा ईडी ने मुख्तार के करीबी लखनऊ के रहने वाले शादाब के खिलाफ भी ये नोटिस जारी किया था। बता दें कि मुख्तार अंसारी फिलहाल बांदा जेल में बंद हैं। उस पर मनी लांड्रिंग के तहत पर्वतन निदेशालय में जांच चल रही है। हाल ही में ईडी ने मुख्तार अंसारी के 12 ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी ने गाजीपुर, लखनऊ और दिल्ली में खोजबीन की। जिसमें कई लेन-देन के प्रमाण मिले।

ईडी ने मुख्तार अंसारी की पत्नी और बेटे को नोटिस जारी करके बयान के लिए बुलाया था लेकिन वे नहीं आए। यूपी पुलिस ने भी अब्बास अंसारी को फरार घोषित कर चुका है। वह लखनऊ के एक मुकदमे में फरार चल रहा है। पंजाब में भी पुलिस मुख्तार अंसारी के समर्थकों पर कार्रवाई कर रही है। ईडी को डर था कि कार्रवाई से बचने के लिए अब्बास अंसारी अपनी के साथ देश छोड़कर भाग न जाए इसलिए लुकआउट नोटिस जारी कर दिया। इससे देश के सभी एयरपोर्ट सतर्क हो जाएंगे। यदि अब्बास, आफ्सा या शादाब देश छोड़ने की कोशिश करते हैं तो ईडी को पता चल जाएगा।

जाजमऊ बुढ़िया घाट में टेनरी में लगी भीषण आग

दमकल की पांच गाड़ियों ने पाया काबू

कानपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। कानपुर के चकेरी जाजमऊ स्थित बुढ़िया घाट में एक टेनरी फैक्टरी में मंगलवार सुबह आग लग गई। इसके पीछे शॉर्ट सर्किट का कारण बताया जा रहा है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दमकल की मदद से आग पर काबू पाया। फिलहाल इसके नुकसान का आंकलन नहीं हो सका है। यह टेनरी न्यू लाइट कंपाउंड 150 फीट रोड निवासी मुब्बशिर की है। मौके पर पहुंची दमकल की पांच गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि आग से फैक्टरी में रखा सामान जलकर खाक हो गया। आग की सूचना गेटमैन ने टेनरी मालिक को दी थी।

एमपी में हैंडपंप चलाने पर निकली शराब

जमीन में 7 फीट नीचे गाड़े कई टैंक...

गुना, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के गुना में हैंडपंप चलाने पर पानी नहीं शराब निकली है। शराब का अवैध कारोबार करने वालों का यह कारनामा सामने आया जब पुलिस ने गुना के दो गांवों में छापे मारे। जैसे ही पुलिस ने मौके पर मिले हैंडपंप को चलाया, उससे शराब निकलने लगी। जब उसके नीचे खुदाई की गई तो अवैध शराब से भरी टंकियां मिली हैं। ये टंकियां जमीन में करीब 7 फीट अंदर थीं। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने बड़ी मात्रा में शराब नष्ट की है।

ये हैं गुना के चांचौड़ा और राघौगढ़ के 2 गांव। यहां की जमीन कच्ची शराब उगलती है। दरअसल, अवैध शराब बनाने वालों ने यहां 7 फीट गहरे गड्ढों में टंकियां गाड़ रखी हैं।

इसके ऊपर हैंडपंप लगा दिए हैं। इन्हीं से शराब निकालते हैं। इससे निकाली गई शराब पॉलीबैग में भरकर बेचते हैं। पुलिस ने सोमवार को अवैध शराब के 2 ठिकानों पर छापा मारा। इस दौरान हजारों लीटर कच्ची शराब जब्त भी की गई। हालांकि, आरोपी भाग निकले। पुलिस ने 8 आरोपियों की पहचान कर ली है। 2 थानों में 8 केस दर्ज किए गए हैं।

पुलिस ने खुदाई की तो टंकियां निकलती गई

भानपुरा में चांचौड़ा एसडीओपी दिव्य राजावत और साकोन्या में राघौगढ़ एसडीओपी जीडी शर्मा के नेतृत्व में टीम ने एक साथ छापा मारा। पुलिस को देखते ही आरोपी भाग निकले। सर्चिंग के दौरान जमीन में अंदर शराब के ड्रम मिले। यहां कच्चे झोपड़ीनुमा घर बने हुए थे। पास में पानी का पक्का टैंक बना हुआ था। पुलिस ने खुदाई शुरू की तो एक के बाद एक कई ड्रम जमीन से निकलते गए।

ड्रम के हिसाब से जमीन में गड्ढे खोदे हुए थे। हर गड्ढे की गहराई लगभग 6-7 फीट थी। इनकी चौड़ाई भी ड्रम के हिसाब से होती है। 3 फीट चौड़े ड्रम के लिए लगभग 4 फीट चौड़ा गड्ढा खोदा जाता है। इसी तरह 5 फीट चौड़ाई के ड्रम के लिए लगभग 6 फीट का गड्ढा बनाया जाता है। उसमें ड्रम रखकर ऊपर से मिट्टी डालकर बंद कर देते हैं। ऐसे में ऊपर से ड्रम नहीं दिखता।

हैंडपंप से निकालते हैं शराब

चांचौड़ा थाना प्रभारी रवि कुमार गुप्ता ने बताया कि टंकियों से कुछ दूरी पर एक हैंडपंप लगा था। इसी हैंडपंप से जमीन में गड़े हुए ड्रम से आरोपी शराब निकालते थे। फिर उन्हें छोटी थैलियों में भरकर बेचते हैं। एक छोटी थैली की कीमत लगभग 40 रुपए होती है। इसके अलावा 5-5 लीटर की कैन में भी शराब भरकर बेची जाती है।

शराब निकालने के लिए हैंडपंप का ही इस्तेमाल किया जाता है। इसमें नीचे एक 8-10 फीट का पाइप जुड़ा हुआ होता है। पाइप को जमीन में अंदर गड़े हुए ड्रम में लगा देते हैं। वहीं, दूसरे पाइप को बाहर रखे छोटे ड्रम में लगाकर शराब उसमें भर देते हैं। यह पानी निकालने वाले हैंडपंप की तरह ही काम करता है।

केरल में डॉक्टर दंपती ने दो महिलाओं की बलि दी

घर में धन-संपत्ति आए इसलिए गला रेत कर मारा, फिर दफना दिया

त्रिरुवल्ला, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल के त्रिरुवल्ला में अंधविश्वास में फंसे एक डॉक्टर और उसकी पत्नी ने दो महिलाओं की गला रेतकर हत्या कर दी। इसके बाद दोनों को दफना दिया। आरोपियों को भरोसा था कि ऐसा करने से उनके घर में धन-वैभव आने लगेगा। इस काम में एक तस्कर ने भी उनकी मदद की थी। घटना 27 सितंबर की है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को मंगलवार को गिरफ्तार किया।

त्रिरुवल्ला के रहने वाले डॉक्टर भागवत काफी समय से आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। उनकी पत्नी लीला ने पेरुंबवूर में रहने वाले शिहाब से संपर्क किया। उसने कहा- मानव बलि देने से ही भगवान खुश होंगे। उसने दो महिलाओं की बलि देने को कहा। साथ ही यह भी बताया कि वह ही बलि के लिए महिलाओं का इंतजाम कर देगा।

लालच देकर महिलाओं को लाया था

लीला ने फेसबुक के माध्यम से शिहाब से संपर्क किया। शिहाब कलाडी और कदवंतरा की रहने वाली दो महिलाओं को पैसों और काम का लालच देकर त्रिरुवल्ला लाया। यहां से डॉक्टर दंपती और शिहाब दोनों महिलाओं को पथनामथिट्टा के एलंथूर ले गए। यहीं तंत्र साधना करके उनकी बलि दे दी। एलंथूर में ही दोनों महिलाओं को दफना दिया गया। पुलिस कमिश्नर सीएच नागाराजू ने बताया- कदवंतरा से लाई गई महिला के परिजन ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस उसके मोबाइल की लोकेशन तलाशते हुए त्रिरुवल्ला पहुंची।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या	में	कन्या...	04-29 बजे
चंद्र-	मेष	में	तुला-	06-33 बजे
मंगल	वृष	में	वृश्चिक	08-44 बजे
बुध-	कन्या	में	धनु---	10-57 बजे
गुरु-	मीन	में	मकर-	13-03 बजे
शुक्र-	कन्या	में	कुंभ-	15-53 बजे
शनि-	मकर	में	मीन...	16-32 बजे
राहु-	मेष	में	मेष--	18-28 बजे
केतु-	तुला	में	वृष--	19-52 बजे
			मिथुन..	21-53 बजे
			कर्क...	00-05 बजे
			सिंह...	02-17 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतुशरद,दिशाशूल- उत्तर -धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया - **01-59** राततक उपरान्त, चतुर्थी
मास - कार्तिक कृष्ण पक्ष ,बुधवार, **12 Oct**
नक्षत्र - भरणी - **17 -09** - तक,उपरान्त कृत्तिका
योग - वज्र - **14 - 19** - तक उप- सिद्ध
करण- वणिज - **13 - 39** - तक,उप- विष्टि
विशेष:- व्रत -त्योहार - भद्रा- **13-39** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:02 से 13:31 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ.	06:11 - 07:38	शुभ	उत्पात	17:55 - 19:27	अशुभ
अमृत	07:38 - 09:06	शुभ	शुभ	19:27 - 20:59	शुभ
काल	09:06 - 10:34	अशुभ	अमृत	20:59 - 22:31	शुभ
शुभ	10:34 - 12:02	शुभ	चंचल	22:31 - 00:03	शुभ
रोग	12:02 - 13:31	अशुभ	रोग	00:03 - 01:34	अशुभ
उत्पात	13:31 - 14:59	अशुभ	काल	01:34 - 03:06	अशुभ
चंचल	14:59 - 16:27	शुभ	लाभ	03:06 - 04:38	शुभ
लाभ	16:27 - 17:53	शुभ	उत्पात	04:38 - 06:11	अशुभ

भाजपा के दिग्गज नेता ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से गोली मारकर की आत्महत्या

स्वास्थ्य समस्याओं से थे पीड़ित

मुंबई, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र भाजपा की बीड जिला इकाई के प्रमुख ने मंगलवार को अपने घर में लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि भाजपा की बीड जिला इकाई के प्रमुख भगीरथ बियाणी ने मीरा नगर इलाके में अपने घर पर कथित तौर पर लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद के सिर में गोली मार ली। उन्होंने कहा कि बियाणी के परिवार के सदस्यों ने गोली की आवाज सुनी और मौके पर पहुंचे। आनन-फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 50 वर्षीय भाजपा नेता कुछ स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित थे, उन्होंने कहा कि आगे की जांच की जा रही है। नेताओं का कहना है कि बियाणी भाजपा के दिग्गज नेता माने जाते थे।

शिकायत वापस न लेने पर ट्रांसजेंडर को फिनाइल पिलाया

महाराष्ट्र के मुंबई में ट्रांसजेंडर के साथ कुकर्म करने के बाद तीन आरोपियों ने धारदार हथियार से उसपर हमला कर गंभीर रुप से घायल कर दिया। पुलिस ने उसे उपचार के लिए बांद्रा के भाभा अस्पताल में भर्ती कराया है। ट्रांसजेंडर ने आरोपियों पर शिकायत वापस लेने का दवाब बनाने का आरोप लगाया है। शिकायत वापस न लेने पर ट्रांसजेंडर को फिनाइल पीने के लिए मजबूर किया गया है। शिकायत पर सांताक्रूज थाना पुलिस ने तीनों आरोपी के खिलाफ धारा 307 और 34 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

द्रविड़ पहचान के राज्यपाल के दावे को द्रमुक ने ठुकराया, रवि को बताया 'संघ का आदमी'

चेन्नई, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। बंगाल और केरल के बाद अब तमिलनाडु में राज्यपाल व सत्तारूढ़ दलों के बीच विवाद पैदा हो गया है। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक ने राज्यपाल आरएन रवि को 'संघ का आदमी' बता दिया है। इसके साथ ही पार्टी ने द्रविड़ अवधारणा को लेकर राज्यपाल रवि का दावा भी खारिज कर दिया।

राज्यपाल रवि ने सोमवार को दावा किया था कि द्रविड़ अवधारणा दक्षिणी राज्यों के लोगों की पहचान व उन्हें एकजुट करती है, लेकिन विभाजन की राजनीति के कारण अब यह मात्र एक तमिल पहचान बनकर रह गई है। द्रमुक ने कहा कि यह आरएसएस के आदमी का बयान है न कि राज्यपाल पद धारण करने वाले व्यक्ति का।

अन्नाद्रमुक ने किया राज्यपाल के दावे का समर्थन

द्रमुक के उलट तमिलनाडु के प्रमुख विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने राज्यपाल के दृष्टिकोण का समर्थन किया है। पार्टी ने कहा कि द्रविड़ क्षेत्र में दक्षिण भारत के पांच राज्यों का भौगोलिक क्षेत्र शामिल है। द्रमुक अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए राजनीतिक बयानबाजी में लिप्त है।

हजारों साल की सभ्यता को समझने के लिए भारत को समझना होगा

राज्यपाल रवि ने सोमवार को चेन्नई स्थित राजभवन में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत-कनेक्टिंग इंडिया' श्रृंखला पर दो दिनी संगोष्ठी के उद्घाटन पर कहा था कि भारत देश को दिया गया एक नाम है। इस राष्ट्र को समझने के लिए भारत को समझना होगा, जिसकी हजारों साल की सभ्यता हमें गौरवान्वित करती है। दुर्भाग्य से अंग्रेज राज के दौरान हम विभाजित हो गए। बाद में, हम राजनीतिक आधार पर खंडित होने लगे।

पड़ोसी राज्यों के प्रवासी कहलाने लगे

राजनीति मुख्य रूप से सत्ता को लेकर होती है। उदाहरण के रूप में समझें कि 1956 तक मद्रास एक राज्य था, लेकिन इसके बाद में भाषाई आधार पर कई राज्य बनाए गए। जो लोग केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से तमिलनाडु आए थे और इस राज्य में कई सैकड़ों वर्षों से रह रहे थे, उन्हें 'पड़ोसी राज्यों के प्रवासी' कहा जाता है। राज्यपाल रवि ने सवाल किया कि 'हम और वे' क्या है? इसी राजनीति ने हमें विभाजित किया है। यहां तक कि राष्ट्रीय स्तर पर भी जब हम द्रविड़ियन कहते हैं, तो यह इन सभी चार राज्यों को कवर करता है, लेकिन, आज यह एक तमिल पहचान बनकर रह गया है।

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) आप अपने करियर की एक बड़ी सफलता के कगार पर खड़े है। ये आपके निर्णयक निर्णय पर निर्भर करेगा की आप इसे किस दिशा में ले जाना चाहते है। इसके लाभ और हानि पर आपको विश्लेषण करने की जरूरत है। आपका निर्णय आपके जीवन को प्रभावित करेगा और अगर आप सही विकल्प का चुनाव करते हैं।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) अलग अलग कार्य करने के अवसर आज आपके रास्ते में आएंगे ।आज नए ग्राहक और विभिन परियोजनाए आपके पास आ सकती है और कुछ में तो इतनी संभावना होगी की वो आपकी सपनो की या महत्वपूर्ण परियोजना बन सकती है ।इस अवसर का फायदा उठाने के लिए, आपको आज अतिरिक्त मेहनत करनी होगी।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) बेहद आकर्षक अवसर आज आप के लिए खुलने की संभावना है।निर्माण या अचल संपत्ति के कारोबार में निवेश आपके लिए लाभदायक सिद्ध हो सकता है ।हालांकि,अगर आप समय पर निर्णायक कार्रवाई करते है तभी आपको लाभ मिलेगा ।अगर आप समय बर्बाद करेंगे तो अवसर आपके हाथ से निकल जाएंगे।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) आज आपको नयी नौकरी का प्रस्ताव मिल सकता है जो की आपके क्षेत्र से अलग होगा । आपको दोनों क्षेत्रो को आपस में तोलना होगा ताकि आप सही करियर का निर्णय ले सके हालाँकि ये आपके लिए काफी चुनौतीपूर्ण होगा पर आप पूरी तरह से अपना कार्य क्षेत्र को न बदले ।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) युवा बेरोजगारो और स्वनियोजित व्यवसायियों के लिए काफी करियर अवसर आयेंगे । आप एक ऐसी परियोजना के भागीदार बन सकते है जिससे आपके करियर की दिशा परिवर्तित हो सकती है और काफी समय से आपको इसकी तलाश भी थी । आपको इस अवसर का उपयोग काफी समझ के साथ करना है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए और अपने परिवार की धन वृद्धि के लिए शक्तिशाली ऊर्जा से भरे हुए हैं।आप अधिक ज्ञान को प्राप्त करने में सक्षम हो जायेंगे और जिससे आप अगली बार किसी की सेवा करने पर अधिक कमाने लायक हो जाएंगे ,इस तरह से आपके हाथो में वित्तीय सुरक्षा और सफलता के लिए सभी सामग्री रहेगी।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) आज आपको अपना कठोर और मजाकिया दृष्टिकोण को बदलने की जरूरत है, बेहतर होगा कि आप लोगों की भावनाओं से सम्बन्ध स्थापित करे और साथ ही साथ ये जानने की भी कोशिश करे कि वे क्या चाहते हैं और कौन सा रास्ता उन्होंने अपनाया है ! ध्यान देने योग्य बात ये है की आपको समझना होगा।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) आज आपको छिपे हुए शत्रु से सावधान रहने की जरुरत है जो की आपके कार्य क्षेत्र में आपको नुकसान पंहुचा सकते है। वे आपके बारे में अति गोपनीयता से आपके बारे में गलत बाते आपके मालिक तक पंहुचा सकते है जिसका साक्ष्य भी आपको मिल सकता है अंत सावधान रहने की जरुरत है ।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) एक दोस्त या एक गाइड के माध्यम से छात्रों को एक नया करियर विकल्प मिल सकता है और आप अपने करियर के रूप में इसे चुन सकते हैं पर आपको एक गहन अनुसंधान की सलाह दी जाती है। आज पेशेवरो में नयी उर्जा का संचार हो सकता है । यह किसी भी परियोजना को शुरू करने के लिए एक अच्छा दिन है।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) आप आज कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारी ले।अगर आप इसे अच्छी तरह से करते हैं,तो आपको एक दैनिक आधार पर इस तरह की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इस के साथ, वेतन में वृद्धि भी आयेगी । इसलिए ईमानदारी से काम करते रहे और लगातार अपने आप को प्रेरित करते रहे। हो सकता है की लाभ आज दिखाई न दे।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) आज आपको एक अच्छी नौकरी की पेशकश मिल सकती हैं ,लेकिन आपको इस नौकरी का लाभ लेने के लिए एक अलग शहर या यहां तक कि किसी दूसरे देश में बदलाव करना पड़ सकता है ।ये नौकरी की पेशकश बहुत ही आकर्षक लग सकती है पर यह आपके परिवार के सदस्यों पर प्रभाव डालेगी।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) आज आप अपने साथी के बारे में कुछ नया जान सकते हैं और इस नई जानकारी की वजह से आपको एक बड़ा आश्चर्य हो सकता है लेकिन यह एक सुखद आश्चर्य है। वास्तव में इस नई जानकारी के कारण रिश्ते में आ रही समस्याओं और भ्रामक मुद्दों को आप हल कर सकते हैं। इस स्थिति का लाभ ले।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

हिमाचल विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए प्रचार करेंगी बॉलीवुड क्वीन कंगना रनौत

कुल्लू, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होना बाकी है। लेकिन सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं. बड़ी खबर है कि बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत हिमाचल विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का प्रचार करती नजर आएंगी. पार्टी की तरफ से उन्हें स्टार कैंपेनर बनाया जाएगा. सीएम जयराम ठाकुर ने यह जानकारी दी हैदरअसल, कुल्लू दशहरा के समापन अवसर पर सीएम जयराम ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान कंगना भाजपा के लिए प्रचार करेंगी और वह रैलियों के लिए हमारी स्टार प्रचारक होंगी. साथ ही सीएम ने दशहरा महोत्सव में आए देवी-देवताओं के लिए 1500 रुपये दूरी भत्ता देने की भी घोषणा की। दरअसल, मंगलवार सुबह सीएम जयराम ठाकुर अचानक से मनाली के सिमसा में कंगना रनौत के घर पहुंचे थे. उनके साथ मंत्री गोबिंद ठाकुर भी थे. मुलाकात के दौरान सीएम ने कंगना से मंत्रणा की थी. साथ ही सीएम जयराम, कंगना रनौत, गोबिंद सिंह ठाकुर और कंगना के माता पिता ने साथ में नाश्ता किया था. जैसे ही मुलाकात की जानकारी सामने आई थी तो सियासी गलियारों में चर्चा शुरू हुई थी कि चुनाव को लेकर भाजपा का प्रचार कर सकती है. हालांकि, दोनों सीएम और कंगना की तरफ से उस समय कोई बयान नहीं आय़ा था. अब सीएम के ऐलान से साफ हो गया है कि कंगना भाजपा की स्टार प्रचारक होंगी। घर पर मुलाकात के बाद कंगना ने कहा कि आज माननीय मुख्यमंत्री जयराम जी से घर पर भेंट हुई है. उनकी सादगी और हिमाचल के लिये प्रेम की भावना दोनों ही प्रेरणात्मक है. माता जी ने मुख्यमंत्री जी के लिये नाश्ते में बबरु और भल्ले बनाए थे, जो उन्होंने बड़े स्नेह से ग्रहण किए. कंगना ने कहा कि मंत्री गोबिंद सिंह जी मेरे पडोसी हैं, फिर भी इतने सालों में आज उनसे मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

सलमान ने पड़ोसी पर लगाया था धार्मिक भेदभाव फैलाने का आरोप, बॉम्बे हाईकोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

मुंबई, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने अभिनेता सलमान खान की याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया है।

बता दें कि अगस्त महीने में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने अपने पड़ोसी केतन कक्कड़ के खिलाफ याचिका दायर करते हुए उनपर भड़काउ सोशल मीडिया पोस्ट करने का इल्जाम लगाया था। सलमान ने कोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि 'केतन कक्कड़ ने सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ कई पोस्ट डाली हैं, जो अपमानजनक और भड़काऊ हैं।' दरअसल, केतन ने सलमान खान के ऊपर फार्महाउस में गैरकानूनी काम करने के झूठे आरोप लगाए गए थे। इस मामले की सुनवाई आज यानी मंगलवार को हुई।

स्कूल बस का इंतजार कर रही छात्रा के गले में युवक ने बांध दिया मंगलसूत्र, जांच में जुटी पुलिस

चेन्नई, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कुड्डालोर में एक स्कूली छात्रा के गले में मंगलसूत्र बांधने का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। दरअसल युवक उसे बस स्टॉप पर उसे मंगलसूत्र पहना रहा है। ऐसे में लोगों ने जांच की मांग करते हुए कहा कि छात्रा नाबालिग हो सकती है। पुलिस का कहना है कि तमिलनाडु बस स्टॉप पर छात्रा के गले में मंगलसूत्र बांधने वाले शख्स का वीडियो वायरल होने के बाद जांच की जा रही है। हालांकि, छात्र और छात्रा स्कूल की ड्रेस में है। वीडियो में युवक और छात्रा एक बस स्टॉप पर बैठे हैं। उसके दोस्त उन दोनों का वीडिया बना रहे हैं। उसका एक दोस्त युवक को बगल में बैठी लड़की को मंगलसूत्र बांधने के लिए प्रोत्साहित करता है। जैसे ही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और लोगों द्वारा साझा किया गया। कई लोगों ने पुलिस से मामले की जांच करने का अनुरोध किया क्योंकि लड़की ने स्कूल की ड्रेस में थी।

फराश खाना में इमारत गिरी : एलएनजेपी में 9 लोगों का अभी इलाज चल रहा, अब तक 3 की मौत

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। सेंट्रल दिल्ली के फराश खाना इलाके में इमारत गिरने की हुई घटना में दो अन्य लोगों की मौत हो गई। इनकी पहचम सुलेमान उम्र 65 और गुफ्ता बेगम उम्र 60 साल के तौर पर हुई। देर रात इन्हें रेस्क्यू टीम ने मलबे से बाहर निकाल अचेत हालत में हॉस्पिटल भेजा, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इनके शवों को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए हॉस्पिटल भेज दिया है। पुलिस घटना के मद्देनजर केस दर्ज कर जांच में लगी है। पुलिस की जांच में पता चला मकान नंबर 1530 फराश खाना हौज काजी तीन मंजिल बना हुआ था। यह इमारत करीब 150-200 गज के आसपास है, जो बहुत पुरानी थी। कई दिन से लगातार हो रही बारिश की वजह से इमारत गिर गई। इस इमारत को एमसीडी ने डेंजर घोषित नहीं किया हुआ था।

पहली बार भाजपा का बजा डंका, छह में से पांच ब्लॉक प्रमुख पदों पर जीत तय

देहरादून, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरिद्वार त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में पहली बार भाजपा का डंका बजा है। जिला पंचायत के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष पद पर और ब्लॉक प्रमुख के छह में से पांच पदों पर भाजपा प्रत्याशियों को किसी प्रत्याशी ने चुनौती नहीं दी। इसके साथ ही इन सभी पदों पर भाजपा का परचम लहराना तय हो गया है। पार्टी के प्रदर्शन से उत्साहित भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने इसे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मेहनत और संगठन के चुनाव प्रबंधन में जुटे कार्यकर्ताओं की सक्रियता का परिणाम बताया है। सियासी जानकारों के मुताबिक, भाजपा के हरिद्वार त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की जीत के खास मायने हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी कर रही पार्टी ने पंचायत चुनाव को बेहद गंभीरता से लिया। जिला पंचायत और क्षेत्र पंचायतों में जीत भाजपा के लिए सपने की तरह थी। राज्य बनने के बाद हुए पिछले सभी चुनाव में वह पीछे रही।

सीएम के लिए चुनाव के खास मायने

संगठन की कमान हाथों में आने के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भट्ट की यह पहली चुनावी परीक्षा थी। चंपावत उपचुनाव में ऐतिहासिक बढ़त से जीत दर्ज करने वाले सीएम पुष्कर सिंह धामी के लिए भी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के खास मायने थे। दरअसल, 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को सबसे बड़ा झटका हरिद्वार जिले में ही लगा था, जहां वह 11 में से आठ सीटें हार गई थीं। हार का हिसाब बराबर करने के लिए पंचायत चुनाव उसके पास एक अवसर था, जिसे वह भुनाने में कामयाब रही। चुनाव के ऐलान से पहले ही सीएम धामी ने सधी रणनीति के तहत हरिद्वार जिले के ग्रामीण इलाकों में दौरे किए और पार्टी ने मंडल और बूथों में अपने कार्यकर्ताओं को झोंक दिया। उसकी रणनीति के आगे कांग्रेस आसपास भी नहीं दिखी। हरिद्वार के लिए सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल और पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने इन चुनावों को प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया था। माहौल बनाने के लिए भाजपा मे दूसरे दलों के नेताओं को शामिल कराने से लेकर समर्थन जुटाने तक पार्टी ने कदम-कदम पर अपना दम दिखाने की कोशिश की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भट्ट का मानना है कि चुनाव के नतीजों ने 2024 के लोकसभा चुनाव की पटकथा लिख दी।

भारतीय सीमा में प्रवेश करते दो पाकिस्तानी मछुआरे गिरफ्तार

अहमदाबाद, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भारतीय सीमा में प्रवेश की कोशिश में जुटे दो पाकिस्तानी मछुआरों को गिरफ्तार किया है। दोनों की गिरफ्तारी हरामी नाला के पास से की गई है।

अधिकारियों ने बताया, भारतीय वायु सेना ने निगरानी अभियान के दौरान सुबह करीब 11:40 बजे हरामी नाला के पास कुछ गतिविधियां देखी। छह नौकाओं के साथ यहां कुछ मछुआरों को देखा गया।

इसके बाद वायु सेना ने बीएसएफ को इसके बारे में अलर्ट किया। वायु सेना की ओर से दी गई जानकारी के तुरंत बाद बीएसएफ की ओर से पूरे इलाके में विशेष अभियान शुरू किया गया। बीएसएफ की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया कि 900 वर्ग किलोमीटर में फैले हरामी नाला क्षेत्र में तत्काल विशेष अभियान शुरू किया। इसमें अब तक बीएसएफ के जवानों ने दो पाकिस्तानी मछुआरों को पकड़ा है और अभियान जारी है।

गोली लगने के बाद भी आतंकियों से लड़ता रहा डॉग

लश्कर के 2 दहशतगर्दों को मारने में की मदद; आर्मी ने शेयर किया वीडियो

श्नीनगर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में सोमवार को हुई मुठभेड़ में सेना के दो जवान घायल हुए हैं। इसके साथ ही एक आर्मी डॉग भी जख्मी हुआ है। इंडियन आर्मी के चिनार कॉर्प्स ने यह जानकारी दी है। घायल हुए सेना के असॉल्ट डॉग का नाम जूम है। वह गोली के बाद भी आतंकियों से लड़ता रहा, इसके चलते सुरक्षाबलों ने आतंकियों का मार गिराया। चिनार कॉर्प्स के मुताबिक, 10 अक्टूबर को सर्च ऑपरेशन चलाया। जूम भी इसका हिस्सा था। इस दौरान सेना के जवानों ने जूम को एक घर में भेजा, जहां आतंकियों के छिपे होने की खबर मिली थी। जूम ने आतंकियों की पहचान की और उन पर हमला कर दिया। इस दौरान उसे दो गोलियां लगीं। जख्मी होने के बावजूद वह आतंकियों से लड़ता रहा, जिसके चलते जवानों ने आतंकियों का मौत के घाट उतार दिया।

जूम का इलाज जारी

जूम को वेटरनरी हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है। उसका इलाज जारी है। अधिकारियों ने बताया कि डॉग को आतंकवादियों का पता लगाने, उस पर हमला करने और उसे मारने की ट्रेनिंग दी गई है। इससे पहले भी वह कई ऑपरेशन को अंजाम दे चुका है। उसने कई आतंकियों की तलाश करने में मदद की है। चिनार कॉर्प्स ने जूम के जल्द ठीक होने की कामना की है। चिनार कॉर्प्स की ओर से शेयर किए गए वीडियो में जूम को दी गई ट्रेनिंग के बारे में दिखाया गया है। आर्मी का हिस्सा होने के कारण डॉग की अलग-अलग ड्यूटी होती है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 12 अक्टूबर, 2022

अकेलेपन की समस्या

इस समय विकसित ही नहीं विकासशील देशों में भी बुजुर्ग समाज व परिवार पर बोझ साबित होने लगे हैं। नतीजतन वे अकेलेपन के अहसास से कुढ़ते रहते हैं और उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं होता। कुछ समय पहले जापान से आई यह खबर सुर्खियों में रही कि वहां एक व्यक्ति पैसे लेकर बुजुर्गों के साथ समय बिताता है, उनसे बात करता है, उनके संग घूमता है। बदले में मोटी रकम वसूलता है। वह बताता है कि जिन लोगों के साथ वह समय बिताता है, वे बार-बार उसे बुलाते हैं, वजह साफ है कि उनसे बातचीत करने वाला कोई नहीं। जापान से तो अक्सर ऐसी खबरें आती हैं कि वहां परिवार बिखर चुके हैं और बड़ी संख्या में लड़के-लड़कियां विवाह के लिए ही तैयार नहीं होते। इस अकेलेपन की समस्या से निपटने के लिए कुछ साल पहले जापान में एक मंत्रालय का गठन किया गया था। इसी तरह की समस्या से जूझ रहे ब्रिटेन में भी ऐसा मंत्रालय बनाया गया था। ब्रिटेन में 2017 में काकस कमीशन ने अपनी एक रिपोर्ट में पाया था कि नब्बे लाख के आसपास लोग अकेलेपन की समस्या से जूझ रहे हैं। इसी तरह की समस्या से दो चार हो रहे चीन की सरकार भी अब चाहती है कि दंपति तीन बच्चे पैदा करें, लेकिन लोग हैं कि बच्चे पैदा ही नहीं करना चाहते। कुल मिला कर जिस परिवार को इन शोषण का सबसे बडा कारण बताया जा रहा है, उसी के टूटने से यह आफत आई है कि लोग अकेले रहने को मजबूर होते जा रहे हैं। अमेरिका में परिवार की वापसी के नारे 1993 से लग रहे हैं। कोरोना महामारी के दौरान परिवार की जरूरत को बहुत महसूस किया गया, लेकिन पहले पहले की शक्ल में परिवार की वापसी नहीं हो पा रही है। परिवार के टूटने का सबसे अधिका लाभ यदि किसी को सबसे ज्यादा हुआ है तो वह है व्यवसाई वर्ग। पहले लोग एक साथ रहते थे तो उनके खर्चे भी कम होते थे। एक घर, एक टीवी, एक कार से काम चल जाता था। वर्तमान में पति-पत्नी, बेटा-बेटी और परिवार के अन्य लोगों को विशेष टीवी, कमरा, कार एसी चाहिए। यहीं से परिवार का बिखराव शुरू होता है। संयुक्त परिवार में उलझनें होती हैं, लेकिन वह इतनी बड़ी नहीं होती थीं, जितनी इन दिनों देख रहे हैं। तमाम फिल्मों, धारावाहिक, साहित्य की विधाओं में अक्सर अकेलेपन की एक खुशनुमा तस्वीर दिखाई जाती है, जिसका मुख्य विचार होता है कि दुनिया के लिए नहीं, परिवार के लिए नहीं, अपने लिए जीना सीखो। जब तक युवा हैं, तब तक यह बहुत खुशनुमा लगता है, लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, पता चलता है कि तमाम संसाधनों के बावजूद अ केले रहना कितना मुश्किल है। तब अक्सर ऐसी शिकायती सुनने को मिलने लगती हैं कि कोई पूछता ही नहीं, कोई फोन तक नहीं करता। देखा जाए तो कोई भी रिश्ता एक दिन में परिपक्व नहीं होता। रिश्तों में हमेशा निवेश करना पड़ता है। यह निवेश, समय, संसाधन, एक-दूसरे की चिंता और देखभाल का हो सकता है। लेकिन पश्चिमी सभ्यता ने तो 'केयर इकोनामी' के आगे सारे भावनात्मक रिश्तों को तार-तार कर दिया है। कई लोग हैं जो अकूत संपदा के मालिक हैं लेकिन उन्हें अकेलापन हमेशा सालता रहता है। उनकी सुनने वाला कोई अपना भी नहीं है। हालात यहां तक गंभीर हो चुके हैं अब परिवार दिवस घोषित किया जाने लगा है। पश्चिमी देशों में लोगों का अकेलापन दूर करने के लिए तमाम स्वयं सहायता समूहों की मदद से प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन परिवार को जो ताना-बाना नीचे तक पहुंचा है कि उससे कैसे मुक्ति मिलेगी? जापान में तो कई युवा अकेलेपन से ग्रस्त हो कर आत्महत्या कर रहे हैं। भारत में भी अकेले लोगों की संख्या छह फीसद तक बताई जा रही है। इनमें से कई गंभीर मानसिक बीमारियों के चपेट में हैं। अमेरिका, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस, आस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे विकसित देशों की तरह भारत, चीन एवं ब्राजील आदि देशों में भी अकेलेपन की समस्या बढ़ती जा रही है। एक तरफ तमाम नई तकनीकों ने दुनिया मुट्ठी में समेट दिया है, मोबाइल में बातचीत को इतना आसान कर दिया है कि लोग खूब बात कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ ऐसे लोग भी हैं जिनका अकेलापन बढ़ता ही जा रहा है। यह भी देखना दिलचस्प है कि लोग अपनों के मुकाबले बाहर वालों से ज्यादा बातचीत कर रहे हैं। जहां विकास का ढोल हम लगातार पीटते हैं, वहीं ऐसा क्यों है कि मनुष्य हर सुख-सुविधा के होते हुए भी अकेला होता जा रहा है। एक बार किसी ने पूछा कि युवा इतनी देर तक कैसे इसमें कितनी सच्चाई है कि हमारे पास अपनी बात कहने और उसे सुनने के अवसर लगातार कम होते जा रहे हैं। वजह साफ है कि कोई सुनने वाला ही नहीं है।

कहीं क्रॉसचेक न कर ले!

वह खास समुदाय का पवित्र महीना था। मेरे घर के सामने वाले फ्लैट में इलाके के कई श्रद्धालु परिवार जुटते थे। रात भर वहां भक्ति, आस्था, समर्पण को मजबूती देने वाले सामूहिक कार्यक्रम चलते रहते थे। उन कार्यक्रमों का एक अहम हिस्सा था किसी ऐसी शख्सियत का प्रवचन, जिसे वहां उपस्थित लोग पहुंची हुई मानते थे। मुझे यह भी पता नहीं कि वह पहुंचे हुए संत सचमुच कार्यक्रम में उपस्थित थे या उनका रेकॉर्डेड भाषण चलाया जाता था, लेकिन रात में बिस्तर पर पड़े-पड़े अपनी नींद की कीमत पर भी उन्हें सुनना मुझे बड़ा दिलचस्प लगता था। उस प्रवचन में उपस्थित श्रद्धालुओं से कहा जाता था, 'यह पूरी दुनिया उस सर्वोच्च शक्ति की ही बनाई हुई है, इसलिए किसी से नफरत मत करो। उनसे (एक खास समुदाय का नाम लेकर) भी नफरत नहीं करना है, उनमें से कोई मुसीबत में हो तो उसकी मदद कर दो, लेकिन उनके करीब मत जाओ, उनसे घुलो-मिलो मत। क्यों? क्योंकि तुम्हारा नुकसान हो जाएगा। पीतल और सोना अगर मिल जाएं तो पीतल का तो फायदा ही फायदा है, सोने का नुकसान हो जाता है।'दिलचस्प ये बातें मुझे इसलिए लग रही थीं कि ठीक ऐसी ही बातें मैंने दूसरे समुदायों के पहुंचे हुए संतों के मुंह से भी सुन रखी थीं। इन्हें सुनते हुए मुझे पहले की सुनी उन बातों को गुनने में, उन बातों के पीछे की अनकही बातों को समझने में आसानी हो रही थी। सवाल मन में यह उठा कि हर समुदाय में श्रद्धा के ठेकेदार लोगों को दूसरी पूजा पद्धतियों के करीब जाने से क्यों रोकना चाहते हैं? जवाब मिला, शायद वे अपनी बातों का क्रॉसचेक किया जाना रोकने के लिए ऐसा करते हैं। ख्याल आया, यह सिर्फ धर्मों की बात नहीं है। धार्मिक समुदाय को छोड़ दें, सिर्फ क्रॉसचेक किए जाने के इस डर को लेकर बढ़ें तो एकदम अलग-अलग तरह के समूहों में इस प्रवृत्ति की मौजूदगी हैरान करती है। उदाहरण के लिए, पाकिस्तान के कट्टरपंथी युवाओं को हिंदुस्तान के बारे में जिस तरह की बातें बताई जाती हैं, वे भारत की एक सप्ताह की यात्रा में ही धुल-पुंछ जाती हैं। शायद इसलिए आतंकी संगठन यह सुनिश्चित करने के लिए कई स्तरों पर मेहनत करते हैं कि पकड़े जाने की सूरत में उनके आतंकी जिंदा न रहें ताकि इस तरफ के लोगों से उनका कोई संपर्क न बन पाए।

यही प्रवृत्ति हाल में खुद को वैज्ञानिक सोच का नुमाइंदा मानने वाली एक बिरादरी में दिखी जब इसकी एक जानी मानी शख्सियत ने खुद को अपनी पार्टी से अलग करने का एलान किया। तब इस बिरादरी के बहुत से लोगों की सोशल मीडिया पर यह प्रतिक्रिया थी कि हम उस गद्दार को क्यों सुनें? मानो बगैर सुने ही वे समझ जाएंगे कि उसकी बातों में कहां, क्या और कितनी गड़बड़ी है या गड़बड़ी है भी कि नहीं!

जेपी ने पूछा था : आंदोलन क्या बूढ़े चलाएँगे ?

श्रवण गर्ग

पचास साल से ज़्यादा का वक्त होने आया ! जिस एक व्यक्तित्व का चेहरा देश के इन कठिन दिनों में सबसे अधिक स्मरण हो रहा है, जिसकी छवि आँखों की पुतलियों में तैर रही हैं वह जयप्रकाश नारायण (जेपी) का है। ऐसा होने के पीछे कुछ ईमानदार कारण भी हैं ! साल 1972 में जेपी के समक्ष हुए दस्युओं के ऐतिहासिक आत्म-समर्पण के पहले चम्बल घाटी में बिताया गया लगभग तीन महीने का समय और फिर 1974 में बिहार आंदोलन के दौरान जेपी के सान्निध्य में गुज़र एक लम्बा अरसा , उनके साथ विमान, ट्रेन और कार में कीं गईं यात्राएँ आज भी स्मृतियों में ज्यों की त्यों आज भी क़ायम हैं। हाल ही की एक यूट्यूब चैनल की बहस में मैंने ज़िक्र किया था कि 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान मैसूर में भारी बारिश के बीच ज़रा भी विचलित हुए बिना भाषण करते बावन साल के राहुल गांधी का चित्र जब दुनिया ने देखा और वायरल हुए उस सभा के वीडियो में हज़ारों ग़ैर-हिंदी भाषी श्रोताओं की भीड़ को निहारा तो मुझे 1974 के इलाहाबाद की एक ऐतिहासिक जनसभा की याद हो आई। जून 1974 में इलाहाबाद के टंडन पार्क में 'सम्पूर्ण क्रांति' आंदोलन के समर्थन में आयोजित हुई छात्रों की विशाल सभा में बहत्तर-वर्षीय जेपी ने मूसलाधार बरसात के बीच भी अपने उद्बोधन को जारी रखा था और श्रोता भी शांत भाव से लोकनायक के कहे एक-एक शब्द के साथ भीगते रहे थे। मेरा लिया जेपी का उस समय का चित्र आज की तरह तब वायरल नहीं हो पाया था। परिस्थितियाँ तब भिन्न थीं। उस समय न मोबाइल था, न टीवी चैनल्स थे और न ही सोशल मीडिया था। इस सबके बावजूद जेपी की 'सम्पूर्ण क्रांति' सफल हो गई। स्मृतियों से बिंधा हुआ है कि 1974 में जेपी के साथ पटना से कलकत्ता के लिए ट्रेन में यात्रा के दौरान मैं देखता था कि रात के बारह-एक बजे भी किस तरह लोकनायक की एक झलक पाने के लिए स्टेशनों पर जगह-जगह लोगों की भीड़ उनके डिब्बे के बाहर जमा हो जाती थी । जेपी और प्रभावती जी के साथ जून 1972 में चूरू (राजस्थान) की यात्रा पर निकलते वक्त पुरानी दिल्ली के प्लेटफ़ार्म पर उपस्थित लोग अपने आप को आश्वस्त नहीं कर पा रहे थे कि ट्रेन की प्रतीक्षा में बिना किसी सुरक्षा और भीड़ के खड़े हुए शख़्स लोकनायक जयप्रकाश नारायण भी हो सकते हैं ! चूरू में उस शाम जेपी ने अचानक से पूछ लिया था : श्रवण कुमार टहलने के लिए चलते हो ? यह एक दुर्लभ क्षण था।

मेरे मुँह से शब्द ही नहीं फूट पाए। शहर के बाहर शांत एकांत में जेपी और प्रभावती जी के साथ टहलते वक्त लोकनायक से पूछे गए कई सवालों में साहस करके किया गया एक यह भी था कि क्या इंदिरा गांधी की हुकूमत आपको स्वतंत्रता सेनानी नहीं मानती ? यह वह वक्त था जब दिल्ली में आज़ादी की 'रजत जयंती' मनाई जा रही थी और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को ताम्रपत्र दिए जा रहे थे, उनका सम्मान किया जा रहा था। मेरे सवाल के उत्तर में जेपी कुछ क्षणों के लिए मौन हो गए थे जैसे शून्य में कुछ तलाश कर रहे हों। फिर अपनी चिर-परिचित विनम्रता के साथ बग़ैर मेरी ओर देखे जवाब दिया : 'शायद ऐसा ही हो।' जेपी ने दो शब्दों में बहुत बड़ा उत्तर दे दिया था । मैं आगे कुछ भी बोल नहीं पाया। प्रभावती जी जेपी के कहे हरेक शब्द को ध्यान से सुन रहीं थीं। डॉक्टर लोहिया के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब अब पाँच दशकों के बाद तो ठीक से याद नहीं पर वह दिवंगत समाजवादी राजनेता के प्रति खूब आदर से भरा हुआ था। जेपी की चूरू में उपस्थिति से अणुव्रत आंदोलन के प्रणेता आचार्य तुलसी की पुस्तक 'अग्नि परीक्षा' को लेकर उत्पन्न हुआ साम्प्रदायिक तनाव समाप्त हो गया था। जेपी के आग्रह पर आचार्य तुलसी ने अपनी विवादास्पद पुस्तक वापस ले ली थी। 'बिहार आंदोलन ' के दौरान पटना में रहते हुए मैं आंदोलन से सम्बंधित सामग्री के प्रकाशन आदि के कामों में जेपी की मदद कर रहा था। कदम कुआँ स्थित जेपी के निवास स्थान पर उनके दो अत्यंत विश्वस्त सहयोगी (श्री अब्राहम और सच्चिदा बाबू) काफ़ी पहले से कार्यरत थे।प्रभाष जोशी जी ने मुझे बिहार आंदोलन की रिपोर्टिंग के लिए दिल्ली से कुछ दिनों के लिए भेजा था पर जेपी ने अपने काम में सहयोग के लिए पटना में ही रोक लिया। पटना में दोपहर बाद अथवा शाम का कोई वक्त रहा होगा। जेपी अपने निवास स्थान के निचले खंड (ग्राउंड फ़्लोर) पर स्थित बैठक से काम निपटा कर विश्राम के लिए ऊपरी तल पर पर बने शयन कक्ष के लिए सीढ़ियाँ चढ़ रहे थे। पटना पहुँचे मुझे तब ज़्यादा समय नहीं हुआ था। 15 अप्रैल 1973 को प्रभावती जी के चले जाने के बाद से जेपी अकेले पड़ गए थे। सीढ़ियों के पास खड़ा हुआ मैं जेपी को धीरे-धीरे कदम उठाकर शयन कक्ष की ओर सीढ़ियाँ चढ़ते देख रहा था। मैंने तभी अत्यंत विनम्रतापूर्वक कहा :' बाबूजी मैं दिल्ली वापस लौटना चाहता हूँ।' जेपी कुछ क्षणों के लिए रुक गए, जैसे कुछ समझने की कोशिश कर रहे हों। फिर धीमे से बोले :' तुम जवान लोग ही अगर चले जाओगे तो फिर यह आंदोलन क्या हम बूढ़े चलाएँगे ?' मैंने ज़ाहिर नहीं होने दिया कि उनके कहे के बाद मैं अंदर से कितना संताप कर रहा था। जेपी ने बाद में बुलाकर दिल्ली वापस लौटने की मंशा का कारण पूछा । मैंने बताया कि सर्वोदय के कुछ स्थानीय पदाधिकारी काम में सहयोग नहीं कर रहे हैं इसलिए आंदोलन के प्रकाशनों का काम ठीक से नहीं हो पा रहा है। वे सब कुछ समझ गए। मुझे अपने साथ शयन कक्ष में रखी अपनी निजी अलमारी तक ले गए। फिर चाबी से अलमारी खोल उसमें से रुपयों की एक गड्डी निकाल मुझे सौंप दी और कहा : 'ये ख़त्म हो जाएँ तो और माँग लेना।' जेपी ने मेरे पैर बिहार की ज़मीन के साथ हमेशा के लिए बांध दिए थे। कुछ महीनों के बाद जेपी ने मुझे कहा कि बिहार आंदोलन का एक विश्वसनीय इतिहास लिखा जाना चाहिए। बिहार छोड़ने से पहले मैंने ' बिहार आंदोलन एक सिंहावलोकन' लिखकर पुस्तक की पांडुलिपि जेपी को सौंप दी। जेपी ने पूरी पांडुलिपि पढ़ी और उसे पुस्तक रूप में सर्व सेवा संघ से प्रकाशित करवा दिया। किताब के पहले पन्ने पर जो शब्द उन्होंने अपनी कलम से लिखे मैं जीवन की अंतिम साँस तक के लिए जेपी के स्नेह का ऋणी हो गया।

जेपी ने लिखा :' बड़े परिश्रम और सावधानी से यह पुस्तिका श्रवणकुमार ने लिखी है। बिहार आंदोलन का यह निष्पक्ष और सहनुभूतिपूर्ण सिंहावलोकन है।' महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने गांधी जी के बारे में 1944 में कहा था :'आने वाली नस्लें शायद मुश्किल से ही विश्वास करेंगी कि हाड़-मांस से बना हुआ कोई ऐसा व्यक्ति भी धरती पर चलता-फिरता था।' जेपी एक ऊर्जा थे ,रोमांच थे, आत्मीयता से भरी हुई एक प्रतीक्षा थे।आज़ादी के इतिहास को नए सिरे से लिखने की क्रूरता जब किसी दिन थक कर पस्त हो जाएगी , आइंस्टीन जैसा ही कोई संवेदनशील वैज्ञानिक विनोबा और जेपी जैसे हाड़-मांस वाले व्यक्तियों की उपस्थिति के चमत्कार के बारे में भी लिखेगा।

http://shravangarg1717.blogspot.com

मुलायम का जाना : समाजवाद का एक युग खत्म होने जैसा

अजय कुमार

मुलायम सिंह यादव राजनीति के चलते फिरते इनसाइक्लोपीडिया थे। कहने को तो वह समाजवादी विचारधारा से जुड़े हुए थे लेकिन उन्होंने अपने आप को किसी बंधन में नहीं रखा।इसीलिए तो उनका नाम कई विवादित और विपरित विचारधारा वाले नेताओं के साथ ही जुड़ा रहा। बसपा सुप्रीमो मायावती से मुलायम का हमेशा 36 का आंकड़ा रहा। मायावती अक्सर आरोप लगाया करती थी कि मुलायम सिंह ने उनको 90 के दशक में लखनऊ के स्टेट गेस्ट हाउस मेरा जान से मारने की कोशिश की थी। मुलायम को न दबंगों से परहेज था ना ही दस्यु सम्राटों से। उनके आंगन में फिल्मी कलाकारों को ठुमके लगाते भी देखा जाता था, जबकि समाजवाद में इससे परहेज रखा जाता है। मुलायम की गुड लिस्ट में कई माफियाओं के भी नाम जुड़े रहते।इसमें मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद से लेकर पश्चिमी यूपी के डीपी यादव और लखनऊ का अरुण शंकर शुक्ला उर्फ अन्ना जैसे कई अपराधी शामिल थे। मुलायम के सत्ता में रहते हैं अन्ना को तो मिनी मुख्यमंत्री तक की उपाधि मिली हुई थी। मुलायम के दस्यु परिवारों से भी संबंध अच्छे रहे। कुछ दस्यु सम्राटों के बच्चे तो सपा से चुनाव भी लड़े।मुलायम ने अयोध्या के विवादित ढांचा जिसे हिंदू रामलला का जन्म स्थान बताते थे, वही मुसलमान बाबरी मस्जिद बताया करते थे। में मुसलमानों के पक्ष में खुलकर राजनीति की। कारसेवकों पर गोली चलाने से भी परहेज नहीं किया और यहां तक कहा करते थे कि 16 क्या यदि 1600 कारसेवकों को भी गोली चलाना पड़ती तो हम बाबरी मस्जिद बचाने के लिए इससे परहेज नहीं करते। लेकिन एक समय ऐसा भी आया जब उन्होंने अयोध्या मंदिर के सबसे बड़े पैरोकार समझे जाने वाले हिंदू हृदय सम्राट पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को भी गले लगा लिया। इसी तरह से मुलायम ने प्रधानमंत्री मोदी को भी अपना करीबी बना रखा था। वह मोदी से अपने दिल की बात खुलकर कहते थे, जबकि यह बात अखिलेश यादव को भी पसंद नहीं आती थी, क्योंकि मोदी के कारण ही समाजवादी पार्टी यूपी में हाशिए पर चली गई थी। करीब 15 वर्ष पूर्व मुलायम सिंह ने आगरा में सपा अधिवेशन के दौरान जब कल्याण सिंह को अपने साथ मंच पर बैठाया तो पार्टी में बगावत के सुर की सुनाई पढ़ने लगे थे।नाराज होकर आजम खान ने पार्टी से किनारा कर लिया था। इससे मुसलमानों के बीच मुलायम की छवि भी खराब हुई थी जो सपा का सबसे मजबूत वोट बैंक हुआ करता था। समाजवाद के नाम पर मुलायम ने परिवारवाद को खूब पाला पोसा। एक समय तो उनके परिवार के करीब दो दर्जन सदस्य राजनीति में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से दखलअंदाजी रखते थे,इसमें कोई सांसद था तो कोई विधायक कई परिवार के सदस्य तमाम बोर्डो और निगमों के अध्यक्ष बने हुए थे। लाइजनर अमर सिंह के साथ भी मुलायम ने कई साल तक दोस्ती की। लेकिन इसके बाद भी मुलायम के चाहने वालों की कभी कमी नहीं रही। वह यूपी ही नहीं दिल्ली में भी अच्छी खासी दखलअंदाजी रखते थे। एक समय ऐसा भी था, जब सोनिया गांधी 2004 में प्रधानमंत्री बनने का सपना देख रही थी तो मुलायम ने उनको विदेशी बताकर पीएम की कुर्सी से पीछे धकेल दिया था। इसके साथ साथ वह पल भी नहीं भूला जा सकता है जब लालू के चलते मुलायम सिंह यादव प्रधानमंत्री नहीं बन पाए थे।

यह और बात है कि यूपी और बिहार की राजनीति की यह दो सियासी परिवार बाद में पारिवारिक रिश्तो में बन गए थे। इसी तरह मुलायमन पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को अपना राजनीतिक गुरु बताते थे, लेकिन उनके पुत्र अजीत सिंह से उनके संबंध कई बार बने बिगड़े। खैर, इतना सब कुछ होने के बाद भी मुलायम की अपने वोटरों पर हमेशा अच्छी पकड़ नहीं। सभी पार्टियों के नेताओं से उनके मजबूत रिश्ते थे। मुलायम सब के सुख दुख में खड़े रहते थे जिसके सहारे वे जनता से जुड़ाव बनाते थे। समाजवादी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की मृत्यु सपा के लिए बड़ा झटका है। पार्टी जब विधानसभा चुनावों की हार को भूलकर 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी थी।अपने को दोबारा उबारने की कोशिश कर रही थी, उस समय नेता जी ने दुनिया को अलविदा कह दिया। करीब 6 दशकों से समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने में लगे नेताजी हमेशा कहा करते थे राजनीति में अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए चर्चा, पर्चा और खर्चा तीन चीजों की बहुत जरूरत है। वह कहते थे किसी भी नेता के लिए हर समय चर्चा में बना रहना चाहिए। कोई चुनाव आए तो पर्चा भरने में देरी नहीं करना चाहिए और खर्चे के लिए पैसा जुटाने का कोई भी मौका नहीं छोड़ना चाहिए नेताजी 1 तक का भी चंदा लेते थे। जब पहली बार चुनाव लड़े थे तो एक नोट, एक वोट उनका नारा था। अखाड़े से निकलकर मुलायम सिंह यादव ने पहला कदम टीचर के रूप में मैनपुरी के एक स्कूल में रखा था लेकिन यहां उनका मन ज्यादा दिन तक रम नहीं पाया और वे राजनीति में आ गए । उस दौर में मुलायम के पास साइकिल के अलावा कुछ नहीं था। उन्हें जिताने के लिए पूरे गांव ने उपवास रखा। जिसके बाद मुलायम विधायक ही नहीं तीन बार सूबे के सीएम बने और केंद्र में रक्षा मंत्री तक का सफर तय किया।मुलायम सिंह इटावा से बीए की पढ़ाई करके टीचिंग कोर्स के लिए शिकोहाबाद चले गए। बात 1965 की है, उनकी करहल के जैन इंटर कॉलेज में मास्टर की नौकरी लग गई। नौकरी लगे दो साल ही हुए थे मुलायम सिंह यादव के राजनीतिक गुरू नत्थू सिंह ने 1967 विधानसभा चुनाव में अपनी सीट जसवंतनगर से मुलायम सिंह यादव को उतारने का फैसला लिया। राम मनोहर लोहिया से वकालत की और नाम पर औपचारिक मुहर भी लग गई। सिंह ने खुद के लिए करहल सीट चुनी थी।

मुलायम को जब मालूम हुआ कि उन्हें जसवंतनगर से सोशलिस्ट पार्टी के लिए चुनाव लड़ना है तो वह प्रचार के लिए जुट गए। उनके दोस्त दर्शन सिंह के पास साइकिल थी। वह दर्शन सिंह के साथ उनके पीछे बैठकर चुनाव प्रचार के लिए जाते थे। पैसे उन्होंने एक वोट, एक नोट का नारा दिया। मुलायम चंदे में एक रुपया मांगते और ब्याज सहित लौटाने का वादा करते।जसवंतनगर में मुलायम सिंह यादव की लड़ाई हेमवती नंदन बहुगुणा के करीबी और कांग्रेस प्रत्याशी एडवोकेट लाखन सिंह से था।

मुलायम ने पहली लड़ाई में ही मैदान फतह किया। वह 28 साल की उम्र में विधायक बन गए।मुलायम सिंह यादव तीन बार मुख्यमंत्री रहे। पहली बार पांच दिसंबर 1989 से 24 जून 1991 तक, दूसरी बार पांच दिसंबर 1993 से 3 जून 1995 तक और तीसरी बार 29 अगस्त 2003 से 13 मई 2007 तक मुख्यमंत्री रहे। जून 1996 से 19 मार्च 1998 तक भारत के रक्षा मंत्री रहे।एक साधारण किसान परिवार में जन्म लेने वाले मुलायम सिंह ने अपना राजनीतिक जीवन उत्तर प्रदेश में विधायक के रूप में शुरू किया। बहुत कम समय में ही मुलायम सिंह का प्रभाव पूरे उत्तर प्रदेश में नज़र आने लगा।

जंगी ताकत बढ़ाने वाला भारत का 'प्रचंड' कदम

मेक इन इंडिया अभियान के तहत भारत ने देश में बने हल्के लड़ाकू हेलिकॉप्टर (एलसीएच) 'प्रचंड' को वायुसेना में शामिल कर आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत बड़ा कदम बढ़ाया है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने साढ़े पांच टन वजनी 'प्रचंड' को देश की सामरिक जरूरत के हिसाब से डिवेलप किया है, जो पांच हजार मीटर की ऊंचाई पर हमला करने की क्षमता रखने वाला दुनिया का पहला हेलिकॉप्टर है।

यह सही है कि हेलिकॉप्टरों की सैन्य जरूरत की आपूर्ति पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक पर लाने में अभी थोड़ा और वक्त लगेगा, लेकिन 'प्रचंड' की इन ताकतों को कोई भी नजरअंदाज नहीं कर सकताः

5.8 टन वजन के और दो इंजन वाले इस हेलिकॉप्टर कई हथियारों से लैस हैं।

यह हवा से हवा में दागी जाने वाली मिसाइल और रॉकेट प्रणाली से लैस है।

'स्टील्थ' खूबी और बख्तरबंद सुरक्षा प्रणाली भी इसमें है।

यह रात को हमला करने और आपात स्थिति में सुरक्षित उतरने में कारगर है।

यह अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में टैंक, बंकर, ड्रोन को नष्ट करने का दमखम रखता है।

रणनीतिक लिहाज से भले ही भारत ने अमेरिका से अपाचे और चिनूक जैसे अत्याधुनिक हेलिकॉप्टर खरीदे, लेकिन देश अब स्वदेशी तकनीक पर ज्यादा भरोसा जता रहा है। इस कड़ी में भारत अब इंडियन मल्टी रोल हेलिकॉप्टर (आईएमआरएच) और हेवी लिफ्ट हेलिकॉप्टर डिवेलप कर रहा है। वहीं, साठ और सत्तर के दशक के चेतक और चीता हेलिकॉप्टरों की जगह लेने के लिए स्वदेशी लाइट यूटिलिटी हेलिकॉप्टर (एलयूएच) भी तैयार हो चुका है। आइए देखते हैं कि स्वदेशी हेलिकॉप्टरों में भारत ने अब तक क्या-क्या किया हैः

1962 में विदेशी सहभागिता से दो टन वजनी पहला हेलिकॉप्टर चेतक बनाया गया।

1977 में अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कारगर विदेशी सहभागिता से चीता हेलिकॉप्टर का निर्माण हुआ।

1990 में चीता के मूल डिजाइन पर उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में कारगर बेहद हल्का लड़ाकू हेलिकॉप्टर लैंसर बनाया गया।

2002 में चीता हेलिकॉप्टर को रीडिजाइन कर उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में कारगर चीतल हेलिकॉप्टर बनाया गया।

2002 में साढ़े पांच टन वजनी दोहरे इंजन वाले पहले स्वदेशी हेलिकॉप्टर ध्रुव का निर्माण हुआ।

2020 में चीता और चेतक की जगह शामिल किए जाने वाले लाइट यूटिलिटी हेलिकॉप्टर (एलयूएच) का निर्माण किया गया।

इन दिनों एचएएल 13 टन वजनी इंडियन मल्टी रोल हेलिकॉप्टर (IMRH) बनाने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। इस हेलिकॉप्टर को मीडियम वेट कैटिगरी में रखा गया है। इसका प्रोटोटाइप बनकर तैयार हो चुका है। अगर सही समय पर निर्माण पूरा हो गया तो 2030 से पहले स्वदेशी तकनीक से बना यह हेलिकॉप्टर रूस के एमआई-8 और सेवारत एमआई-17 हेलिकॉप्टर की जगह लेगा। इसकी खासियत यह है कि इसे सामान ढोने के साथ अटैक हेलिकॉप्टर के तौर पर भी डिवेलप किया जा रहा है। इसे हवा से हवा में युद्ध, पनडुब्बियों-युद्धपोतों के खिलाफ, और वीवीआईपी ड्यूटी में इस्तेमाल किया जाएगा। इसका इंजन विकसित करने में विदेशी मदद ली जा रही है।

भारत मध्यम और भारी वजन वाले हेलिकॉप्टरों के लिए रूस और अमेरिका पर निर्भर रहा है। देश में पहले केवल रूस से ही हेलिकॉप्टर लिए जाते थे, जिसमें एमआई-8, एमआई-17, एमआई-24, कोमोव जैसी मशीनें शामिल हैं। लेकिन रूस से हेलिकॉप्टर खरीद लगभग बंद हो चुकी है। अब भारत अमेरिका से इसकी खरीदारी कर रहा है। उससे दो बड़े रक्षा सौदे अपाचे और चिनूक के हुए हैं। 6 नए अटैक हेलिकॉप्टर अपाचे सेना के लिए और खरीदे जा रहे हैं। इस निर्भरता को कम करने के लिए एचएएल आईएमआरएच लगभग तैयार कर चुका है, जिससे रूसी हेलिकॉप्टर भारतीय सेनाओं से लगभग बाहर हो जाएंगे। इसके अलावा एचएएल भारी हेलिकॉप्टर डिवेलप करने के प्रॉजेक्ट को भी हरी झंडी दे चुका है।

भारतीय नौसेना इस समय अपने युद्धपोतों पर सात हेलिकॉप्टर इस्तेमाल कर रही है, जिसमें पांच विदेश से मंगाए हुए हैं। विमानवाहक युद्धपोत विक्रांत और विक्रमादित्य के लिए विदेशी हेलिकॉप्टरों पर निर्भरता अधिक है। अमेरिका से सी-किंग हेलिकॉप्टर इसीलिए खरीदे गए हैं। भविष्य में विक्रांत पर विदेशी कमोव और सी-किंग के साथ स्वदेशी ध्रुव भी तैनात होगा। चेतक की जगह एचएएल 111 स्वदेशी एलयूएच नेवी को देगा।

मंझे हुए घाघानंद पति

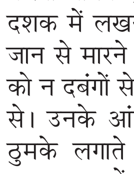

रेखा शाह

वह इतने बेचारे थे!! लेकिन पता नहीं कहां से बेचारे थे कि हर जगह रोते फिरते हैं हर प्लेटफार्म पर अपनी दुखद गाथा गाते फिरते हैं सुनाते फिरते हैं । अगर कोई अलग प्लानेट से आया प्राणी सुन ले तो उन्हें पहली फुर्सत में पीड़ित का सर्टिफिकेट प्रदान कर दे। चेहरा गिरा कर बतियाने की कला में भी पूर्णतया दक्ष थे । पहले कहा जाता था प्रपंच रचने में स्त्रियों की कोई सानी नहीं लेकिन आजकल पुरुष के आगे वह भी पानी भरती है। इन पुरुषों के पीड़ित गुहार, पुकार, बौछार से उन बेचारियो का जो कोमलांगी थी। उनकी तुलना भूत ,प्रेत, डायन ,चुड़ैल जैसे खतरनाक शब्दों से किया जाने लगा ।उनकी अलग ही एक छवि बन चुकी है । उनकी का छवि चित्रण वैजयंती माला और मीना कुमारी की जगह ललिता पवार और शोभा खोटे से होने लगा है । ना जाने अभिनेता आशुतोष राणा ने किस मूड में यह शेर कह दिया-- नारी आज भी भारी है कल भी भारी थी.. पुरुष आज भी आभारी है कल भी आभारी था. जब की स्थिति सर्वथा विपरीत है। स्त्री दिन भर कोल्हू के बैल के जैसे घर में रात दिन जुती हुई है उसकी परेशानी नहीं नजर आती क्यों कि वह तो सुपरमैन है उसे कहा..!! थकान बीमारी होती है। बल्कि पड़ोसन की छीक भी जरूरी और उसकी दवाई नजर आती है।

बस घर और पत्नी के मामले में कूप मंडूक होते है। हर चीज में इन्हें अपने बाप-दादा के जमाने की रिवाज और परंपरा पर ही अखंड प्रचंड विश्वास होता है। बाकी हर चीज आधुनिक चाहिए। अगर उसके रक्त संबंधी परिवार से कोई कार्य निकल आए तो उस पर इतना एहसान लादा जाता है जितना तो पाकिस्तान पर चाइना ने भी कभी नहीं लादा होगा। पति और मंत्री दोनों एक जैसे जटिल तम प्राणी होते हैं चांद, तारे - सितारे ,चने के झाड़ पर चढ़ाने जैसे कार्यों में बेहद पारंगत हैं। कोई काम यदि अटका हो तो मधुबाला ,बृजबाला, वैजयंती माला उन अबला में नजर आती है बाकी समय वह उनके लिए शोभा खोटे और ललिता पवार बन जाती हैं।

करवाचौथ पर पत्नी को राशि के अनुसार दें गिफ्ट

हर साल करवा चौथ का पर्व मनाया जाता है। इस साल भी यह पर्व मनाया जाने वाला है। इस साल यह पर्व 13 अक्टूबर को है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं आप राशि के अनुसार अपने पार्टनर को क्या गिफ्ट दें।

मेष राशि- मेष राशि के जातक रोमांटिक होते हैं। ऐसे में आप करवा चौथ पर अपनी पत्नी को लाल रंग के कपड़े, मूंगा रत्न की अंगूठी या कोई रोमांटिक गिफ्ट लेकर आएं।

वृषभ राशि – वृषभ राशि के जातक शांत स्वाभव के होते हैं। इनको करवा चौथ के चांदी की पायल या डॉयमंड की कोई वस्तु गिफ्ट सकते हैं।

मिथुन राशि- आप अपनी पत्नी को हरे रंग के कपड़े या पन्ना रत्न की ज्वैलरी उपहार में दे सकते हैं।

कर्क राशि- कर्क राशि की महिलाएं नखरीली होती हैं। उन्हें आप चाहें तो चांदी की पायल, बिछिया आदि उपहार में दे सकते हैं।

सिंह राशि- सिंह राशि हो तो पत्नी को करवा चौथ पर गोल्डन प्लेटेड घड़ी या तांबे से बनी कोई वस्तु उपहार में दे सकते हैं।

कन्या राशि- आप अपनी पत्नी को बजट ट्रेवलिंग कराकर खुश कर सकते हैं। इसके अलावा आप करवा चौथ के दिन इन्हें हरे रंग की साड़ी, चूड़ियां भी गिफ्ट में दे सकते हैं।

तुला राशि- तुला राशि के जातक अपनी लाइफ में बहुत प्रैक्टिकल होते हैं। बेहतर होगा कि आप उन्हें उनकी चॉइस पूछकर दें।

वृश्चिक राशि- वृश्चिक राशि की जातक को आप गुलाबी रंग के कपड़े, गुलाब के फूल गिफ्ट कर सकते हैं।

धनु राशि- धनु राशि के जातकों को सरप्राइज़ बहुत पसंद होता है। ऐसे में आप अपनी पत्नी को सरप्राइज़ में सोने के आभूषण भी दे सकते हैं।

मकर राशि- आप अपनी पत्नी को इस दिन स्पेशल फील कराएं और उन्हें गिफ्ट में हल्के नीले रंग के कपड़े दे सकते हैं।

कुंभ राशि- करवा चौथ के दिन आप अपनी पत्नी को चॉकलेट्स गिफ्ट कर सकते हैं।

मीन राशि- करवा चौथ के दिन आप अपनी पत्नी को हल्के पीले रंग की धारी वाली साड़ी भी गिफ्ट कर सकते हैं।

पति-पत्नी का महापर्व करवा चौथ कल

पूजा-पाठ और व्रत-उपवास के साथ ही जीवन साथी पर भरोसा भी करें, भरोसे के बिना ये रिश्ता टिक नहीं पाता है

गुरुवार, 13 अक्टूबर को पति-पत्नी का महापर्व करवा चौथ है। ये व्रत जीवन साथी के लिए समर्पण, प्रेम और त्याग का भाव दिखाता है। महिलाएं पति के सुखी जीवन, सौभाग्य, अच्छी सेहत और लंबी उम्र के लिए दिनभर निराहार और निर्जल रहती हैं। इस रिश्ते में जब तक एक-दूसरे के बीच विश्वास है, तब तक प्रेम बना रहता है। अगर जीवन साथी पर अविश्वास का भाव जाग जाता है तो ये रिश्ता टिक नहीं पाता है। ये बात हम शिव जी और देवी सती की कहानी से समझ सकते हैं।

ये है शिव जी और सती की कहानी

रामायण का प्रसंग है। एक दिन शिव जी ने सती से कहा कि मैं रामकथा सुनना चाहता हूं। आप भी मेरे साथ अगस्त्य मुनि के आश्रम चलेंगी तो अच्छा रहेगा।

दक्ष प्रजापति की पुत्री देवी सती को वैसे तो बहुत विद्वान थीं, लेकिन उन्हें कथा सुनना ज्यादा पसंद नहीं था। देवी विद्वान थीं तो हर एक काम तर्क के साथ करती थीं। जब शिव जी ने रामकथा सुनने की बात कही तो देवी सती भी पति की इच्छा का मान रखते हुए साथ चल दीं। उस समय देवी सीता का हरण हो चुका था और श्रीराम लक्ष्मण के साथ सीता की खोज कर रहे थे। दूसरी ओर, शिव जी और देवी सती उन्हीं राम जी की कथा सुनकर लौट रहे थे। तभी रास्ते में उन्हें श्रीराम दुखी अवस्था में दिखाई दिए। शिव जी ने जैसे ही राम को देखा तो दूर से प्रणाम किया और देवी सती से भी प्रणाम करने के लिए कहा। देवी सती को ये बात समझ नहीं आई। शिव जी जिस राम को भगवान मानते हैं, वे दुखी हैं और भटक रहे हैं। सती ने शिव जी के कहा कि ये भगवान कैसे हो सकते हैं, ये तो दुखी हैं, पत्नी के दुख में रो रहे हैं।

शिव जी ने समझाया कि ये सब राम जी की लीला है। इन पर संदेह न करें।

सती तर्क को महत्व देती थीं तो उन्हें ये बात सही नहीं लगी। देवी सती ने श्रीराम की परीक्षा लेने का मन बना लिया। शिव जी तो कैलाश पर्वत लौट गए, लेकिन सती सीता का रूप धारण करके श्रीराम के सामने पहुंच गईं। श्रीराम ने जैसे ही देवी सती को देखा तो प्रणाम किया और कहा कि देवी आप अकेली यहां कैसे आई हैं, महादेव कहां हैं? ये बात सुनते ही सती को समझ आ गया कि श्रीराम भगवान ही हैं। वहां से सती चुपचाप कैलाश लौट आईं। शिव जी ने सती को देखा तो पूछा कि क्या आपने राम की परीक्षा ली?

उस समय सती ने शिव जी से झूठ बोल दिया कि मैंने तो परीक्षा नहीं ली, मैं भी राम जी को प्रणाम करके लौट आई हूं।

शिव जी देवी सती का स्वभाव जानते थे कि वे इतनी आसानी से हार नहीं मानती हैं। शिव जी ने ध्यान लगाया और पूरा प्रसंग जान लिया।

इसके बाद शिव जी ने कहा कि देवी आपने मुझसे झूठ बोला, मेरे भगवान राम की परीक्षा सीता माता का रूप धारण करके ली, मेरी बात पर अविश्वास जताया, ये आपने अच्छा नहीं किया है। मैं आपका मानसिक त्याग करता हूं। इस घटना के बाद से ही शिव जी और सती वैवाहिक जीवन बिगड़ गया था।

कहानी की सीख

इस प्रसंग की सीख यही है कि पति-पत्नी के लिए सबसे अधिक जरूरी है एक-दूसरे का भरोसा। अगर हम अपने जीवन साथ पर भरोसा नहीं करते हैं तो ये रिश्ता ज्यादा दिनों तक टिक नहीं पाता है।

क्यों रखा जाता है करवा चौथ का व्रत

हिन्दू धर्म में सुहागिन महिलाओं के लिए करवा चौथ व्रत बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। जी हाँ और पंचांग के अनुसार, यह व्रत प्रति वर्ष कार्तिक मास कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाता है। आपको बता दें कि इस साल करवा चौथ व्रत 13 अक्टूबर को रखा जाएगा। जी दरअसल 13 अक्टूबर को दोपहर 1 बजकर 59 मिनट से शुरू हो जाएगी जो अगले दिन 14 अक्टूबर को दोपहर 3 बजकर 08 तक रहेगी। जी हाँ और इसे देखते हुए उदया तिथि 13 अक्टूबर पड़ रही है इसलिए करवा चौथ व्रत भी 13 अक्टूबर को रखा जाएगा। अब हम आपको बताते हैं करवा चौथ की कथा।

करवा चौथ की पौराणिक कथा- धार्मिक कथाओं के मुताबिक, जब पांडवों के जीवन पर संकट के काले बादल मंडरा रहे थे तब भगवान कृष्ण ने द्रौपदी को करवा चौथ व्रत रखने की सलाह दी थी। इसके बाद द्रौपदी ने पूरे नियम के साथ करवा चौथ की पूजा की। इस व्रत के प्रभाव से पांडवों के जीवन पर से सभी संकट दूर हो गया था।

एक अन्य कथा यह है कि एक बार देवताओं और असुरों के बीच भीषण संग्राम शुरू हो गया था। युद्ध में सभी देवताओं को संकट में देख उनकी पत्नियां विचलित होने लगी। इसके बाद वो सभी भगवान ब्रह्मा के पास पहुंचे और उनसे गुहार लगाई। तब ब्रह्मा जी ने पत्नियों को करवा चौथ व्रत रखने को कहा। सभी ने कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को करवा चौथ का व्रत किया। करवा माता ने देवताओं के प्राणों की रक्षा की और वह युद्ध में विजय हुए। इसके बाद से ही करवा चौथ का व्रत रखा जाने लगा।

करवा चौथ पूजा का शुभ मुहूर्त

आपको बता दें कि करवा चौथ व्रत के लिए चतुर्थी तिथि का आरंभ 13 अक्तूबर 2022 की मध्यरात्रि 1 बजकर 59 मिनट से होगा और 14 अक्तूबर 2022 की तड़के सुबह 3 बजकर 8 मिनट पर समापन होगा। जी हाँ और इस दौरान करवा चौथ पूजा का शुभ मुहूर्त 13 अक्तूबर को शाम 6 बजकर 1 मिनट लेकर शाम 7 बजकर 15 मिनट तक रहेगा। इसी के साथ अमृतकाल मुहूर्त शाम 4 बजकर 8 मिनट से शाम 5 बजकर 50 मिनट तक रहेगा। इससे पहले अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 21 मिनट से दोपहर 12 बजकर 07 मिनट तक रहेगा। इस साल करवा चौथ पर चांद दिखने का समय 13 अक्तूबर को रात 8 बजकर 19 मिनट है।

सुहागनों के पर्व पर शुक्र रहेगा अस्त

जिनका पहला करवा चौथ हैं वो अगले साल से शुरू करें जो पहले से कर रहें उनके लिए दोष नहीं

करवा चौथ 13 अक्टूबर को किया जाएगा। सुहागनों का ये पर्व द्वापर युग से चला आ रहा है। ये सुहागनों का व्रत है। शादीशुदा महिलाएं पति की लंबी उम्र की कामना से ये व्रत करती हैं। आयुर्वेद के नजरिये से शरद ऋतु में आने वाले इस व्रत को करने से महिलाओं की सेहत भी अच्छी रहती है। सूर्योदय के साथ ही ये व्रत शुरू हो जाता है। जो कि शाम को चांद की पूजा के बाद खत्म होता है। इस बार करवा चौथ पर शुक्र अस्त रहेगा।

पहले करवा चौथ पर रहेगा शुक्र अस्त का दोष

पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र ने बताया कि 2 अक्टूबर से 20 नवंबर तक शुक्र अस्त रहेगा। मुहूर्त चिंतामणि ग्रंथ के हवाले से कहते हैं कि शुक्र अस्त होने पर मांगलिक कामों के साथ सौभाग्य पर्व यानी करवा चौथ व्रत की शुरुआत नहीं की जा सकती। इसलिए जिन महिलाओं के लिए ये पहला करवा चौथ है उन्हें अगले साल से ये व्रत शुरू करना चाहिए। इनके अलावा जो महिलाएं पहले से ये व्रत कर रही हैं उनको शुक्र अस्त का दोष नहीं लगेगा।

इस बार करवा चौथ पर शुक्र अस्त होने से नए पहले व्रत का संकल्प नहीं लिया जा सकता है। लेकिन जो महिलाएं पहले से ये व्रत कर रही हैं उन्हें कोई दोष नहीं लगेगा। बल्कि इस बार गुरु अपनी ही राशि में मौजूद है और गुरुवार को ही ये व्रत रहेगा। इसलिए ये संयोग इस व्रत के शुभ फल को और बढ़ा देगा। शुक्र ग्रह के अस्त रहते हुए नए व्रत की शुरुआत और अंत यानी उद्यापन नहीं किया जाता है। ऐसा ज्योतिष ग्रंथों में लिखा हुआ है। इसलिए इस साल पहला करवा चौथ व्रत नहीं रखना चाहिए।

सेहत के नजरिये से खास है करवा चौथ

इस दिन सुहागन महिलाएं पति की लंबी उम्र के लिए बिना कुछ खाए पिए पूरे दिन व्रत रखती हैं। आयुर्वेद के मुताबिक इस व्रत से महिलाओं की भी सेहत अच्छी रहती है। पुणे के आयुर्वेदिक कॉलेज की डॉ. पूनम यादव बताती हैं कि शरद ऋतु के दौरान शरीर में पित्त बढ़ता है। इससे होने वाली बीमारियों से बचने के लिए ये व्रत रखा जाता है। इस कारण महिलाएं दिनभर बिना पानी पिए रहती हैं और रात में मिट्टी के बर्तन से पानी पीकर व्रत खोलती है। ऐसा करने से मेटाबॉलिज्म बढ़ता है।

गणेश, चौथ माता और चंद्र देव की पूजा

करवा चौथ का व्रत सूर्योदय से शुरू होता है और शाम को चांद निकलने तक रखा जाता है। इस दिन महिलाएं सूर्योदय से पहले उठकर नहाती हैं और फिर दिनभर निर्जल यानी बिना पानी पिए व्रत रखने का संकल्प लेती हैं। शाम को चंद्रमा का दर्शन कर के अर्घ्य देने के बाद पति के हाथ से पानी पीकर महिलाएं व्रत खोलती हैं। इस दिन श्रीगणेश, चतुर्थी माता और फिर चंद्र देव की पूजा होती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अमिताभ बच्चन को दी शुभकामनाएं, बॉलीवुड ने शंहशाह को किया याद

अमिताभ बच्चन 11 अक्टूबर को 80वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे हैं. बिग बी जन्मदिन के मौके पर कई सेलेब्स उन्हें विश कर रहे हैं. अमिताभ बच्चन के जन्मदिन के इस खास मौके पर उनके घर 'जलसा' उनके फैन्स की भीड़ बधाई देने के लिए उमड़ी है. वहीं सोशल मीडिया पर भी अमिताभ बच्चन को बर्थडे विश कर रहे हैं. कई तरह की भूमिकाएं निभाने के लिए जाने जाने वाले, अमिताभ बच्चन यकीनन फिल्म इंडस्ट्री में सबसे महान अभिनेताओं में से एक हैं. बच्चन ने अपने शानदार करियर में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और पद्म पुरस्कार सहित कई पुरस्कार जीते हैं. ऐसे में आज पूरे देश से शदी के महानायक को जन्दिन की शुभकामनाएं मिल रही हैं. देश के प्रधानमंत्री से लकेर उनके को-स्टार उनका परिवार और वो स्टार जो उनके फैन है उन्होंने अपने बिग बी को खास अंदाज में याद किया है.

अमिताभ बच्चन अपना 80वां जन्मदिन मना रहे हैं और इस खास मौके पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मेगास्टार की कामना की और उनके लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना की. उन्होंने ट्वीट किया, "अमिताभ बच्चन जी को 80वें जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं. वह भारत की सबसे उल्लेखनीय फिल्म हस्तियों में से एक हैं, जिन्होंने पीढ़ी दर पीढ़ी दर्शकों को मंत्रमुग्ध और मनोरंजन किया है. वह एक लंबा और स्वस्थ जीवन जिएं."

अमिताभ बच्चन की बेटी श्वेता बच्चन ने भी पापा को जन्मदिन की बधाई देते हुए इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर किया है. इसके साथ ही उन्होंने एक दिल को छू लेने वाला कैप्शन लिख उन्हें विश किया है. उन्होंने लेखा है- पीरा नु मैं सीने लावां, ते मैं हसदी जावां, धुप्पां दे नाल लड़ लड़ के , मैं लाभियाँ अपनीयां छावां, दुःख वि अपने सुख वि अपने ,मैं ते बस एह जाना, सब नु समझ के की करना ऐ ,दिल नु एह समझावां ,तू झूम झूम झूम झूम , तू झूम झूम झूम झूम. अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा ने भी खास अंदाज में अपना नाना को बर्थडे विश किया है.

बालीवुड अभिनेत्री व चंडीगढ़ की भाजपा सांसद किरण खेर ने भी अमिताभ बच्चन के जन्मदिन पर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं.

अक्षय कुमार ने भी सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा मैं उस शख्स को शुभकामनाएं देना चाहता हूं, जो फिल्मों में हीरो बनने की चाहत रखने वाली पूरी पीढ़ी के पीछे एक ही कारण है। मेरी प्रेरणा, बच्चन साब!

आपको 80वें जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं. इतना ही नहीं बॉलीवुड के लगभग हर सितारे बिग बी के इस दिन को अपने अंदाज में खास बनाया है. बता दें क्रिकेटर जगत के सितारों ने भी बिग बी को भी विश किया है और उन्हें सदी का महानायक कहा है.

पेरेंट्स बनने के बाद विवादों में फंसे नयनतारा और विग्नेश

हेल्थ मिनिस्टर ने लिया फैसला- सरोगेसी मामले की होगी जांच

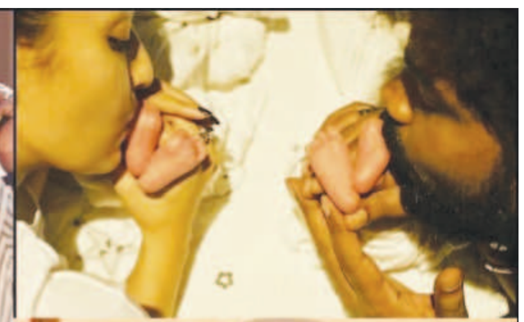

तमिल एक्ट्रेस नयनतारा और डायरेक्टर विग्नेश शिवन ने 9 अक्टूबर को अपने पेरेंट्स बनने की खबर दी। शादी के 4 महीने बाद ही सोशल मीडिया पर बच्चों के पैरों के साथ अपनी तस्वीर शेयर करते हुए कपल ने अपने पेरेंट्स बनने की अनाउंमेंट की। कल से यह खुशखबरी सुर्खियों में है, हालांकि अब पेरेंट्स बनने के साथ-साथ कपल विवादों में फंस हैं। दरअसल दुनिया भर में सरोगेसी को लेकर अलग-अलग नियम-कानून हैं, ऐसे में तमिलनाडु के हेल्थ मिनिस्टर एमए सुब्रमण्यम इस सरोगेसी मामले की जांच करवाएंगे।

क्या है मामला?

दरअसल 9 अक्टूबर को विग्नेश ने सोशल मीडिया पर अपने पेरेंट्स बनने की जानकारी दी। कपल शादी के महज 4 महीने बाद ही पेरेंट्स बन गए, इस खबर ने लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा। जिसके बाद कपल सरोगेसी मामले में विवादों में आ गया। बता दें कि भारत में प्रोफेशनल सरोगेसी पर बैन लगा है। किसी भी सरोगेट को कम से कम एक शादी जरूर होनी चाहिए। साथ ही उसका अपना बच्चा होना चाहिए।

तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री एमए सुब्रमण्यम से जब नयनतारा और विग्नेश के सरोगेसी पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा- 'इस मामले में जांच की जाएगी। सरोगेसी अपने आप में ही बड़ी बहस का मुद्दा है। कानून लोगों को सरोगेसी कराने की परमिशन देता है।

लेकिन इसके लिए महिला की उम्र 21 साल से अधिक और 36 साल से कम होनी चाहिए, साथ ही इसके परिवार की मंजूरी होनी चाहिए।' आपने बयान में हेल्थ मिनिस्टर ने आगे कहा-' कि मैं इस मामले की जांच करने के लिए चिकित्सा सेवा निदेशालय को आदेश दूंगा।'

विग्नेश ने इंस्टाग्राम पर नयनतारा और अपने जुड़वा बच्चों के पैरो की तस्वीर शेयर की है। फोटो के साथ विग्नेश ने कैप्शन में लिखा- 'नयनतारा और मैं अम्मा और अप्पा बन गए हैं। हम ब्लेस्ड हैं, कि हमें जुड़वा बच्चे हुए हैं। हमारी सभी प्रार्थनाएं, हमारे पूर्वजों के आशीर्वाद हमारे बच्चे के रूप में आया है। हमें आप सभी का आशीर्वाद चाहिए।

हमारे उइरो और उलगाम के लिए। दोनों के आने हमारी जिंदगी और भी खूबसूरत हो गई है। भगवान डबल महान है।'

फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े होने के चलते नयनतारा और विग्नेश की लव स्टोरी भी काफी फिल्मी है। कपल को साथ काम करते हुए प्यार हो गया था। जिसके बाद दोनों एक-दूसरे को डेट करने लगे।

कपल 6 साल की डेटिंग के बाद 25 मार्च 2021 को सगाई की। साथ ही 10 जून 2022 को दोनों शादी के बंधन में बंध गए। शादी के 4 महीने बाद ही कपल ने अपने पेरेंट्स बनने की खबर दी।

सारा अली खान के इस बोल्ड फोटोशूट पर लट्टू हुए फैंस

बॉलीवुड ब्यूटी सारा अली खान इन दिनों चर्चा में बनी हुई हैं. गौरतलब है कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. लेटेस्ट पोस्ट में एक्ट्रेस ने देसी लुक में ग्लैमर का तड़का लगाया है. सारा की ये तस्वीरें इंटरनेट की दुनिया में वायरल हो रही हैं. सारा अली खान अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं. इसी कड़ी में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट पोस्ट में देसी लुक फ्लॉन्ट किया है. गोल्डन लहंगे में सारा अली खान बेहद खूबसूरत लग रही हैं. फ्लोरल डिज़ाइन के लहंगे को एक्ट्रेस ने ऑफ शोल्डर ब्लाउज़ के साथ पेयर किया है। उन्होंने अपने लुक को स्ट्रेट बालों से पूरा किया.सारा अली खान ने बहुत ही कम समय में इंडस्ट्री में एक खास जगह बना ली है. एक्ट्रेस अपने स्टाइल स्टेटमेंट से इंडस्ट्री में एक अलग ही ट्रेंड सेट करती हैं।

शहनाज गिल को छूने की कोशिश कर रहा था फैन

पंजाब की कैटरीना कैफ यानी शहनाज गिल सभी की फेवरेट हैं. बिग बॉस 13 में उनकी मासूमियत और मासूमियत को खूब पसंद किया गया था. शहनाज के क्यूट अंदाज का हर कोई दीवाना है. फैंस शहनाज की एक झलक पाने के लिए बेताब हैं. हाल ही में शहनाज गिल एयरपोर्ट पर नजर आईं. इस दौरान उनके फैन्स की लाइन लग गई। फोटो क्लिक कराने के दौरान एक फैन ने ऐसा कर दिया, जिससे एक्ट्रेस को ऐसा रिएक्ट करना पड़ा. सोशल मीडिया पर शहनाज का वीडियो वायरल हो रहा है. एयरपोर्ट पर नजर आईं शहनाज गिल. इस दौरान एक्ट्रेस पैपराजी को पोज दे रही थीं. इस दौरान एक फैन एक्ट्रेस के साथ फोटो क्लिक कराने आया. एक्ट्रेस के पीछे हटने पर गलती से उन्होंने शहनाज गिल के कंधे पर हाथ रखने की कोशिश की. एक्ट्रेस ने फैंस को इस तरह रोका जिसके बाद उस शख्स ने माफी मांग ली. एक्ट्रेस ने फिर फोटो तो क्लिक करवा ली साथ ही कहा कि आपको क्या लगता है मैं आपकी दोस्त हूं. शहनाज गिल का ये वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है. वायरल हो रहे वीडियो में लोगों का रिएक्शन देखने को मिल रहा है. एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा- फैन्स के साथ एक घेरा बनाकर रखना चाहिए. वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा- कुछ फैन्स बहुत बेवकूफ होते हैं.

धर्मेंद्र ने अमिताभ बच्चन के बर्थडे पर शेयर की 'वीरू' की यादगार फोटो

'ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे',

बॉलीवुड एक्टर धर्मेंद्र ने प्रतिष्ठित 1975 की फिल्म 'शोले' से एक पुरानी तस्वीर साझा की है और सबसे प्रतिभाशाली स्टार अमिताभ बच्चन को उनकी अगली फिल्म 'ऊंचाई' के लिए शुभकामनाएं दी हैं, धर्मेंद्र ने ट्विटर पर फिल्म की एक तस्वीर साझा की, जय का किरदार निभाने वाले बिग बी को नीली जींस के साथ लाल टी-शर्ट पहने देखा जाता है और वीरू का किरदार निभाने वाले धर्मेंद्र को डेनिम जैकेट और नीली जींस के साथ टी-शर्ट पहने देखा जाता है.

'शोले' दो अपराधियों वीरू और जय के बारे में है, जिन्हें एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी ने डकैत गब्बर सिंह को पकड़ने के लिए काम पर रखा था, हेमा मालिनी और जया भादुड़ी भी क्रमशः वीरू और जय की प्रेम रुचियों, बसंती और राधा के रूप में अभिनय किया है. शोले को एक क्लासिक और सर्वश्रेष्ठ भारतीय फिल्मों में से एक माना जाता है.

उन्होंने लिखा, "अमित, लव यू, मुझे राजश्री प्रोडक्शन से खबर मिली कि आप उनके साथ एक फिल्म कर रहे हैं, बढ़िया, सबसे प्रतिभाशाली अभिनेता और बेहतरीन प्रोडक्शन हाउस एक साथ, आपको शुभकामनाएं,"अमिताभ बच्चन अगली बार 'ऊंचाई' में दिखाई देंगे, जो 11 नवंबर को रिलीज होगी. फिल्म का निर्देशन सूरज बड़जात्या कर रहे हैं और राजश्री प्रोडक्शंस के बैनर तले निर्मित है.

छेल्लो शो के चाइल्ड एक्टर राहुल कोली का निधन, इस बीमारी ने 10 साल की उम्र में ले ली जान

भारत की तरफ से इस साल ऑस्कर में एंट्री करने वाली गुजराती फिल्म 'छेलो शो' (द लास्ट फिल्म शो) के चाइल्ड स्टार राहुल कोली का निधन हो गया. वह मात्र 10 साल के थे, राहुल का निधन ल्यूकेमिया बीमारी से 2 अक्टूबर को अहमदाबाद के एक कैंसर अस्पताल में हुआ. राहुल के पिता से मिली जानकारी के अनुसार, राहुल को रह-रहकर बुखार आ रहा था और फिर उसे खून की उल्टियां हुई थीं. बता दें कि 14 अक्टूबर को फिल्म 'छेलो शो' रिलीज होने वाली है. फिल्म की रिलीज से कुछ दिन पहले ही राहुल के निधन से हर कोई दुखी है, उनके पिता ऑटो रिक्शा चलाते हैं. राहुल अपने तीन भाई बहनों में सबसे बड़े थे.

फिल्म में सपोर्टिंग चाइल्ड आर्टिस्ट थे राहुल

रामू कोली ने दुख जताते हुए कहा, "वह बहुत खुश था और अक्सर मुझसे कहता था कि 14 अक्टूबर के बाद हमारी जिंदगी बदल जाएगी. लेकिन वह उससे पहले हमें छोड़ गया." बता दें कि 14 अक्टूबर यानी इस शुक्रवार यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होने वाली है. इसी दिन राहुल की 13वीं होगी. गुजराती में इसे 'टर्मू' कहा जाता है. इसमें निधन के बाद की रस्में निभाई जाती हैं'. राहुल कोली ने फिल्म में मनु का किरदार निभाया था, जोकि एक रेलवे सिग्नलमैन के बेटे और लीड रोल निभाने वाले समय के करीबी दोस्त बने थे. फिल्म में 6 चाइल्ड आर्टिस्ट हैं. फिल्म निर्माता नलिन ने कहा कि राहुल की मौत ने फिल्म से जुड़े सभी लोगों को दुखी कर दिया है. उन्होने कहा, "हम परिवार के साथ रहे हैं ... उसे बचाया नहीं जा सका."

7 हजार साल पुराने इतिहास की तलाश में निकले अक्षय कुमार

अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म राम सेतु का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म का ट्रेलर एक्शन, थ्रिलर और रोमांच से भरपूर है। इस फिल्म में उनके साथ जैकलीन फर्नांडिस और नुसरत भरुचा भी नजर आएंगी। ये फिल्म एक आर्कियोलॉजिस्ट के बारे में है जिसे यह जांचने की जिम्मेदारी दी गई है कि राम सेतु सच है या सिर्फ एक कल्पना। रामायण की कहानी के मुताबिक रामसेतु का निर्माण प्रभु श्रीराम की सेना ने भारत से श्रीलंका के बीच किया था और ये फिल्म उसी राम सेतु पुल को बचाने के मिशन के बारे में है। ट्रेलर की शुरुआत एक मिशन से होती है, मिशन है राम सेतु के 7 हजार साल पुराने इतिहास को बाहर लेकर आना और जिसके तलाश में अक्षय कुमार अपनी पूरी टीम के साथ निकलते हैं।

दूसरी ओर सारा अली खान का वर्कआउट वीडियो हो रहा है वायरल, वीडियो देख फैंस हुए इम्प्रेस

सारा अली खान को फिटनेस का काफी शौक है। हाल ही में एक्ट्रेस का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वो अपनी ट्रेनर नम्रता के साथ पिलाटेस करती हुई दिखाई दे रही हैं। इस वीडियो को फिटनेस ट्रेनर नम्रता पुरोहित ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। वीडियो में दोनों इंटेंस वर्कआउट करती हुई दिख रही हैं। इस दौरान सारा पिंक शॉर्ट्स और व्हाइट टॉप में नजर आईं। सोशल मीडिया पर फैंस उनके इस वीडियो को काफी पसंद कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो सारा जल्द ही विक्की कौशल के साथ लुका छिपी 2 में स्क्रीन शेयर करती दिखेंगी। एक्ट्रेस को आखिरी बार फिल्म अतरंगी रे में देखा गया था।

कुछ बातें तीर की तरह छूटती हैं और सामने वाले को घाव दे जाती हैं, जिससे रिश्तों में उलझाव पैदा हो सकता है

'मां ठीक कहती हैं, तुमसे शादी नहीं करनी थी'

ये शब्द कई वर्षों तक याद रहकर मन में टीस उठाते रहते हैं। शादी को भले ही कितने भी साल हो गए हों, लेकिन अपने जीवनसाथी से ये शब्द कभी भी मत कहिए। इससे न सिर्फ़ पति-पत्नी के बीच कड़वाहट वाली दूरियां बढ़ेंगी, बल्कि जिस किसी भी परिजन के नाम से यह कहा गया होगा, उनसे भी अलगाव होने लगेगा।अगर आप किसी बात से नाराज़ हैं, आहत हैं, तो जीवनसाथी से खुलकर बात करें। अगर ठीक उसी समय बात करने से मामला बिगड़ने का डर हो, तो बजाय ऐसे घातक शब्द बोलने के, कुछ घंटों या दिनों बाद बात कर लें।

'मुझे भी तुम पसंद नहीं हो'

बच्चे ने अगर कहा कि मां/पापा आप मुझे पसंद नहीं हो, तो कभी पलटकर यह नहीं कहें कि तुम भी मुझे नापसंद हो। बच्चा किसी भी उम्र का हो सकता है और ऐसी नादानी कर सकता है, लेकिन माता-पिता से समझदारी की उम्मीद ही की जानी चाहिए। आप यह कभी भी नहीं कह सकते कि तुम मुझे पसंद नहीं हो। बच्चे तभी नाराज़ होते हैं, जब उन्हें लगता है कि उनकी मर्ज़ी को, उनकी भावनाओं को अभिभावक समझ नहीं रहे हैं, फिर भले वो ज़िद के रूप में ही क्यों न व्यक्त हो रही हो। लेकिन इसका जवाब उन्हीं के शब्दों में देना बच्चे के कोमल मन पर घाव पहुंचा सकता है।

आप कहें, 'ज़रा ध्यान से सुनो तो तुम क्या कह रहे हो। तुम्हें हम पसंद नहीं हैं।' ऐसा कहने से बच्चा या तो चुप होकर अपनी ग़लती के बारे में सोचेगा या हो सकता है कि पलटकर जवाब दे। हर सूरत में आपको ज़्यादा कुछ नहीं कहना चाहिए। इसका इलाज शांतिपूर्ण चुप्पी ही है।

'तुम्हारे पति/पत्नी को ज़रा अक़्ल नहीं है'

शादीशुदा भाई-बहनों में कई बार अपने जीवनसाथियों को लेकर गरमा-गरमी हो जाती है। हो सकता है कि आपको भाभी या जीजाजी की कोई बात या सोच पसंद न आई हो, लेकिन इसके लिए अपने भाई-बहन का दिल दुखाना बिलकुल भी ज़रूरी नहीं है। ऐसे किसी भी जुमले को सुनने के बाद, हो सकता है कि भाई-बहन आपसे अपने जीवनसाथी की बातें छुपाने लगें और इस तरह से कभी वे परेशान भी होंगे, तो आपको पता नहीं चल पाएगा।

केवल अपनी बात कह दें। जो भी शिकायत हो, उसे सटीक शब्दों में बता दें लेकिन किसी तरह का निर्णायत्मक वाक्य कहने से बचें। हो सकता है कि अपने जीवनसाथी के रवैए या आदत से ख़ुद भाई-बहन परेशान हों। आपको उनका संबल बनना हो, तो साथ खड़े रहें। नकारात्मक बात कहकर उन्हें दूर न धकेलें।

...चुप्पी

जब कोई बुरे दौर से गुज़र रहा हो, ख़तरनाक रोग की गिरफ़्त में हो, किसी हादसे का शिकार हो गया हो, तो उससे मिलने जाने पर, सामने बिलकुल चुप्पी साध लेना ठीक नहीं है। यह ख़ामोशी उसे रोग या उसके दुख से ज़्यादा कष्ट देगी क्योंकि उसकी उम्मीद केवल आपकी मौजूदगी से नहीं जुड़ी है। उसे आपसे संबल की आशा है। अच्छे शक्तिशाली ऐसे शब्दों की आशा है, जो उसे हालात से लड़ने की हिम्मत दे सकें। या ऐसा कुछ कहने की जिससे उसे लगे कि दुख में आप उसके साथ हैं। ऐसे किसी भी हालात के उत्पन्न होने पर किसी से फोन पर बात करके दुख जताने या संदेश भेजने की भूल न करें। यह चुप्पी जितना ही नुक़सानदेह हो सकता है।

बेहतर होगा...

अपने बीमार प्रियजन या मित्र से मिलने पर उससे पहले संवेदना-भरे शब्द कहें, जिनमें भरपूर ईमानदार भाव हो और फिर उसकी बात सुनें। जब माहौल कुछ हल्का हो जाए, तो मदद करने की पहल व हिम्मत बंधाने वाली बातें कहें।

भोजन पकाने की इन छोटी-छोटी गलतियों से बिगड़ सकता है स्वाद

भोजन का स्वाद मन-मुताबिक़ नहीं आता या अंदाज़ा सही नहीं बैठता? ऐसे में यहां दिए टिप्स इस मुश्किल को दूर कर खाने का स्वाद बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। भोजन पकाने के दौरान हुईं छोटी-छोटी त्रुटियां उसका स्वाद बिगाड़ देती हैं। हां, अगर थोड़ी जानकारी मिल जाए तो सामान्य भोजन की रंगत और स्वाद दोनों को बढ़ाया जा सकता है। हम यहां कुछ सुझाव आपसे साझा कर रहे हैं, ताकि आप ये ग़लतियां न करें।

* अरबी के पत्ते व सूरन की सब्ज़ी बनाते समय छोटी-सी ग़लती गले में जलन या सरसराहट पैदा कर सकती है। अरबी के पत्ते व सूरन की सब्ज़ी को अच्छी तरह से पकाएं। पकाते समय दही, नींबू व अजवाइन का उपयोग अवश्य करें। इससे स्वाद में इजाफ़ा होता है और गले में तकलीफ़ नहीं होती।

* जल्दबाज़ी में तेज़ आंच पर मसाला भूनने पर प्याज़ व लहसुन पकने के बजाय जल जाता है और सब्ज़ी का स्वाद ख़राब कर देता है। धीमी या मध्यम आंच पर मसाले भूनें। इससे ये अच्छी तरह पक जाएंगे और सब्ज़ी का रंग व स्वाद भी अच्छा आएगा।

* ब्राउन राइस को ढक्कन लगाकर नहीं पकाना चाहिए। इन्हें खुला ही पकाएं। एक कप चावल में 4 से 5 गुना पानी डालकर पकाएं और बाद में पानी को निथार दें फिर सेवन करें।

* खिले-खिले चावल बनाने के लिए चावलों को धोकर 15 मिनट के लिए पानी में भिगोकर रखें। इसके बाद पर्याप्त मात्रा में पानी डालकर एक चुटकी नमक और कुछ बूंदें नींबू के रस की डालें और पका लें। सामान्यतः एक कप चावल के लिए दो कप पानी पर्याप्त होता है, किंतु चावल की वैरायटी के अनुसार भी पानी का अनुपात निर्भर करता है।

* कद्दू की सब्ज़ी कई बार अच्छी नहीं लगती। ऐसे में थोड़ा-सा गुड़ और अमचूर का उपयोग करें। सब्ज़ी स्वादिष्ट बनेगी।

*पालक की सब्ज़ी बनाते समय पालक गीली हो जाती है। इससे बचने के लिए पालक को धोकर सूखे कपड़े पर फैला दें, ताकि पानी सूख जाए। पालक में ख़ुद का पानी ही बहुत ज़्यादा होता है।

* ऑलिव ऑयल को गर्म नहीं करना चाहिए, क्योंकि कई तेल स्मोकिंग पॉइंट पर आने के बाद अपनी स्वास्थ्यवर्धक ख़ूबियां खो देते हैं। इनको ड्रेसिंग के तौर पर या ऊपर से डालकर कच्चा ही खाया जाना चाहिए।

* किसी भी व्यंजन, सलाद या फलों पर अधिक मात्रा में सीज़निंग या ड्रेसिंग न करें। ये वास्तविक स्वाद को ख़राब कर सकती है।

* पास्ता ठंडे पानी में डालकर उबालने न रखें। जब पानी उबल जाए तभी पास्ता डालें अन्यथा उसका टेक्सचर ख़राब हो जाएगा।

* शहद का उपयोग करें तो ध्यान रखें कि शहद को गर्म नहीं किया जाता। शहद उपयोग करने के लिए व्यंजन को पूरा तैयार करने के बाद गैस पर से उतार लें और हल्का-सा ठंडा होने के बाद ही शहद डालें। इस प्रकार शहद का उपयोग करने से उसके पोषक तत्व बने रहेंगे।

* पानी की अधिकता के कारण पास्ता चिपक जाता है या पानी की कमी होने पर कच्चा रह जाता है। इसलिए अधिक मात्रा में छोटे बर्तन में पास्ता उबलने न रखें। पानी पास्ता के थोड़ा ऊपर रहे इस बात का ख़्याल रखें।

* गराडू को तलने से पहले छीलकर मनपसंद आकार के टुकड़ों में काट लें। 5-10 मिनट के लिए पानी में उबाल लें। फिर निकालकर पानी सुखाकर मोटे तले की कड़ाही में तलें।

* पास्ता को लेकर कई सारी भ्रांतियां हैं जैसे पानी में ही थोड़ा-सा तेल डाल दें ताकि वे आपस में चिपकें नहीं। पास्ता में तेल डालने से सॉस उसमें अच्छी तरह से चिपकता नहीं है और न ही पास्ता उसे सोख पाता है। इसलिए उबालते समय पास्ता को चॉपस्टिक से दो-तीन बार चलाने से ही वे अच्छी तरह पक जाएंगे और चिपकेंगे नहीं।

*भिंडी जब पक जाए उसके बाद ही उसमें नमक डालें। यदि नमक पहले डाल देते हैं तो भिंडी चिपचिपी हो जाती है।

धन्यवाद करने से मजबूत बनेंगे रिश्ते

धन्यवाद, शुक्रिया या थैंक यू ऐसे जादुई शब्द है, जो आपके दिल की भावनाओं को दूसरे तक पहुंचाते हैं और उसे प्रसन्नता से भर देते हैं। इस एक शब्द से लोगों के मन एक-दूसरे से जुड़ जाते हैं, रिश्ते मज़बूत होते हैं। लेकिन आजकल के व्यस्त जीवन में कई बार हम चाहते हुए भी लोगों को समय पर थैंक यू नहीं कह पाते हैं। फिर यह बात टलती चली जाती है और हम सोचते हैं कि अब इतनी देर से शुक्रिया क्या कहें? और बस, यहीं हम ग़लत हैं! भले ही देर से कहा गया हो, लेकिन आभार व्यक्त ज़रूर किया जाना चाहिए, क्योंकि आपका कहा 'धन्यवाद' हमेशा रिश्तों को अटूट बंधन में बांध देगा।

धन्यवाद कहने का सबसे ज़रूरी नियम

यूं तो हम कई अवसरों पर लोगों को थैंक यू या धन्यवाद कहते हैं, जैसे-जन्मदिन, शादी, बच्चे के जन्म या गृह प्रवेश के अवसर पर जब हमारे अपने हमें कोई उपहार और बधाई देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि थैंक यू कहने या थैंक यू नोट भेजने का नियम क्या है? आपकी ये शुक्रगुज़ारियां दिल से निकलें तभी दूसरों के दिल तक पहुंचती हैं और धन्यवाद देते समय उसमें स्नेह की ऊष्मा होना बहुत ज़रूरी है।

कहीं देर तो नहीं हो गई?

यदि कुछ दिन बीत जाने के बाद यह सोचकर सामने वाले को थैंक यू नहीं बोलते हैं कि अब तो देर हो गई है तो ऐसा बिल्कुल न करें। यदि आप फ़ोन न भी कर सकें तो ईमेल या मैसेज के ज़रिए व्यक्तिगत संदेश भेजकर शुक्रिया अदा किया जा सकता है। शिष्टाचार के मुताबिक़ शादी या गोद भराई के लिए दी गई बधाइयों या उपहार के लिए आपको तुरंत ही थैंक यू नोट भेजना चाहिए। शादी के लिए मिले उपहारों के लिए आप तीन महीने के भीतर, तोहफे देने वालों को निजी तौर पर धन्यवाद कह सकते हैं। यदि आपके बच्चे के जन्म के बाद आपको तोहफ़े दिए गए हैं तो उसके लिए धन्यवाद कहने में आप लंबा समय ले सकते हैं, क्योंकि यह बात सभी समझते हैं कि आप नवजात के साथ अपनी दिनचर्या में व्यस्त होंगे। फिर भी तीन महीनों के भीतर एक-एक कर सभी को धन्यवाद कह दें। वहीं यदि आपके घर में कोई अनहोनी हुई है और लोग उसके लिए मदद करने या शोक जताने आए हैं तो उन्हें आप स्थितियों के सामान्य हो जाने के बाद धन्यवाद ज्ञापित कर सकते हैं।

टेम्प्लेट एक हो, पर संदेश अलग

यदि आप ईमेल या मैसेज के ज़रिए उन सभी लोगों को थैंक यू नोट भेजना चाहते हैं, जिन्हें आपने किसी अवसर पर आमंत्रित किया था तो उसका टेम्प्लेट एक रखा जा सकता है। लेकिन इसके भीतर मौजूद संदेश यदि उनके नाम के साथ हो और उस पर उनके प्रति आपकी भावनाओं की छाप मौजूद हो, तो आपका संदेश हर एक के लिए व्यक्तिगत संदेश की तरह हो जाएगा।

रात को सोने से पहले रोज करें ये काम ड्राई स्किन से मिल जाएगा छुटकारा

ज्यादातर लोग ड्राई स्किन की समस्या से परेशान रहते हैं. इस समस्या को दूर करने के लिए वे न जानें किन-किन क्रीम या तेल का इस्तेमाल अपनी त्वचा पर करते हैं. लेकिन इन लोगों को बता दें कि ड्राई स्किन की समस्या को दूर करने के लिए रात को सोने से पहले यदि त्वचा की केयर की जाए तो इससे समस्या दूर हो सकती है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि रात को सोने से पहले अपनी त्वचा पर क्या लगाया जाए, जिससे ड्राई स्किन की समस्या दूर हो सकती है.

रात को सोने से पहले करें ये काम

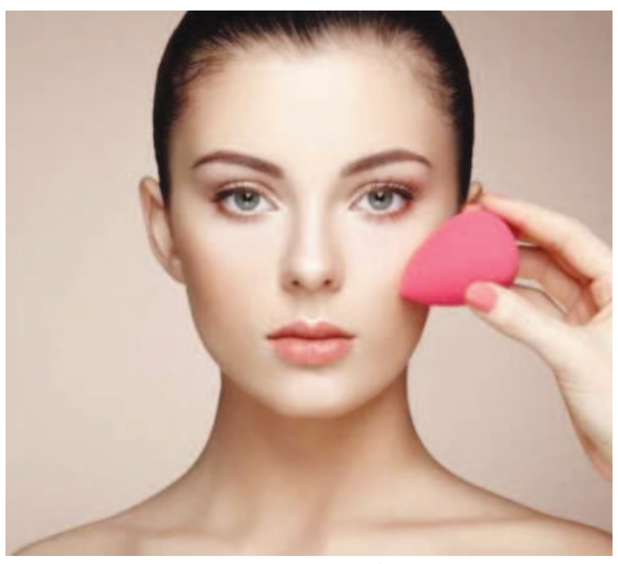

अक्सर लोगों को ड्राइ स्किन की समस्या मेकअप के कारण होती है. ऐसे में सबसे पहले रात को अपना मेकअप उतारें. इसके लिए आप मेकअप रिमूवर या गुलाब जल का इस्तेमाल कर सकते हैं.

अब मेकअप हटाने के बाद आप क्लींजर का इस्तेमाल करें, जिससे कि चेहरे पर जमा गंदगी दूर हो सके.

अब आप अपनी त्वचा पर टोनर इस्तेमाल करें. टोनर के इस्तेमाल से त्वचा का पीएच लेवल बैलेंस रह सकता है.

अब आप अपनी त्वचा को हाइड्रेट रखने के लिए सीरम का इस्तेमाल करें. इससे स्किन से संबंधित प्रॉब्लम दूर हो सकती हैं.

मॉइश्चराइजर के इस्तेमाल से जरूरी न्यूट्रिशंस मिल जाते हैं. साथ ही यह त्वचा पर नेचुरल ऑयल बनाने में उपयोगी है.

भेड़ के ऊन से बनती हैं विटामिन-D की गोलियां
बचपन में 15 मिनट की धूप नहीं ली तो सप्लीमेंट्स बेअसर, हड्डियां करेंगी परेशान

20वीं सदी से पहले इंसान के विकास के लिए डाइट और उससे मिलने वाले महत्वपूर्ण पोषक तत्वों को समझना और उसके बारे में बताना जटिल था। 1913 में ब्रिटिश वैज्ञानिक डेविस और मैक्कलम ने विटामिन ए की खोज की।

इन दोनों वैज्ञानिकों ने बताया कि जो भी हम खाते हैं उसमें कुछ न्यूट्रिशनल वैल्यू होते हैं और इसी से हमारे शरीर को एनर्जी मिलती है। साथ ही ये भी बताया कि किस तरह विटामिन ए हमारी फिजिकल ग्रोथ और लाइफ के लिए जरूरी है।मजेदार बात ये हुई कि विटामिन ए खोजते-खोजते विटामिन डी की भी खोज हो गई। पहली बार ये जानकारी दुनिया के सामने आई कि सुबह की मिलने वाली धूप से हमारे शरीर को विटामिन डी मिलता है।

पहले विश्वयुद्ध के बाद 1919 में ब्रिटेन में 'इंग्लिश डिजीज' फैल रही थी। दरअसल, विटामिन डी और कैल्शियम की कमी की वजह से बच्चों की हड्डियां कमजोर हो रही थीं और उनकी चाल-ढाल टेढ़ी हो रही थी। इसे ही 'रिकेट्स' नाम दिया गया। उस वक्त बच्चों में रिकेट्स के मामलों को देखकर एक बायोकेमिस्ट सर एडवर्ड मेलनबी बेहद चिंतित थे और वह इस प्रॉब्लम का हल निकालने में जुट गए। इस दौरान उन्होंने विटामिन ए की खोज पर भी रिसर्च की। उन्होंने अंदाजा लगाया कि रिकेट्स भी न्यूट्रीशंस की कमी वाली बीमारी हो सकती है।

सर एडवर्ड ने अपने प्रयोग के दौरान सबसे पहले कुत्तों को दलिया खिलाया और उन्हें धूप से दूर घर में बंद रखा। उन कुत्तों में रिकेट्स की वही बीमारी डेवलप हुई, जैसी इंसानों में हो रही थी। उन्होंने कुत्तों को कॉड लिवर आयॅल पिलाया। कॉड लिवर ऑयल में विटामिन ए की बड़ी मात्रा होती है। कुछ दिनों बाद ही वे कुत्ते ठीक हो गए। सर एडवर्ड ने पाया कि विटामिन ए से रिकेट्स ठीक किया जा सकता है।

हर तीसरे इंसान में विटामिन डी की कमी

फोर्ब्स हेल्थ की रिपोर्ट के अनुसार विटामिन डी की कमी होने पर हमारे शरीर की इम्यूनिटी कमजोर पड़ने लगती हैं और हम बहुत जल्दी थक जाते हैं। इसके कारण जोड़ों में दर्द, शरीर में दर्द जैसी परेशानियां होती हैं।

विटामिन डी की कमी आमतौर पर दुनिया के हर तीसरे इंसान में देखी जा सकती है। बच्चे हों या जवान दोनों में यह परेशानी होती है। नेशनल सेंटर ऑफ बायोटेक्नॉलॉजी इन्फॉर्मेशन के सर्वे के अनुसार भारत में 57% पुरुष, 55% महिलाएं और 93% बच्चे विटामिन डी की डिफिशिएंसी से जूझ रहे हैं।

इस दिवाली घर पर बनाएं ट्रेंडी और खूबसूरत रंगोली

दिवाली के मौके पर हर तरफ रौनक और लाइटों को जगमग नजर आती है और इस बार दिवाली के लिए बाजार लगभग सज गए हैं. दिवाली में अब कुछ ही दिन बाकी हैं और लोगों ने जोर-शोर से दिवाली की सजावट के लिए तैयारी शुरू कर दी है. इस साल 24 अक्टूबर को दिपावली का त्योहार मनाया जाएगा और इस दिन रंगोली बनाने की भी परंपरा है. कहते हैं कि मां लक्ष्मी को रंगोली बेहद ही प्रिय है और दिवाली के दिन रंगोली बनाकर मां लक्ष्मी का स्वागत किया जाता है.

बनाएं आसान रंगोली

दिवाली के मौके पर आप कम समय में आसान रंगोली बना सकते हैं. रंगोली का यह डिजाइन दिखने में तो खूबसूरत है ही, बल्कि बनाने में भी काफी आसान है.

स्वास्तिक चिह्न रंगोली

आप चाहें तो घर के बाहर या फिर अंदर स्वास्तिक चिह्न वाली रंगोली भी बना सकते हैं. अच्छी बात यह है कि इस रंगोली को रंग और फूलों दोनों का उपयोग कर बनाया जाता है.

फूलों की रंगोली

दिवाली पर लोग रंग और फूल दोनों से रंगोली बनाई जाती है. फूलों की रंगोली दिखने में काफी ट्रेंडी और आकर्षक लगती है. खास बात है कि इससे पूरा घर खूशबू से महक जाता है.

वास्तु के हिसाब से रंगोली

मान्यता है कि वास्तु के हिसाब से भी रंगोली बनाना काफी लाभदायक होता है. रंगोली बनाते समय घर के द्वार की दिशा का भी ध्यान रखना चाहिए. रंगोली में केमिकल रंगोली की जगह आटा, चावल, हल्दी, कुमकुम, फूल-पत्तियों के प्राकृतिक रंगों से बनानी चाहिए.

यूनिक डिजाइन वाली रंगोली

आप चाहें तो इस बार रंगोली पर यूनिक डिजाइन वाली रंगोली बना सकते हैं. जिसे देखकर हर कोई आपकी तारीफ करेगा.

क्रिएटिव रंगोली डिजाइन

मेहंदी की तरह ही रंगोली में भी क्रिएटिविटी की जा सकती है जिसे देखकर हर कोई हैरान रह जाएगा.

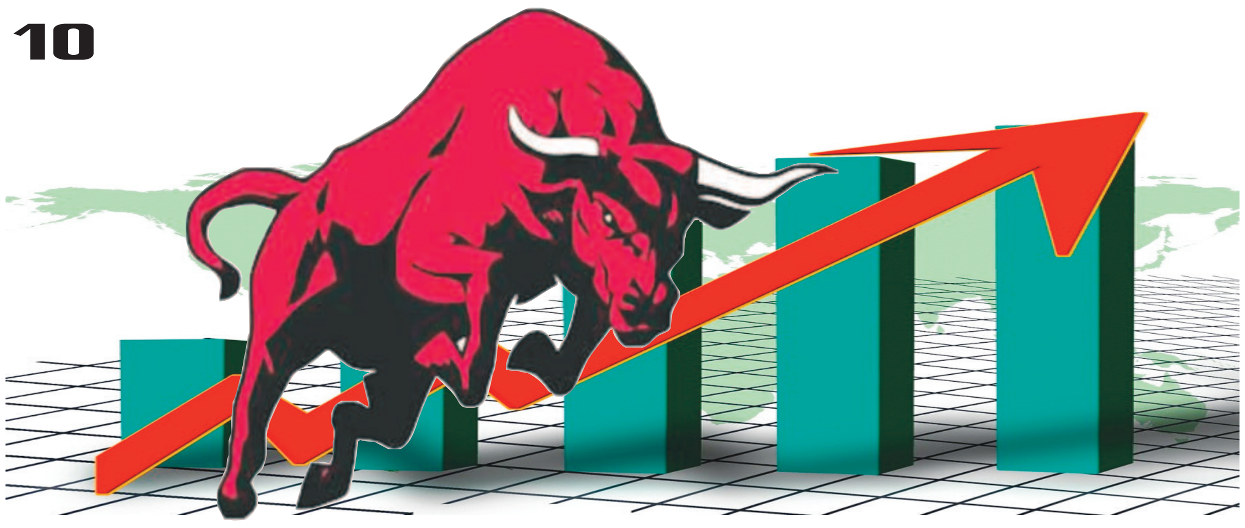

सेबी चीफ ने निवेशकों को दी जरूरी सलाह, बोलीं- ना माने तो डूबेगा पैसा

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड की प्रमुख माधबी पुरी बुच ने निवेशकों को बाजार में सावधानी से निवेश करने की सलाह दी है। उन्होंने निवेशकों को सावधान रहने के साथ निवेश करने से पहले सतर्कता बरतने की सलाह दी है। सेबी चीफ ने कहा है कि बाजार की अटकलों के आधार पर निवेश करने का फैसला ना करें। सिर्फ सेबी के पास पंजीकृत इंटरमीडिएडट्स के माध्यम से कारोबार करें। सेबी चीफ ने सोमवार को कहा कि निवेशकों को अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुरूप करनी चाहिए और उसी अनुसार फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स का चयन करना चाहिए। बुच ने वर्ड इन्वेस्टर वीक के मौके पर एक संदेश में कहा कि कुछ मूलभूत फंडामेंटल्स जैसे नियमित बचत और एक डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो में निवेश के पहले हमेशा ध्यान में रखना चाहिए। बता दें कि वर्ल्ड इन्वेस्टर वीक का आयोजन इंटरनेशनल सिक्योरिटीज कमीशन ऑर्गेनाइजेशन की ओर से 10 से 16 अक्तूबर के बीच किया जा रहा है।

शेयर बाजार पर मंदी की मार, सेंसेक्स 844 अंक टूटा, निफ्टी 17000 के नीचे पहुंचा

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईटी और मेटल सेक्टर में कमजोरी के कारण घरेलू शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन लाल निशान पर बंद हुए।

मंगलवार को अंतिम एक घंटे की बिकवाली में सेंसेक्स 844 अंक गिरकर 57147 अंकों पर तो निफ्टी 257 अंक टूटकर 16983 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। मंगलवार को जेएसडब्ल्यू के शेयरों में छह प्रतिशत तो जोमैटो के शेयरो में पांच प्रतिशत की गिरावट दिखी। मंगलवार को सेंसेक्स के 30 शेयरों में 28 शेयर लाल निशान पर कारोबार करते दिखे।

बाजार में निवेशकों को 4.3 लाख करोड़ का नुकसान

घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को अंतिम एक घंटे में मेटल, आईटी और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव दिखा। बाजार में सबसे ज्यादा कमजोरी रियल्अी इंडेक्स में आई और यह 3.07 प्रतिशत तक टूट गया। इसके अलावा, निफ्टी आईटी इंडेक्स में 1.99%, निफ्टी मेटल में 2.20%, निफ्टी फार्मा में 1.55%, निफ्टी ऑटो 1.62% और निफ्टी बैंक में 0.97% की गिरावट नजर आई।बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण घटकर 270 लाख करोड़ रुपये रह जाने से दलाल स्ट्रीट के निवेशकों को 4.3 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया है।

ग्लोबल मार्केट में भी दिखी गिरावट

इससे पहले अमेरिकी बाजारों में सोमवार को कमजोरी के बाद मंगलवार को भारतीय बाजार भी लाल निशान पर खुले थे। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 166.40 अंकों की गिरावट के साथ 57,802.14 अंकों पर कारोबार करता दिखा। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 55.35 अंकों की गिरावट के बाद 17,185.65 अंकों पर कारोबार कर रहा था। अमेरिका में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका और चिप स्टॉक्स में गिरावट के कारण सोमवार को नैस्डैक जुलाई 2020 के बाद सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। डाओ जोंस 94 अंक टूटकर 29203 तो नैस्डैक 110 अंक टूटकर 10542 के स्तर पर बंद हुआ। एस एंड पी 500 में 0.75 फीसदी की गिरावट दिखी। अमेरिकी बाजारों में कमजोरी से मंगलवार को एसजीएक्स निफ्टी में भी कमजोरी दिखी थी।

करवाचौथ पर दें गोल्ड का उपहार

क्योंकि 5483 रुपये सस्ता मिल रहा है सोना, चांदी के भी गिरे भाव

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। करवाचौथ के उपहार के रूप में अगर आप अपनी पत्नी को सोने के जेवर देना चाहते हैं तो आपके लिए खुशखबरी है। आज लगातार दूसरे दिन सोने-चांदी के रेट में भारी गिरावट दर्ज की जा रही है। चांदी आज 1068 रुपये प्रति किलो सस्ती हुई है तो सोना 349 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता होकर 50771 रुपये पर आ गया है। आईबीजेए द्वारा जारी रेट के मुताबिक आज 24 कैरेट सोने का भाव 50771 रुपये पर खुला, जबकि सोमवार को यह 51317 रुपये के रेट से खुला था। वहीं, चांदी 1068 रुपये प्रति किलो

सस्ती होकर 57881 रुपये पर आ गई है। अब शुद्ध सोना अपने ऑल टाइम हाई रेट से 56254 रुपये प्रति 10 ग्राम से 5483 रुपये ही सस्ता है। जबकि, चांदी अपने दो साल पहले के उच्च रेट 76008 रुपये प्रति किलो से 18127 रुपये सस्ती है। जीएसटी समेत 24 कैरेट सोने का भाव 52294 रुपये पर पहुंच जा रहा है। वहीं, 23 कैरेट गोल्ड की कीमत अब जीएसटी के साथ 52085 रुपये पर पहुंच गई है। आज यह 50568 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुली। वहीं, 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 46506 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है। अब 3 प्रतिशत जीएसटी के साथ सोने की कीमत 47901रुपये पर पहुंच गई है। 18 कैरेट गोल्ड का रेट 38078 रुपये पर है और जीएसटी के साथ इसकी कीमत अब 39220 रुपये हो गई है। यहां 14 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 29701 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है। इसमें जीएसटी जोड़ लें तो इस सोने का भाव 30592 रुपये पर पहुंच गया है। बता दें इसमें ज्वेलरी मेकिंग चार्ज और ज्वैलर का मुनाफा नहीं जुड़ा है।

सोशल मीडिया पर फर्जी प्रॉफिट वाले स्क्रीनशॉट से बचें

वरना होगा तगड़ा नुकसान : ज़ेरोधा के नितिन कामत

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। ट्रेडिंग ऐप जेरोधा के संस्थापक नितिन कामत ने कहा है कि लोगों को ऐसे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स से प्रभावित नहीं होना चाहिए जो अपने मार्केट-टू-मार्केट (एम2एम) प्रॉफिट दिखाकर युवाओं को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। कामत ने कहा कि लालच से पार पाना बहुत मुश्किल काम है। दरअसल, हाल के दिनों में ट्रेडिंग या बाजार में निवेश करने वाले कई लोग अपने डीमैट अकाउंट का प्रॉफिट सोशल मीडिया पर डाल रहे हैं और उस पर लाइक्स व कमेंट्स बटोर रहे हैं। कामत ने एक ट्वीट में इन्हीं इन्फ्लुएंसर्स को लेकर यह बात कही। उन्होंने एक ट्वीट का रिप्लाई करते हुए कहा, "अगर कोई इतना भोला है कि इन झूठे दावों पर भरोसा कर ले तो फिर उन्हें एक नहीं तो दूसरे तरीके से नुकसान झेलना ही पड़ेगा। इसका एक ही समाधान है कि जागरूकता फैलाई जाए।" मुंबई के एक ट्रेडर दर्शन मेहता ने सोशल मीडिया पर उनसे यह सवाल किया था कि

क्या जेरोधा फर्जी एम2एम स्क्रीनशॉट्स को शेयर किए जाने से रोकने के लिए कुछ कर सकती है क्योंकि इनमें अधिकांश जेरोधा ऐप के ही होते हैं। जैसा कि हमने आपको ऊपर बताया कि ये सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स हैं जो इन्हीं प्रॉफिट्स को दिखाकर अपने अकाउंट पर अधिक से अधिक फुटफॉल लाते हैं। हालांकि, इस फर्जीवाड़े की जरूरत इन्हें केवल इसी काम के लिए नहीं होती। ये इन स्क्रीनशॉट्स से लोगों को प्रभावित करते हैं ताकि वे इनके ट्रेनिंग या मेंटोरशिप प्रोग्राम में प्रवेश करें। कामत ने कहा है कि ट्रेडिंग के जरिए पैसा कमाना आसान नहीं है और किसी और की ट्रिक फॉलो करके कमाई करना तो लगभग नामुमकिन है। ऑप्शंस ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म सेंसिबुल के सीईओ व सह-संस्थापक आबिद हसन ने कहा है कि उनकी टीम इस समस्या पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इस पर काम चल रहा है और जल्द ही इसे लॉन्च कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस प्लेटफॉर्म पर जेरोधा, अपस्टॉक्स, एंजेल, आईसीआईसीआई डायरेक्ट, 5पैसा और आईआईएफएल को शामिल किया जाएगा।

पिछले कुछ सालों में बाजार में नए ट्रेडर्स की बाढ़ आ गई है। कोविड-19 फैलने के बाद जब लोगों को घर पर खाली समय मिला और तो उन्होंने इसका इस्तेमाल शेयर मार्केट में पैसा लगाने के लिए किया। भारत में कुल 10 करोड़ डीमैट अकाउंट खुल चुके हैं जिनमें से 20 लाख तो पिछले महीने सितंबर में खुले।

भारत यूएई से रियायती दर पर खरीदेगा 200 टन सोना

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत संयुक्त अरब अमीरात से रियायती मूल्य पर 200 टन सोना खरीदेगा। अन्य ब्रिक्स देशों के साथ भारत और चीन अमेरिकी डॉलर को डंप करते हुए महीनों से पहले की तरह सोना खरीद रहे हैं। सरकार के इस फैसले को डी-डॉलराइजेशन की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को अपनी गुजरात यात्रा के दौरान कहा कि मध्य पूर्व राष्ट्र के साथ हाल ही में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से सोना आयात करने के लिए गिफ्ट सिटी को एक एजेंसी के रूप में नामित किया जाएगा।

विदेशी कंपनियों को दूध-मांस भारत में भेजने के लिए कराना होगा रजिस्ट्रेशन

फूड सेफ्टी के लिए उठाया गया कदम

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने कहा है कि भारत में खाद्य उत्पादों का निर्यात करने की मंशा रखने वाली विदेशी कंपनियों को उसके साथ रजिस्टर करना होगा। जिन प्रोडक्ट्स के लिए कंपनी को रजिस्टर करने के लिए कहा गया है उनमें दूध, बच्चों का भोजन, मांस, मछली व अंडे का पाउडर शामिल है। प्राधिकरण का नया आदेश 1 फरवरी 2023 से लागू होगा। एफएसएसएआई ने विभिन्न देशों की संबंधित अथॉरिटीज से आग्रह किया है कि वे अपने यहां उन कंपनियों की सूची मुहैया कराएं जो भारत में

खाद्य पदार्थ निर्यात करती हैं या करने की इच्छा रखती हैं। इन देशों से प्राप्त जानकारी के आधार पर एफएसएसएआई इन कंपनियों को अपने पोर्टल पर रजिस्टर करेगा। एफएसएसएआई ने पिछले साल नंवबर में फूड सेफ्टी को लेकर नियम में बदलाव किया था। संस्था ने फूड कंपनियों की जांच का दायरा बढ़ा दिया था। इस फैसले के बाद एफएसएसएआई भारत में ही नहीं विदेशो में स्थिति फूड प्लांट्स की जांच कर सकता है। क्योंकि भारत के एक बड़ा बाजार और दुनियाभर के खाद्य पदार्थ यहां एक्सपोर्ट किए जाते हैं इसलिए खाद्य गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए इसे एक बड़ा कदम माना जा रहा था। एफएसएसएआई ने बयान जारी कर कहा था कि जिन विदेशी कंपनियों को भारत में अपना सामान बेचना है उन्हें अपना प्लांट जांच के लिए खोलना होगा। गौरतलब है कि तब भी ये नियम हाई रिस्क कैटेगरी के खाद्य पदार्थ बनाने वाली कंपनियों के लिए ही था।

क्या है बल्क ड्रग पार्क जो दवा निर्माण में चीन पर निर्भरता खत्म करेगा

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। दवाओं के निर्माण से जुड़े तत्वों के लिए चीन पर भारत की निर्भरता जल्द खत्म होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को गुजरात के भरूच जिले के जंबूसार में देश के पहले बल्क ड्रग पार्क की आधारशिला रखी है। केंद्र की योजना के अनुसार, देशभर में तीन हजार करोड़ की लागत से ऐसे तीन पार्क विकसित किए जाएंगे। नीति आयोग की निगरानी में देश को दवा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में इन पार्क की स्थापना होगी। बल्क ड्रग पार्क में दवा तैयार करने में इस्तेमाल होने वाले अलग-अलग तत्वों का निर्माण देश में ही होगा। इन तत्वों को एक्टिव फॉर्मास्युटिकल्स इनग्रीडिएंट्स (एपीआई) कहते हैं। सरकार इन पार्क की स्थापना से घरेलू दवा बाजार में प्रतिस्पर्धा को बढ़ाना चाहती है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दवा निर्माण और उत्पादन क्षेत्र में भारत को शीर्ष पर ले जाने की योजना है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने हाल ही में बताया था कि दवा बनाने के लिए कुल

53 तरह के एपीआई के लिए भारत की चीन पर निर्भरता थी। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत 35 तरह के एपीआई का निर्माण देश में ही हो रहा है। बल्क ड्रग पार्क योजना के तहत सरकार का लक्ष्य बचे हुए 18 एपीआई के साथ सभी एपीआई का उत्पादन इन्हीं पार्क में करना है। देशभर में बनने जा रहे तीन बल्क ड्रग पार्क रोजगार का नया जरिया बनेंगे। हिमाचल प्रदेश के ऊना में 50 हजार लोगों को नौकरी मिलेगी। इसी तरह आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में बनने वाला ड्रग पार्क 60 हजार से अधिक लोगों को नौकरी देगा। गुजरात में बन रहे देश के पहले ड्रग पार्क में भी 40 हजार से ज्यादा लोगों को नौकरी मिलेगी।

केंद्र सरकार ने दवा निर्माण क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए वर्ष 2022 से 2026 तक के लिए कुल 500 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है। देश में तीन हजार घरेलू दवा कंपनियां और 10,500 दवा उत्पादन इकाइयां हैं। दुनियाभर में निर्यात होने वाली 20 फीसदी जेनेरिक दवाएं और 60 फीसदी टीके अकेले भारत निर्यात करता है।

मध्यम आय वाला देश बना रहेगा श्रीलंका

राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी की गई सफाई

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे रहे देश श्रीलंका के राष्ट्रपति के मीडिया विभाग की ओर से मंगलवार को कहा गया है कि श्रीलंका एक मध्यम आय वाला देश बना रहेगा।

श्रीलंका की ओर से उसी के अनुरूप विश्व बैंक से रियायती ऋण जारी करने का अनुरोध किया गया है। राष्ट्रपति रनिल विक्रमसिंघे के मीडिया विभाग की ओर से एक बयान जारी कर कहा गया है कि श्रीलंका एक मध्यम आय वाला देश बना रहेगा, लेकिन हम विश्व बैंक से अनुरोध करेंगे कि अंतरराष्ट्रीय विकास संघ से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए जरूरी पात्रता हासिल करने में हमारी मदद करे। बता दें कि इसके कुछ घंटे

पहले ही श्रीलंका के मंत्रिमंडल ने अभूतपूर्व आर्थिक संकट को देखते हुए देश के आर्थिक दर्जा को घटाकर कम आय वाला देश करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। विश्व बैंक के अनुसार वर्ष 2021 में श्रीलंका का प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 3,815 डॉलर था। यह आंकड़ा श्रीलंका को मध्यम आय श्रेणी में रखता है। श्रीलंका के केंद्रीय बैंक ने इस वर्ष जीडीपी में 8.7 प्रतिशत गिरावट आने का अनुमान जताया है। राज्य सांख्यिकी कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार इस सात सितंबर महीने में देश की मुद्रास्फीति 69.8 प्रतिशत के रिकॉर्ड स्तर पर है। यह महीने पूर्व यह 64.3 प्रतिशत था।श्रीलंका सरकार के मंत्रिमंडल ने गंभीर आर्थिक परिदृश्य को देखते हुए मंगलवार को विश्व बैंक जैसे वैश्विक पूंजी ऋणदाताओं से अतिरिक्त रियायती धन प्राप्त करने के लिए श्रीलंका को कम आय वाले देश में वर्गीकृत करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़ने से सितंबर में पांच माह के उच्च स्तर पर पहुंच सकती है खुदरा महंगाई

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। असामान्य बारिश और खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि से सितंबर में खुदरा महंगाई बढ़कर 7.30 फीसदी तक पहुंच सकती है। यह इस साल अप्रैल के बाद खुदरा महंगाई का पांच महीने का उच्च स्तर होगा। इसके साथ ही यह लगातार 9वां महीना होगा, जब खुदरा कीमतों पर आधारित महंगाई आरबीआई के ऊपरी दायरे से ज्यादा होगी। अगस्त में यह सात फीसदी रही थी। 47 अर्थशास्त्रियों के सर्वे में दावा किया गया है कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के कारण आपूर्ति संबंधी बाधाओं और असामान्य बारिश की वजह से अनाज एवं सब्जियों जैसे दैनिक उपभोग की वस्तुओं की महंगाई दो साल से लगातार बढ़ रही हैं। कोरोना के

कारण पहले से ही आर्थिक झटकों से जूझ रहे गरीब एवं मध्यम वर्ग के लोग इस वृद्धि से और प्रभावित होंगे क्योंकि वे कमाई का एक बड़ा हिस्सा भोजन पर खर्च करते हैं। सरकार 12 अक्तूबर को खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी कर सकती है। क्रिसिल के अर्थशास्त्री धर्मकीर्ति जोशी ने कहा कि खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी से खुदरा महंगाई के मोर्चे पर दबाव बना हुआ है। चिंता की बात है कि काफी समय से अनाज और दालों की घट रही महंगाई अभूतपूर्व गति से बढ़ेगी।

त्योहारी मांग से खाद्य तेलों के भाव में उबाल

अरहर मसूर और चना दाल भी हुई महंगी

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। त्योहारी मांग के चलते दिल्ली मंडी में लगभग सभी तेल-तिलहनों के भाव में सुधार का रुख रहा। वहीं, इंदौर के खाद्य तेल बाजार में सोमवार को मूंगफली तेल 30 रुपये और सोयाबीन रिफाइंड तेल के भाव में 60 रुपये प्रति 10 किलोग्राम की तेजी शनिवार की तुलना में हुई। जबकि, इंदौर के ही संयोगिता गंज अनाज मंडी में सोमवार को मसूर 50 रुपये और तुअर (अरहर) भाव में 100 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी शनिवार की तुलना में हुई। चना की दाल 100 रुपये, मसूर की दाल 200 रुपये, तुअर की दाल 200 रुपये और मूंग मोगर 100 रुपये प्रति क्विंटल महंगी बिकी। बाजार से जुड़े कारोबारी सूत्रों ने बताया कि ज्यादातर राज्यों में भारी बारिश के चलते फसलों की आवक में देरी होने से बिनौला और सोयाबीन के भाव सुधार दर्शाते बंद हुए। दूसरी ओर गुजरात की स्थानीय मांग के कारण भी बिनौला तेल कीमतों में सुधार दर्ज किया

गया। इसके अलावा त्योहारी मांग के चलते भी खाद्य तेलों की कीमतों में सुधार आया है। सूत्रों ने कहा कि डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने से आयातकों को खाद्य तेलों के आयात पर 10-15 रुपये प्रति किलो ज्यादा भुगतान करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को खाद्य तेलों का वायदा कारोबार नहीं खोलना चाहिए। सरसों तिलहन - 6,925-6,950 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपये प्रति क्विंटल। मूंगफली - 7,220-7,285 रुपये प्रति क्विंटल। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 17,000 रुपये प्रति क्विंटल। मूंगफली रिफाइंड तेल 2,760-3,020 रुपये प्रति टिन। सरसों तेल दादरी- 14,250 रुपये प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी- 2,210-2,340 रुपये प्रति टिन। सरसों कच्ची घानी- 2,280-2,395 रुपये प्रति टिन। तिल तेल मिल डिलिवरी - 18,000-19,500 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 13,700 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 13,250 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 12,150 रुपये प्रति क्विंटल। सीपीओ एक्स-कांडला- 9,000 रुपये प्रति क्विंटल। बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 13,100 रुपये प्रति क्विंटल। पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 10,600 रुपये प्रति क्विंटल। पामोलिन एक्स-कांडला- 9,600 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल। सोयाबीन दाना - 5,100-5,150 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन लूज 4,850-4,900 रुपये प्रति क्विंटल।मक्का खल (सरिस्का) 4,010 रुपये प्रति क्विंटल।

अनिल अंबानी की सख्ती ने बढ़ाई दिल्ली मेट्रो की मुश्किलें, कोर्ट से की ये अपील

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। अनिल अंबानी के रिलायंस इंफ्रा की दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड (डीएएमईपीएल) की वजह से दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दरअसल, डीएमआरसी को डीएएमईपीएल का बकाया भुगतान करना है। अब डीएमआरसी ने बकाया भुगतान के लिए केंद्र और दिल्ली सरकार से रकम मांगी है।

क्या है मामला: दरअसल, अनिल अंबानी की डीएएमईपीएल ने डीएमआरसी से बकाया वसूली के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। डीएएमईपीएल का कहना है कि डीएमआरसी ने उसे सिर्फ 166.44 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। डीएएमईपीएल ने अपनी याचिका में डीएमआरसी के बैंक खातों और सावधि जमा को कुर्क करके 4,427.41 करोड़ रुपये के भुगतान का निर्देश देने की अपील की है। **बढ़ेगी यात्रियों की मुश्किलें:**

अब डीएमआरसी ने दिल्ली हाईकोर्ट में बताया है कि उसने बकाया रकम के भुगतान के लिए केंद्र और राज्य सरकार से पैसे मांगे हैं। इसके साथ ही डीएमआरसी ने कहा कि इस समय उसके खिलाफ कोई प्रतिकूल आदेश पारित किया जाता है, तो मेट्रो से सफर करने वाले लाखों यात्रियों को दिक्कत हो सकती है। डीएमआरसी ने कहा, ''यदि डीएएमईपीएल के किसी भी अनुरोध को इस अदालत द्वारा मंजूर की जाता है, तो इससे इस समय डीएमआरसी का संचालन पूरी तरह से ठप हो जाएगा। यह जनहित के खिलाफ होगा। दिल्ली-एनसीआर में डीएमआरसी द्वारा बनाई गई मेट्रो व्यवस्था पर रोजाना लगभग 48 लाख लोग यात्रा करते हैं।''दिल्ली मेट्रो ने आगे कहा कि वह पहले ही लगभग 2,600 करोड़ रुपये की राशि दे चुका है और अपने शेयरधारकों से धन की उम्मीद कर रही है ताकि मध्यस्थ मामले में शेष राशि के भुगतान को पूरा किया जा सके।

दो हफ्ते का मांगा समय: डीएमआरसी की तरफ से आर वेंकटरमणी ने कहा कि रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के स्वामित्व वाली डीएएमईपीएल को भुगतान करना जरूरी है, लेकिन दिल्ली मेट्रो की चिंताएं भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। इसके साथ ही डीएएमईपीएल को किए जाने वाले भुगतान के संबंध में तौर-तरीकों को अदालत के समक्ष पेश करने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा है।

विदेश मंत्री जयशंकर का पश्चिमी देशों पर निशाना

भारत-रूस रिलेशन पर बोले- हमारे रिश्ते तब से हैं जब पश्चिमी देश भारत को हथियार नहीं देते थे

कैनबरा, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान को हथियार सप्लाई करने को लेकर पश्चिमी देशों पर निशाना साधा।

जयशंकर ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे। उस दौरान उनसे भारत और रूस के संबंधों को लेकर सवाल किया गया। इसके जवाब में उन्होंने कहा- भारत-रूस के संबंध और डिफेंस रिलेशन बहुत पुराने हैं। हमारे रिश्ते तब से हैं, जब पश्चिमी देशों ने भारत की बजाय पाकिस्तान को हथियार देने शुरू किए थे। पश्चिमी देशों ने अपने पसंदीदा साथी के रूप में एक सैन्य तानाशाह (पाकिस्तान) को चुना और दशकों तक भारत को हथियार नहीं दिए।

यूएस-पाक रिश्ते पर सवाल उठा चुके हैं जयशंकर

अमेरिका ने 8 सितंबर को पाकिस्तान को एफ-16 फाइटर जेट के रखरखाव के लिए 45 करोड़ डॉलर, यानी 3,581 करोड़ देने की मंजूरी दी थी। इस पर जयशंकर ने कहा था- अमेरिका और पाकिस्तान के जो रिश्ते हैं, उनसे न ही कभी पाकिस्तान को फायदा हुआ है और न ही अमेरिका को। अब यूएस को इस बात पर चिंतन करना चाहिए की यूएस को पाकिस्तान के साथ संबंध बरकरार रखने से क्या फायदा मिल रहा है।

जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया के डिप्टी पीएम को दी खास चीज

जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्लेस को भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली का साइन किया हुआ बैट गिफ्ट में दिया। इस पर खुशी जाहिर करते हुए मार्लेस ने कहा- बहुत सारी ऐसी चीचें हैं, जो हम लोगों को एक बनाती हैं। जिसमें क्रिकेट भी शामिल हैं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया में क्रिकेट को काफी पसंद किया जाता है। यही वजह है कि एस जयशंकर ने मुलाकात के वक्त मार्लेस को विराट कोहली का साइन किया हुआ बैट दिया।

भारत और ऑस्ट्रेलिया में क्रिकेट को काफी पसंद किया जाता है। यही वजह है कि एस जयशंकर ने मुलाकात के वक्त मार्लेस को विराट कोहली का साइन किया हुआ बैट दिया।

तिरंगे में दिखा ऑस्ट्रेलिया का पुराना पार्लियामेंट हाउस

एस जयशंकर 10 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया पहुंचे थे। उनके स्वागत में ऑस्ट्रेलिया का पुराना पार्लियामेंट हाउस तिरंगे की रोशनी में रंगा दिखा। इस पर उन्होंने कहा- कैनबरा में तिरंगे के साथ स्वागत। ऑस्ट्रेलिया के पुराने संसद भवन को हमारे राष्ट्रीय ध्वज के रंग में देखकर खुशी मिली।

जयशंकर मे अपने ट्विटर हैंडल पर ऑस्ट्रेलिया के पुराने पार्लियामेंट हाउस की ये फोटो शेयर की और लिखा- बहुत-बहुत शुक्रिया। जयशंकर मे अपने ट्विटर हैंडल पर ऑस्ट्रेलिया के पुराने पार्लियामेंट हाउस की ये फोटो शेयर की और लिखा- बहुत-बहुत शुक्रिया।

भारत का रक्षा के क्षेत्र में रूस के साथ पुराना सहयोग

भारत ने 2018 में रूस से पांच एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम खरीदने के लिए 5.4 अरब डॉलर की डील की थी।

भारत और रूस ने अमेठी की कोरवा डिफेंस फैक्ट्री में 5 लाख एके-203 राइफल बनाने की डील भी साइन की। भारतीय सेना को मिलने वाली राइफलों में से 70 हजार राइफलों के पार्ट रूस में निर्मित होंगे।

भारत ने रूस से 10 साल की लीज पर अकुला क्लास की परमाणु पनडुब्बी को लेने की डील की है। इसे भारत में चक्र-3 के नाम से जाना जाता है। रूस इंडियन नेवी को इसे 2025 में सौंपेगा।

मीटू के 5 साल:दफ्तरों में यौनशोषण के मामले घटे, पुरुषों का लहजा संभला

प्यू रिसर्च के मुताबिक, अमेरिका में 50% से ज्यादा मर्दों ने मीटू का समर्थन किया, जबकि 17% महिलाएं विरोध में भी हैं।

वॉशिंगटन, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। जब शोषण के खिलाफ महिलाओं ने आवाज उठाई तो गलत नजर वाले पुरुषों के हौसले पस्त हो गए। काम की जगहों पर उनके शोषण के मामले कम हुए। करतूत उजागर हुई तो उच्च पदों पर बैठे सैकड़ों पुरुषों को हटना पड़ा। अमेरिकी अभिनेता केविन स्पैसी, द पेरिस रिव्यू के संपादक लोरिन स्टेन, सीनेटर अल फ्रैंकेन जैसे बड़े लोगों को हटना पड़ा। मीटू कैंपेन को 5 साल हो गए हैं।

प्यू रिसर्च ने अमेरिका में मीटू कैंपेन के असर पर सर्वे किया। उसके मुताबिक, अमेरिका के दफ्तरों का माहौल बेहतर हुआ है। दफ्तरों में पुरुषों का रवैया बदला है। उनके बातचीत का लहजा संभला है। 46% पुरुषों को यह तय करने में दिक्कत हो रही है कि दफ्तरों में महिलाओं से किस लहजे में और किस संबोधन से बात करें। जबकि 46% महिलाओं का मानना है कि बातचीत के तरीके में किसी तरह का अंतर नहीं आया है।

5 साल पहले से तुलना करें तो शोषण के मामलों में गिरावट आई है। 10 में से 7 लोगों का मानना है कि अब ऐसे मामलों में अपराधी पर कार्रवाई होती है। 62% लोगों का मानना है कि पीड़िता की बात पर भरोसा किया जाता है। अपने साथ हुए किसी दुर्व्यवहार के खिलाफ उसे इसलिए चुप रहने की जरूरत नहीं है कि उसे सुना जाएगा कि नहीं।

दफ्तरों में ऐसे मामलों के लिए अलग से कमेटी बनी हैं, जिसमें अनिवार्य रूप से महिला सदस्य हैं।

अमेरिका में आधे से ज्यादा मर्दों ने मीटू का समर्थन किया, जबकि 17% महिलाएं विरोध में भी हैं। इसका सबसे ज्यादा समर्थन युवाओं ने किया। 18 से 29 साल के लड़के-लड़कियां मजबूती से आंदोलन के साथ खड़े रहे। अमेरिका में नेशनल विमेंस लॉ सेंटर की प्रमुख फातिमा गौस कहती हैं, इतनी महिलाओं के साथ आने से नीतियों में बदलाव आया है।

पाकिस्तान में ऑडियो लीक कांड से घिरे इमरान का नया दांव, अब कोर्ट में देंगे अर्जी

इस्लामाबाद, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में ऑडियो टेप लीक मामले में सरकार की तरफ से घोषित जांच से असंतुष्ट पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस मामले में कोर्ट की पनाह लेने का फैसला किया है। बीते दो हफ्तों में ऐसे कई ऑडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं, जिन्हें पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय और आवास से लीक हुआ बताया गया है। इन ऑडियो क्लिप्स से सत्ता पक्ष के नेताओं और इमरान खान दोनों की इमेज पर कलंक लगा है। शहबाज शरीफ सरकार इस लीक कांड की पूरी जांच कराने का आदेश दे चुकी है।

मगर इमरान खान ने सोमवार को कहा कि इस मामले की 'प्रामाणिक जांच' कराने की गुजारिश करते हुए वे अदालत में अर्जी दाखिल करेंगे। उन्होंने कहा कि ऑडियो लीक होने से प्रधानमंत्री कार्यालय और आवास की पूरी सुरक्षा व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई है। उन्होंने एक ट्विट में कहा- 'मेरे प्रधानमंत्री रहते हुए मेरे आवास की जासूसी की गई। हम कोर्ट जाकर गुजारिश करेंगे इन लीक हुए ऑडियो की प्रामाणिकता की जांच कराई जाए और उसके बात इस बात की जांच कराई जाए कि किसी खुफिया एजेंसी ने बातचीत रिकॉर्ड की और कौन ऑडियो क्लिप्स को लीक रहा है, जिनमें से कई क्लिप संपादित या ऐसे लगते हैं जिनमें हेरफेर की गई है।'

शुरुआत में लीक हुए ऑडियो में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, उनकी भतीजी मरियम नवाज और अन्य सत्ताधारी नेताओं और सरकारी अधिकारियों की आवाज सुनी गई थी। इनमें मरियम नवाज को अनुचित फायदा दिलवाने की बातचीत भी सुनी गई। लेकिन इसके बाद ऐसे कई क्लिप वायरल हुए, जिनमें इमरान खान अमेरिका से आए कूटनीतिक संदेश को तोड़-मरोड़ कर पेश करने और किसी भी हद तक जाकर अपनी सरकार बचाने की योजना बनाते सुने गए। बताया गया है कि ये क्लिप उस समय के हैं, जब तत्कालीन इमरान खान सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गया था।

प्रधानमंत्री शरीफ ने इस कांड की तह में जाने के लिए पिछले हफ्ते 12 सदस्यों की एक उच्चस्तरीय जांच समिति बनाई थी। समिति में सत्ताधारी गठबंधन में शामिल सभी दलों के नुमाइंदों को रखा गया है। साथ ही इसमें खुफिया एजेंसियों- आईएसआई, आईबी, फेडरल इन्वेस्टिगेटिव एजेंसी आदि के बड़े अफसरों को भी शामिल किया गया है। लेकिन इसमें विपक्ष के नुमाइंदे शामिल नहीं हैं। इसलिए इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ को यह इल्जाम लगाने का मौका मिला है कि ये जांच समिति इस कांड की निष्पक्ष जांच नहीं करेगी।

हजारों साल नहीं, कुछ घंटों में बना था चंद्रमा

वैज्ञानिकों ने अपनी ही थ्योरी पर उठाए सवाल, सुपर कंप्यूटर से की नई रिसर्च

लंदन, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। चंद्रमा का निर्माण कैसे हुआ, यह हमेशा से ही वैज्ञानिकों के लिए रिसर्च का एक दिलचस्प विषय रहा है। साल 1980 से माना जाता रहा है कि पृथ्वी से एक विशाल ग्रह टकराया था। इससे निकले अवशेषों से मिलकर हजारों साल बाद चांद बना था। मगर हाल ही में इंग्लैंड की डरहम यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने इसे लेकर एक चौंकाने वाला दावा किया है। नई रिसर्च में कहा गया है कि इस टकराव से धरती का एक बड़ा हिस्सा तो टूटा होगा, लेकिन चंद्रमा के निर्माण की प्रक्रिया इतनी लंबी नहीं होगी। यह महज कुछ घंटों में ही बन गया होगा। पृथ्वी से टकराने वाली चीज को थिया नाम दिया गया है। वैज्ञानिक इसे मंगल ग्रह के आकार का प्लैनेट मानते हैं। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के वैज्ञानिक भी नई थ्योरी को सुनकर हैरान है। उनका कहना है कि यह पुरानी थ्योरी से बेहद अलग है। नए शोध ने चांद, उसके वातावरण और कक्षा के बारे में और रिसर्च के लिए दरवाजे खोल दिए हैं। नासा और डरहम यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने मिलकर सिम्युलेशन्स का एक वीडियो भी तैयार किया है।

लगभग दो मिनट की इस क्लिप में चांद के निर्माण की प्रोसेस समझी जा सकती है... शोधकर्ताओं ने कोस्मो नाम के सुपर कंप्यूटर के शक्तिशाली सिम्युलेशन्स के जरिए यह रिसर्च की है। कोडिंग की मदद से उन्होंने एक साथ सैकड़ों टकरावों को अलग-अलग एंगल से देखा। साथ ही इन टक्करों की रफ्तार, वजन, ग्रहों के चक्र आदि को भी ध्यान में रखा गया। सिम्युलेशन्स के आधार पर चंद्रमा के निर्माण की गति और हमारे पुराने अनुमान के बीच में भारी अंतर पाया गया है। चांद पृथ्वी से 3.8 लाख किलोमीटर दूर है। रिसर्चर्स को इसके निर्माण के पहले सबूत अमेरिका के अपोलो 11 मिशन से वापस आए 21.6 किलोग्राम के चंद्रमा के पत्थर और धूल से मिले थे। जांच में पता चला था कि ये नमूने 450 करोड़ साल पुराने हैं।

चैथम द्वीप में फंसी 500 पायलट व्हेल की मौत, शार्क के डर से नहीं हो पाया रेस्क्यू

वर्ल्ड डेस्क, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। वैज्ञानिक पूरी तरह से यह नहीं समझते हैं कि बड़े पैमाने पर पायलट व्हेल्स कैसे समुद्री तट पर फंस जाती हैं. कुछ जानकारों का मानना है कि ये काफी मिलनसार होती हैं इसलिए ये तट के किनारे तक पहुंच जाती हैं. चैथम द्वीप में फंसी 500 पायलट व्हेल की मौत, शार्क के डर से नहीं हो पाया रेस्क्यून्यूजीलैंड के चैथम द्वीप समूह में 500 पायलट व्हेल की मौत हो गई. न्यूजीलैंड के चैथम द्वीप समूह में 500 पायलट व्हेल की मौत हो गई. ये आइसलैंड न्यूजीलैंड से 840 किमी पूर्व में मौजूद है. संरक्षण विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि विपरीत परिस्थितियों के कारण हम व्हेल्स को वापस से समुद्र में नहीं भेज सकते. दरअसल, यहां पर शार्क मछली का बड़ा खतरा है. इस कारण से यहां पर रेस्क्यू नहीं किया जा सकता. अगर यहां पर इन व्हेल्स के बचाने के लिए कोई ऑपरेशन चलाया भी जाए तो लोगों की जान का खतरा काफी ज्यादा है. इसलिए इन व्हेल्स को उन्हीं की हालत में छोड़ दिया गया.

चैथम द्वीप न्यूजीलैंड ने 840 किलोमीटर दूर है. सरकार ने कहा कि शुक्रवार को चैथम द्वीप के समुद्री तट पर 250 पायलट व्हेल पाए गए और फिर तीन दिन बाद पिट द्वीप पर 240 अन्य की सूचना मिली. अधिकारियों ने कहा कि न्यूजीलैंड से इतना दूर होने के कारण बचाव अभियान नहीं चलाया जा सका. सरकारी तकनीकी समुद्री सलाहकार डेव लुंडक्विस्ट के मुताबिक मनुष्यों और व्हेल दोनों के लिए शार्क के हमले का बड़ा जोखिम है.

उन्होंने कहा कि इन व्हेल्स को शॉर्क अपना शिकार बनाएगी इसलिए हमने इनको यहीं पर छोड़ दिया है. इस फैसले को कभी हल्के में नहीं लिया जाता है, लेकिन इस तरह के मामलों में यह सबसे अच्छा विकल्प है. शवों को साइट पर प्राकृतिक रूप से सड़ने के लिए छोड़ दिया जाएगा. चैथम द्वीप समूह पर बड़े पैमाने पर पायलट व्हेल के फंसे होना कोई आश्चर्य वाली बात नहीं है. 1918 में लगभग 1,000 व्हेल समुद्री तट में फंसी थीं और 2017 में लगभग 700 पायलट व्हेल फंसी थीं.

वैज्ञानिक पूरी तरह से यह नहीं समझते हैं कि बड़े पैमाने पर स्ट्रैंडिंग क्यों होती है? कुछ शोधकर्ताओं का मानना है कि पायलट व्हेल काफी मिलनसार होती हैं और ये लोगों के पास आ जाती हैं. जिसके बाद इनके लिए लौटना मुश्किल हो जाता है. पायलट व्हेल छह मीटर से अधिक लंबी हो सकती हैं.

चीन में फिर से बढ़ रहे कोरोना के मामले

सामने आए ओमीक्रॉन के 2 नए खतरनाक वेरिएंट

वर्ल्ड डेस्क, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन अपने यहां कोरोना को लेकर सख्त नीति अपनाता रहा है. एक बार फिर चीन ने अपनी सख्त कोविड नीतियों के साथ ₹धैर्य₹ बनाए रखने का आह्वान किया है और किसी भी बड़े संकट से बचने को लेकर चेतावनी भी दी है.

चीन में फिर से बढ़ रहे कोरोना के मामले, सामने आए ओमीक्रॉन के 2 नए खतरनाक वेरिएंटचीन में फिर से बढ़ रहे कोरोना के मामले

दुनियाभर में कोरोना वायरस के मामलों में भले ही अभी कमी दिख रही हो, लेकिन ओमीक्रॉन वेरिएंट का खौफ हमेशा बना रहता है. अब खबर है कि चीन में एक नया ओमीक्रॉन सब वेरिएंट पकड़ में आया है.

कोरोना वायरस से जुड़े वेरिएंट्स में ओमीक्रॉन वेरिएंट को बेहद खतरनाक माना जाता है. अब चीन में ओमीक्रॉन के 2 नए सब-वेरिएंट बीएफ.7 और बीए.5.1.7 का पता चला है, जो अधिक ट्रांसमिसिबिलिटी के साथ अत्यधिक संक्रामक भी है.

चीनी वेबसाइट ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, लोकल डिसीज प्रिवेंशन एंड कंट्रोल सेंटर के उप निदेशक ली शुजियान ने कहा कि अत्यधिक संक्रामक वायरस का पता सबसे पहले उत्तर पश्चिमी चीन में लगा था, लेकिन सब वेरिएंट बीए.5.1.7 का पता पहली बार चीन की मुख्य हिस्से में पाया गया.

फिर से बढ़ने लगे कोरोना के मामले

उत्तरी चीनी प्रांत शेडोंग के अधिकारियों ने कहा कि 4 अक्टूबर से स्थानीय स्तर पर कोरोना के बढ़ते नए मामलों में वेरिएंट बीएफ.7 को बड़ी वजह मानी गई. विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से भी अत्यधिक संक्रामक बीएफ.7 कोरोना सब वेरिएंट को लेकर चेतावनी जारी की जा चुकी है.

एक प्रोफेसर के स्वास्थ्य आधारित समाचार पत्र के हवाले से ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट में यह कहा गया है कि अगर समय रहते निर्णायक रोकथाम के उपायों को नहीं अपनाया गया तो यह सब वेरिएंट बीएफ.7 बड़ा रूप ले सकता है.

चीन का लोगों से आह्वान

चीन अपने यहां कोरोना को लेकर सख्त नीति अपनाता रहा है. एक बार फिर चीन ने अपनी सख्त कोविड नीतियों के साथ "धैर्य" बनाए रखने का आह्वान किया है और किसी भी बड़े संकट से बचने को लेकर चेतावनी भी दी है. वहां पर एक बार फिर कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं.

90 साल के शख्स ने 15,000 फीट से लगाई छलांग

पत्नी के नर्सिंग होम में नहीं है व्हीलचेयर, फंड जुटाने के लिए किया स्टंट

लंदन, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन के नॉर्थ यॉर्कशायर में रहने वाले 90 साल के फ्रैंक वार्ड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें वह 15,000 फीट पर उड़ रहे प्लेन से छलांग लगाते नजर आ रहे हैं। फ्रैंक पेशे से स्टंटमैन नहीं है, लेकिन उन्होंने एक नेक काम के लिए यह करने का फैसला लिया। सोशल मीडिया पर लोग उनके जज्बे की खूब तारीफ कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रैंक वार्ड ने अपनी पत्नी के नर्सिंग होम के लिए स्काइड्राइविंग की है। दरअसल, फ्रैंक की पत्नी मार्गरेट एक नर्सिंग होम चलाती हैं, जिसमें व्हीलचेयर की कमीं है। इससे मरीजों को काफी परेशानी होती है। एक दिन फ्रैंक नर्सिंग होम में गया तो उसे समस्या का अहसास हुआ। इस पर फ्रैंक ने लोगों की मदद से व्हीलचेयर खरीदने का फैसला लिया। फिर फ्रैंक ने यह स्टंट करने का फैसला लिया, उनका कहना है कि इससे ज्यादा लोगों का ध्यान खींचा जा सकता है। वहीं, हम जल्द नर्सिंग होम के लिए व्हीलचेयर खरीद सकेंगे। अब फ्रैंक का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग उन्हें खूब समर्थन कर रहे हैं। फ्रैंक अब तक 1958 डॉलर का फंड जुटा चुके हैं।

स्काइड्राइविंग के बाद जब फ्रैंक जमीन पर उतरते हैं तब उनका रिएक्शन देखने वाला है। उनसे पूछा जाता है कि आपको कैसा लग रहा है, इस पर फ्रैंक कहते हैं कि मैं कुछ सुन नहीं सकता। मुझे लगता है कि मैं 95 की उम्र में यह न कर पाऊं।

नॉर्थ कोरिया के मिसाइल टेस्ट जारी

पहली बार पानी के अंदर से दागी एटमी मिसाइल

सियोल, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। मिसाइल टेस्ट के इस सिलसिले में एक बात बेहद चौंकाने वाली है। दरअसल, नॉर्थ कोरिया ने दावा किया है कि उसने एक ऐसी मिसाइल भी टेस्ट की जो गहरे पानी के अंदर से दागी गई। इसे डिटेक्ट और इंटरसेप्ट करना बेहद मुश्किल है। नॉर्थ कोरिया मिसाइल टेस्ट ऐसे वक्त कर रहा है, जब उसकी सीमा से कुछ किलोमीटर दूर अमेरिका और साउथ कोरिया मिलिट्री ड्रिल कर रहे हैं। नॉर्थ कोरिया की तरफ से जारी एक बयान ने इस ड्रिल से दुनिया का ध्यान दूसरी तरफ खींचा। दरअसल, किम जोंग उन की फौज की तरफ से कहा गया कि उसने पहली बार एक ऐसी शॉर्ट रेंज मिसाइल का टेस्ट किया है जो किसी नदी, तालाब या समंदर की गहराई से फायर की गई।

ईरान की कैद में हैं फ्रांस के 5 नागरिक, फ्रांस विदेश मंत्री ने कहा- तुरंत रिहा करो

वर्ल्ड डेस्क, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। फ्रांस विदेश मंत्री ने बताया है कि उसके पांच नागरिकों को ईरान में कैद कर रखा गया है. इससे पहले ईरान ने एक वीडियो जारी कर ये साबित करने की कोशिश की थी देश में प्रोटेस्ट विदेशी साजिश का हिस्सा है.

ईरान की कैद में हैं फ्रांस के 5 नागरिक, फ्रांस विदेश मंत्री ने कहा- तुरंत रिहा करोफ्रांस विदेश मंत्री कैथरीन कोलोन्ना.

फ्रांस विदेश मंत्री कैथरीन कोलोन्ना ने दावा किया है कि उनके पांच नागरिकों को ईरान ने पकड़ रखा है. उन्होंने कहा, 'मैं आज दोपहर ईरानी विदेश मंत्री से बात करके ईरान में पकड़े गए हमारे सभी लोगों की तत्काल रिहाई की मांग करूंगीं. कोलोन्ना ने फ्रांस इंटर रेडियो को ये बात बताई. इससे पहले फ्रांस ने कहा था कि उसके चार नागरिकों को इस्लामिक गणराज्य में हिरासत में लिया गया.

ईरान में इस वक्त बड़े पैमानों पर प्रोटेस्ट चल रहा है. ये प्रदर्शन सरकार के उस फरमान के खिलाफ हो रहे हैं जिसमें लड़कियों को हिजाब पहनना अनिवार्य कर दिया है. एक महीने पहले ईरानी युवती महसा अमीनी की पुलिस हिरासत में मौत के बाद तेहरान में काफी बवाल हुआ था. फ्रांस को डर है कि कहीं उसके नागरिकों के साथ ईरान में गलत न हो. इस कारण वहां की सरकार जल्द से जल्द उनकी रिहाई चाहती है. कुछ दिन पहले ईरान ने एक वीडियो जारी किया था. वीडियो में दिखाया गया है कि हिरासत में लिये गये दो फ्रांसीसी नगारिक कथित तौर पर जासूसी करने की बात कबूल कर रहे हैं. ईरानी नेता यह दर्शाने की कोशिश कर रहे हैं कि सरकार के खिलाफ जारी विरोध-प्रदर्शन का कारण ईरान पुलिस की हिरासत में 22 वर्षीय महिला की मौत के कारण उपजा व्यापक जन आक्रोश नहीं है, बल्कि यह विदेशी साजिश है.

ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी आईआरएनए की ओर से जारी वीडियो में जैक्स पेरिस और सेसिल कोहलर को दिखाया गया है, जो फ्रांस के नेशनल फेडरेशन ऑफ एजुकेशन, कल्चर एंड वोकेशनल ट्रेनिंग से जुड़े हैं.

फ्रांस की सरकार ने इस आरोप के जवाब में तीखी फटकार लगाई है और हिरासत में लिये गये फ्रांसीसी नगारिकों की दुर्दशा को राज्य बंधक के रूप में वर्णित किया था.

ईरान लंबे समय से हिरासत में लिए गये पश्चिमी नागिरकों को बातचीत के दौरान सौदेबाजी चिप्स के रूप में इस्तेमाल करता रहा है. ईरान ने इसके पहले जासूसी के आरोप को लेकर कोई सार्वजनिक साक्ष्य नहीं दिया था. फ्रांस के विदेश मंत्री कैथरिन कोलोन्ना ने कहा, वीडियो में हिरासत में लिये गये फ्रांसीसी नगारिकों की जबरन ली गई कथित स्वीकारोक्ति अपमानजनक है.

पाकिस्तान के सिंध में फिर हिन्दू लड़की का अपहरण

इस्लामाबाद, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक हिन्दू लड़कियों के खिलाफ अपराधों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है. आए दिन अल्पसंख्यक युवतियों से जुड़ी एक न एक घटना कानों में पड़ ही जाती है. अब एक नई घटना पाकिस्तान के सिंध प्रांत से सामने आ रही हैं, जहां एक बार फिर एक हिन्दू लड़की का अपहरण किया गया है.

पाकिस्तान में 15 दिनों में यह चौथी घटना है, जब किसी हिन्दू युवती का अपहरण हुआ है. बीते कुछ दिनों में अल्पसंख्यक हिन्दू समुदाय की कई युवतियों के अपहरण के मामले सामने आए हैं. युवतियों का न सिर्फ अपहरण किया जाता है, बल्कि उनका जबरन धर्मांतरण कराकर इस्लाम कबूल करने पर मजबूर भी किया जाता है. और निराशा की बात यह है कि इस गंभीर मामले पर पाकिस्तान की सरकार का कोई ध्यान नहीं है.

जानकारी के मुताबिक, जिस युवती का अपहरण किया गया है, उसका नाम चंद्र मेहराज है. युवती के माता-पिता ने बताया कि चंद्र का अपहरण हैदराबाद के फतेह चौक इलाके से उस वक्त किया गया, जब वह घर को आ रही थी. युवती के अपहरण के मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है. लेकिन अभी तक उसका कुछ भी पता नहीं चल सका है. इससे पहले, तीन हिन्दू महिलाओं के अपहरण की घटना सामने आई थी, जिनका जबरन धर्मांतरण कराया गया. 24 सितंबर को नसरपुर इलाके से मीना मेघवार नाम की 14 साल की नाबालिग लड़की का अपहरण कर लिया गया था. जबकि इससे पहले मीरपुरखास कस्बे में घर लौटते वक्त एक अन्य लड़की का अपहरण कर लिया गया था.

मुस्लिम आक्रांताओं ने कई बार ध्वस्त किया

फिर भी नहीं टूटी महाकाल की आस्था

उज्जैन, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। उज्जैन महाकाल मंदिर कॉरिडोर महाकाल लोक को जनता के लिए खोल दिया गया है। महाकाल लोक की खूबसूरती देखते ही बनती है। महाकाल परिसर का विस्तार 20 हेक्टेयर में किया जा रहा है। विस्तार के बाद महाकाल मंदिर परिसर उत्तर प्रदेश के काशी विश्वनाथ कॉरिडोर से चार गुना बड़ा होगा। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर 5 हेक्टेयर में फैला है।

देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में उज्जैन का महाकाल मंदिर अकेला दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग है। मंदिर का इतिहास भी काफी पुराना है। इसकी कहानी रोचक है। कई बार मंदिर को ध्वस्त करने के लिए आक्रांताओं ने कोशिश की, लेकिन वह असफल रहे। करोड़ों भारतीयों की आस्था आक्रमणकारियों पर भारी पड़ी। आज हम आपको महाकाल मंदिर की पूरी कहानी बताएंगे। कब और कैसे इसकी स्थापना हुई और कब-कब इस पर आक्रमण हुए?

महाकाल मंदिर का इतिहास

महाकाल मंदिर का इतिहास सदियों पुराना है। महाकवि कालिदास और तुलसीदास की रचनाओं में महाकाल मंदिर व उज्जैन का उल्लेख है। कहा जाता है कि महाकाल मंदिर की स्थापना द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण के पालनहार नंद जी से आठ पीढ़ी पूर्व हुई थी। शिवपुराण के अनुसार मंदिर के गर्भ गृह में मौजूद ज्योतिर्लिंग की प्रतिष्ठा नन्द से आठ पीढ़ी पूर्व एक गोप बालक द्वारा की गई थी।

जब भगवान श्रीकृष्ण उज्जैन में शिक्षा प्राप्त करने आए, तो उन्होंने महाकाल स्त्रोत का गान किया था। गोस्वामी तुलसीदास ने भी महाकाल मंदिर का उल्लेख किया है। छठी शताब्दी में बुद्धकालीन राजा चंद्रप्रद्योत के समय महाकाल उत्सव हुआ था।

इस मंदिर की महिमा का वर्णन बाणभट्ट, पद्मगुप्त, राजशेखर, राजा हर्षवर्धन, कवि तुलसीदास और रवीन्द्रनाथ की रचनाओं में भी मिलता है। मंदिर द्वापर युग का है लेकिन समय -समय पर इसका जीर्णोद्धार होता रहा है। मंदिर परिसर से ईसवीं पूर्व द्वितीय शताब्दी के भी अवशेष मिले हैं, जो इस बात का प्रमाण है।

महाकाल मंदिर तीन भागों में बना हुआ है। दिव्य ज्योतिर्लिंग मंदिर के सबसे नीचे के भाग में प्रतिष्ठित है। मध्य के भाग में ओंकारेश्वर का शिवलिंग है तथा सबसे ऊपर वाले भाग पर साल में सिर्फ एक बार नागपंचमी पर खुलने वाला नागचंद्रेश्वर मंदिर है। महाकाल मंदिर को पृथ्वी का सेंटर पाइंट या नाभि कहा जाता है। क्योंकि कर्क रेखा शिवलिंग के ठीक ऊपर से गुजरी है।

महाकाल मंदिर पर कई बार आक्रमण हुए

11वीं सदी में गजनी के सेनापति और 13वीं सदी में दिल्ली के शासक इल्तुतमिश के मंदिर ध्वस्त कराने के बाद कई राजाओं ने इसका दोबारा निर्माण करवाया। इतिहासकार प्रो. वैदिक महेश कहते हैं, उज्जैन में 1107 से 1728 ई. तक यवनों का शासन था। इनके शासनकाल में 4500 वर्षों की हिंदुओं की प्राचीन धार्मिक परंपराओं-मान्यताओं को नष्ट करने की कई बार कोशिश हुई।

11वीं शताब्दी में गजनी के सेनापति ने मंदिर को काफी नुकसान पहुंचाया था। इसके बाद साल 1234 में दिल्ली के शासक इल्तुतमिश ने भी महाकाल मंदिर पर हमला कर दिया। उस दौरान यहां कई श्रद्धालुओं का कत्ल किया गया। मंदिर में स्थापित मूर्तियों को भी खंडित कर दिया। तब धार के राजा देपालदेव ने भी हमला रोकने की कोशिश की। वह बड़ी संख्या में सेना लेकर उज्जैन के लिए निकल पड़े। हालांकि, इससे पहले ही इल्तुतमिश ने मंदिर तोड़ दिया। इसके बाद देपालदेव ने मंदिर का पुनर्निर्माण करवाया।

फिर मंदिर का जीर्णोद्धार भी कई बार हुआ

राजा विक्रमादित्य, राजा चंद्रप्रधोत, राजा भोज ने इस मंदिर में निर्माण कार्य करवाया था। लगभग हर कालखंड में हिंदू राजा, जिन्होंने उज्जैन और आसपास राज किया उन्होंने महाकाल के मंदिर का जीर्णोद्धार कराया। महाकाल मंदिर का जो वर्तमान स्वरूप है, उसे वर्ष 1734 से लेकर 1863 के बीच मराठा शासकों ने बनवाया था। इसको लेकर भी एक कहानी है।

कहा जाता है कि मराठा राजाओं ने मालवा पर आक्रमण कर दिया था। 1728 से यहां मराठा राजाओं का राज शुरू हुआ। इसके बाद उज्जैन को भव्य रूप दिया गया। 1731 से 1809 तक यह नगरी मालवा की राजधानी बनी रही। इस बीच, महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग को पुनः प्रतिष्ठित किया गया और शिप्रा नदी के तट पर सिंहस्थ पर्व कुंभ को भी आरंभ किया गया।

मंदिर का पुनर्निर्माण ग्वालियर के सिंधिया राजवंश के संस्थापक महाराजा राणोजी सिंधिया ने कराया था। बाद में उन्हीं की प्रेरणा पर यहां सिंहस्थ समागम की भी दोबारा शुरुआत कराई गई। प्रो. वैदिक महेश कहते हैं कि महाकाल के ज्योतिर्लिंग को करीब 500 साल तक मंदिर के भग्नावशेषों में ही पूजा जाता रहा। बाद में मराठा साम्राज्य ने महाकाल का भव्य मंदिर बनवाया।

500 साल तक जलसमाधि में रहे महाकाल

प्रो. वैदिक के अनुसार, जब सुल्तान इल्तुतमिश ने उज्जैन पर आक्रमण किया तो सभी परेशान हो गए। इल्तुतमिश ने आदेश दिया था कि मंदिर को पूरी तरह से नष्ट कर देना है। तब पुजारियों ने महाकाल ज्योतिर्लिंग को कुंड में छिपा दिया था। करीब 500 साल तक महाकाल कुंड में ही रहे। बाद में राणोजी सिंधिया ने मंदिर का पुनर्निर्माण कराया और ज्योतिर्लिंग की पुनः प्राणप्रतिष्ठा कराई।

अब महाकाल कॉरिडोर कैसा होगा?

महाकाल कॉरिडोर पौराणिक सरोवर रुद्रसागर के किनारे विकसित किया गया है। यहां भगवान शिव, देवी सती और दूसरे धार्मिक किस्सों से जुड़ी करीब 200 मूर्तियां और भित्त चित्र बनाए गए हैं। श्रद्धालु हर एक भित्ति चित्र की कथा इस पर स्कैन कर सुन सकेंगे। सप्त ऋषि, नवग्रह मंडल, त्रिपुरासुर वध, कमल ताल में विराजित शिव, 108 स्तम्भों में शिव के आनंद तांडव का अंकन, शिव स्तम्भ, भव्य प्रवेश द्वार पर विराजित नंदी की विशाल प्रतिमाएं मौजूद हैं। महाकाल कॉरिडोर में देश का पहला नाइट गार्डन भी बनाया गया है।

750 करोड़ से ज्यादा खर्च

महाकाल मंदिर विस्तारीकरण प्रोजेक्ट का काम करीब 750 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। इसके तहत पहले चरण में महाकाल पथ, रूद्र सागर का सौंदर्यीकरण, विश्राम धाम आदि काम पूरे किए जा चुके हैं। विस्तारीकरण के कामों के बीच हाल ही में महाकाल पथ श्रद्धालुओं के लिए खोला गया था। त्रिवेणी संग्रहालय के पास से महाकाल पथ का बड़ा द्वार बनाया गया है।

विस्तार के बाद महाकाल मंदिर के सामने का मार्ग 70 मीटर चौड़ा हो गया है। महाकाल मंदिर चौराहे तक का मार्ग 24 मीटर चौड़ा किया जा रहा है। विस्तारीकरण के बाद महाकाल मंदिर का क्षेत्र 2.2 हेक्टेयर से बढ़कर 20 हेक्टेयर से अधिक हो गया है।

ऑस्कर में 'आरआरआर' की जनरल एंट्री के मायने

'आरआरआर' का ऑस्कर कैंपेन करोड़ों का, ऑफिशियल एंट्री का पूरा खर्च सरकारी

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। फिल्म जगत का सबसे प्रतिष्ठित अवॉर्ड माना जाने वाला ऑस्कर किस-किस के हाथ आएगा, ये मार्च, 2023 में तय होगा। मगर इस दौड़ का शोर इस बार भारत में ज्यादा होगा। वजह भारत की ऑफिशियल एंट्री न बन पाने के बाद अब एस.एस. राजामौली की 'आरआरआर' अपने दम पर नॉमिनेशन की दौड़ में है।

भारत की ऑफिशियल एंट्री गुजराती फिल्म 'छेलो शो' (लास्ट शो) है। 'आरआरआर' के ऑस्कर कैम्पेन ने भारत में फिर उस बहस को हवा दी है कि ऑस्कर की एंट्री के लिए फिल्म के चुनाव का क्राइटेरिया क्या होना चाहिए। 'आरआरआर' के कैंपेन ने ये सवाल भी खड़ा किया है कि बाकी हिट फिल्में भी ऑफिशियल एंट्री न बन पाने पर खुद अवॉर्ड के लिए क्यों नहीं एंट्री भेजतीं।

इसका सीधा जवाब इस तरह के कैंपेन के खर्च में छिपा है। ऑफिशियल एंट्री बनने वाली फिल्म का कैंपेन फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया के खर्च पर होता है। इसके लिए भारत सरकार ने एक कॉरपस फंड भी बना रखा है। भारत की ऑफिशियल एंट्री का प्रचार इसी फंड से किया जाता है।

सीधी एंट्री में कैंपेन का खर्च फिल्म बनाने वाली कंपनी का होता है। ये अंतर करोड़ों रुपए का है। ऑफिशियल एंट्री बनने वाली फिल्म के प्रोड्यूसर चाहें तो वे कैंपेन को गति देने के लिए अपने स्तर पर भी प्रचार कर सकते हैं। ऐसा 'लगान' के लिए आमिर खान और आशुतोष गोवारिकर ने किया था।

'आरआरआर' का ऑस्कर कैंपेन ग्लोबल असर भी रखता है। दरअसल, ऑस्कर के नॉमिनेशन के क्राइटेरिया पर बहस सिर्फ भारतीय एंट्री तक सीमित नहीं है। ऑस्कर के इतिहास में ऐसा बहुत कम ही हुआ है कि उस साल की सबसे बड़ी कॉमर्शियल बॉक्स ऑफिस हिट फिल्म ही बेस्ट फिल्म अवॉर्ड भी जीत पाई हो।

अभी ऑस्कर अवॉर्ड देने वाली एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइसेज ने फिल्मों को चुनने का प्रोसेस शुरू किया है। 15 नवंबर तक दुनिया भर की फिल्में अवॉर्ड के लिए अपनी एंट्री भेज सकती हैं। जनवरी, 2023 में फाइनल नॉमिनेशन्स की घोषणा होगी। मार्च में यह खुलासा होगा कि अवॉर्ड किसे मिला।

यानी ये तय है कि अगले 6 महीनों में भारतीय सिनेप्रेमियों के बीच बहस जारी रहेगी। इस बहस को बेहतर समझना चाहते हैं तो जानिए, आखिर क्या है ऑस्कर के फाइनल नॉमिनेशन्स तक किसी फिल्म के पहुंचने का प्रोसेस और खर्च।

भारत की ऑफिशियल एंट्री पर विवाद क्यों

ऑस्कर के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री का विवादों में आना कोई नई बात नहीं है। पिछली बार भी ऑस्कर के लिए तमिल फिल्म 'कूजहांगल' को एंट्री बनाने पर सवाल उठे थे कि 'शेरशाह' और 'सरदार ऊधम सिंह' के बजाय इस फिल्म को क्यों भेजा गया।

यह विवाद किसी गैर हिंदी फिल्म तक भी सीमित नहीं हैं। विधु विनोद चोपड़ा की 'एकलव्य' और अनुराग बासु की 'बर्फी' को ऑफिशियल एंट्री बनाए जाने पर ऐसा ही विवाद उठा था।

फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया का कहना है कि ऑफिशियल एंट्री के लिए फिल्म को चुनते वक्त उसकी कहानी, क्राफ्ट्समैनशिप यानी फिल्म बनाने की कला के साथ ही कई फैक्टर्स पर ज्यूरी विचार करते हैं।

दरअसल, ऑस्कर अवॉर्ड के लिए फिल्मों को नॉमिनेट करने में भी अकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज के ज्यूरी मेंबर कुछ ऐसे ही नियम देखते हैं। 2020 में ऑस्कर अवॉर्ड के लिए फिल्मों को चुनने में 9527 ज्यूरी मेंबर्स ने वोटिंग की थी।

फिल्म के फाइनल नॉमिनेशन के बाद वोटिंग सिर्फ एक्टिव और लाइफ टाइम मेंबर्स ही करते हैं। हर साल जिन फिल्मों को बेस्ट फिल्म, बेस्ट डायरेक्टर या बेस्ट स्क्रीनप्ले जैसे मुख्य अवॉर्ड मिलते हैं, जरूरी नहीं कि वे उस साल की सबसे ज्यादा कमाई वाली या सबसे लोकप्रिय फिल्में हों।

ऐसा भी नहीं है कि ऑस्कर की ज्यूरी बॉक्स ऑफिस पर हिट फिल्मों को नकार देती है। 1972 में आई फिल्म 'द गॉडफादर', 1997 में आई 'टाइटैनिक' और 2003 में आई 'लॉर्ड ऑफ द रिंग्स' जैसी कई फिल्में हैं जो बॉक्स ऑफिस और ऑस्कर अवॉड्र्स दोनों में अच्छा प्रदर्शन कर चुकी हैं।

'एवेंजर्सः एंडगेम' और 'एवेंजर्सः इनफिनिटी वॉर' भी ऑस्कर की बेस्ट विजुअल एफेक्ट्स की कैटेगरी में अवॉर्ड जीत चुकी हैं। 'टेनेट' को बेस्ट विजुअल एफेक्ट्स का अवॉर्ड मिला था, जबकि बेस्ट प्रोडक्शन डिजाइन की कैटेगरी में वह नॉमिनेट हुई थी।

'स्पाइडरमैन : नो वे होम' को भी बेस्ट विजुअल एफेक्ट्स की कैटेगरी में नॉमिनेट किया गया था, मगर वह अवॉर्ड नहीं जीत पाई।

तो फिर हमारी हिट फिल्में ऑस्कर में क्यों नहीं जाती

ऑस्कर अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट वाली ये सभी फिल्में जनरल कैटेगरी के जरिये ही एंट्री करती हैं। इस रास्ते वो हिंदी फिल्में भी ऑस्कर की दौड़ में जा सकती हैं जो भारत की ऑफिशियल एंट्री नहीं बन पातीं। मगर ऐसा बहुत कम ही होता है। इसकी मुख्य वजह है ऑस्कर के लिए कैंपेनिंग का खर्च कम नहीं हैं।

कैंपेन के लिए करीब 6 महीनों तक फिल्म की पूरी टीम अमेरिका में ही कैंप करती है। सही पब्लिसिटी फर्म को चुनना भी जरूरी होता है जो हॉलीवुड के सही सर्किल्स में फिल्म को प्रमोट करे। फिल्म की स्क्रीनिंग्स और रिसेप्शन्स के साथ ही प्रमोशन से जुड़े ऐसे इवेंट प्लान करने होते हैं जो ऑस्कर के नियमों के दायरे में हों। यह सारा काम खासा खर्चीला है। चूंकि वहां पूरी दुनिया की फिल्में कॉम्पिटिशन में होती हैं, इसलिए ज्यादातर प्रोडक्शन कंपनियां अवॉर्ड मिलने के कम चांस को देखते हुए इतना खर्च नहीं करना चाहती हैं।

खर्च से भी ज्यादा जरूरी है सही पब्लिसिटी

ऑस्कर अवॉर्ड की दौड़ में शामिल फिल्मों की पब्लिसिटी के लिए लॉस एंजिलिस में कई पब्लिक रिलेशन्स और मीडिया मैनेजमेंट कंपनियां काम करती हैं। इस प्रक्रिया से जुड़े लोगों का मानना है कि फिल्म प्रमोशन पर खर्च से भी ज्यादा जरूरी है सही समय पर सही पब्लिसिटी।

इसके लिए अनुभवी पीआर कंपनियों को हायर किया जाता है। इनकी फीस भी तगड़ी होती है। ये पीआर कंपनियां उन सभी जगहों तक फिल्म को पहुंचाने का काम करती हैं जहां ज्यूरी मेंबर्स ज्यादा से ज्यादा फिल्म के बारे में जान पाएं। ऑस्कर की लंबी चौड़ी ज्यूरी कमेटी में सभी मेंबर्स तक फिल्म को पहुंचाना सबसे बड़ी चुनौती मानी जाती है।

सीजी के कई शहरों में ईडी का छापा

कारोबारियों और सीए के घर सुबह 5 बजे घुसी टीम
मुख्यमंत्री बोले-चुनाव तक ये बार-बार आएंगे

रायपुर/कोरबा, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़, रायपुर, बिलासपुर, कोरबा और महासमुंद जिले में ईडी का छापा पड़ा है । इन प्रमुख शहरों में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी देर रात पहुंच चुके थे और सुबह 5:00 बजे अलग-अलग ठिकानों पर छापा मारा गया। एक ही वक्त पर ईडी के अधिकारी 10 से ज्यादा जगहों पर अलग-अलग टीम बनाकर कार्रवाई कर रहे हैं। जिन जगहों पर छापा मारा गया है उनमें कारोबारी और सीए शामिल हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस छापे को डराने की कोशिश बताया है। उन्होंने कहा, यह आखिरी नहीं है। चुनाव तक ये बार-बार आएंगे।

ईडी के अफसर सीआरपीएफ की टीम के साथ दबिश दी है। अधिकारियों और कारोबारियों के घरों में दस्तावेजों को खंगाला जा रहा है। इन अधिकारियों और कारोबारियों को लेकर ईडी को करोड़ों रुपए के अवैध लेनदेन की सूचना मिली थी। इसी संबंध में जांच की जा रही है।

कोरबा के ट्रांसपोर्ट नगर और अग्रसेन मार्ग पर तीन व्यापारियों के ठिकानों में ईडी की टीम ने दबिश दी है। पुलिसकर्मियों को घर और कार्यालय के पास तैनात किया गया है। आरकेटीसी कंपनी के दफ्तर, ट्रांसपोर्टर राजकुमार अग्रवाल के घर और दफ्तर और कोल व्यवसायी संजय जायसवाल के घर पर कार्रवाई चल रही है।

करोड़ों के लेनदेन के इनपुट पर कार्रवाई

कुछ नेताओं के करीबी लोगों के ठिकानों पर भी दबिश की खबर है। कोल माइनिंग और कंस्ट्रक्शन से जुड़े कारोबारियों के घरों पर प्रवर्तन निदेशालय का छापा पड़ा है। अधिकारियों को इन संबंधित लोगों के पास से करोड़ों के अवैध लेनदेन का इनपुट मिला था। इसी की जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर बोला हमला

उत्तर प्रदेश रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, भाजपा सीधे लड़ नहीं पा रही है तो ईडी-आईटी, डीआरआई के माध्यम से लड़ने की कोशिश कर रही है। मैं पहले ही कह चुका हूं कि ये और आएंगे। यह आखिरी नहीं है। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएगा इनकी यात्राएं बढ़ेंगी। यह डराने-धमकाने का ही काम है। उसके अलावा कुछ नहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा, एक तो ये परेशान करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं पहले ही कह चुका हूं कि साढ़े छह हजार करोड़ का चिटफंड कंपनियों में लोगों का पैसा डूबा है। उसमें संज्ञान लें, उसमें कुछ करेंगे नहीं। ये बार-बार आएंगे। लेकिन जनता जान चुकी है कि भाजपा लड़ नहीं पा रही है तो सेंट्रल एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है।

हाईकोर्ट ने एसपी कार्यालयों में लिपिक भर्ती की मेरिट लिस्ट रद्द की

रांची, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट ने वर्ष 2010 में पांच जिलों के एसपी कार्यालय में नियुक्ति के लिए बनी मेरिट लिस्ट रद्द कर दी है। अदालत ने सरकार को विज्ञापन की शर्तों के अनुसार नई मेरिट लिस्ट बनाकर नियुक्ति का निर्देश दिया है। जस्टिस अनुभा रावत चौधरी की अदालत ने सोमवार को इस मामले में फैसला सुनाया। कोर्ट के इस आदेश से रांची, लोहरदगा, खूंटी, सिमडेगा और गुमला एसपी कार्यालयों में 19 लिपिकों की नियुक्ति प्रभावित हो गयी है। इसके पूर्व अदालत ने सुनवाई पूरी करने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि वर्ष 2008 में जारी विज्ञापन में पुलिस मैनुअल के अनुसार नियुक्ति की बात कही गयी थी। इसके लिए कई शर्त भी निर्धारित थी।

बूढ़ा पहाड़ से नक्सली भागे, बिछा गए माइंस

फोर्स ने कैंप बनाए तो ठिकाना बदला, 100 से ज्यादा अब भी एक्टिव

एक्सक्लूसिव डेस्क, 11 अक्टूबर। चारों तरफ घना जंगल। न सड़क, न पुल-पुलिया। कहीं पहाड़ी, तो कहीं ढलान। कहीं नदी, तो कहीं रपटा। झारखंड के लातेहार जिले में आने वाले तिसिया गांव के आसपास का इलाका ऐसा ही है। ये गांव जंगल के लिए नक्सलियों का एंट्री पॉइंट कहा जाता है। तिसिया से आगे बढ़ने पर नवाटोली गांव आता है और वहां से करीब 7 किमी दूर बूढ़ा पहाड़। यही बूढ़ा पहाड़ 30 साल तक नक्सलियों का अड्डा रहा। अब नक्सली तो यहां से भाग गए, लेकिन वे जवानों को मारने के मकसद से जगह-जगह माइंस बिछा गए हैं।

बीते एक महीने से झारखंड पुलिस, सीआरपीएफ के साथ मिलकर इस इलाके में ऑपरेशन ऑक्टोपस चला रही है। पुलिस ने तिसिया, नवाटोली और बूढ़ा पहाड़ के नजदीक कैंप भी बना लिए हैं। पुलिस का दावा है कि बूढ़ा पहाड़ पर अब कोई नक्सली नहीं बचा।

तिसिया गांव लातेहार जिले से करीब 130 किमी दूर है। यहां पहुंचने के लिए कई छोटी नदियों और पथरीले रास्तों से गुजरना होता है। आने-जाने का इकलौता साधन बाइक ही है। सड़क पर पैचवर्क कुछ महीनों पहले ही हुआ है। ट्रैफिक भी न के बराबर है।

कच्ची सड़क पर बाइक बार-बार मिट्टी में धंस जाती है। कहीं पत्थर, कहीं पानी तो कहीं बड़े-बड़े गड्ढे हैं। रास्ते में जगह-जगह सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस के एक-एक, दो-दो जवान एके-47 लेकर खड़े हैं। कुछ के पास इंसास राइफल भी है।

कुछ दूरी तय करने के बाद बूढ़ा नदी पड़ी। इसे पार करने के लिए पुलिस के जवानों ने रेत की बोरियों से टेम्परेरी पुल बनाया है। बोरियों के ऊपर सीमेंट के बड़े पाइप हैं। इन पर बाइक के पहिए स्लिप होते हैं। ऐसे दो पुलों को क्रॉस तिसिया गांव पडता है। गांव में फोर्स का कैंप है। यह कैंप अभी सीआरपीएफ के जिम्मे है। झारखंड पुलिस की स्पेशल यूनिट भी यहां तैनात है। कैंप में बिजली के लिए जनरेटर है। सोलर पैनल भी लगा है।

क्या बूढ़ा पहाड़ से सच में नक्सली भाग गए? यह सवाल बड़ा विकास से पूछा। बड़ा विकास 20 साल तक नक्सली रहे हैं। दो साल पहले ही वे जेल से बाहर आए हैं और इसी एरिया में काम करते थे। विकास कहते हैं कि जिस बूढ़ा पहाड़ की घेराबंदी की गई है, अभी तो वहां से नक्सली भाग गए हैं। कुछ समय पहले तक वहां उनका कैंप था। एक समय उस कैंप में 150 से 300 नक्सली रहते थे। पुलिस के ऑपरेशन के पहले 40-50 नक्सली वहां थे। अब वे दूसरे पॉइंट में चले गए हैं।

विकास के मुताबिक, 'नक्सलियों के ग्रुप में अभी 30 से 35 साल की एज ग्रुप के लड़के हैं। कुछ 60 से 70 साल की उम्र के भी हैं। ये सब बिहार, झारखंड के लोकल लड़के ही हैं। इनका लीडर स्वरूप यादव है। इनके पास एके-47 से लेकर तमाम दूसरे हथियार हैं। कुछ पुलिस से लूटे हुए हैं और कुछ इन्होंने खरीदे हैं।'

बूढ़ा पहाड़, पहाड़ों की एक सीरीज है। इन पहाड़ों को जितना नक्सली जानते हैं, उतना फोर्स नहीं जानती। पुलिस के इन इलाकों में कैंप बनने से नक्सलियों को राशन और सामान की सप्लाई में दिक्कत जरूर होगी, लेकिन यह कहना गलत है कि वे एरिया छोड़कर भाग गए हैं। पुलिस के ऑपरेशन चलने से वे छिप जरूर गए हैं, लेकिन भागे नहीं।

नक्सली 100 से 150 के दस्ते में घूमते हैं। इनमें नई उम्र के लड़के भी हैं, जो उगाही के लिए नक्सली बन गए। ऐसा कई बार देखने में आया है कि पुलिस के ऑपरेशन के वक्त ये लोग जमीन में हथियार गाड़कर गांव में खेती-किसानी करने लौट आते हैं। ऑपरेशन बंद होते ही फिर एक्टिव हो जाते हैं। जंगलों में जो भी ठेकेदार काम करने जाता है, उसे नक्सलियों को 10 से 20% कमीशन देना होता है। बिना कमीशन के कोई काम नहीं कर सकता। इससे नक्सलियों को अच्छी-खासी कमाई होती है। ऐसे में वे आसानी से यह जगह छोड़ने वाले नहीं। अब लड़ाई विचारधारा की नहीं, पैसा कमाने की है।

बूढ़ा पहाड़ के आसपास ही करीब 150 नक्सली छिपे हुए हैं। बूढ़ा पहाड़ करीब 55 किमी में फैला हुआ है। बहुत घना है। यहां बहुत गुफाएं, चट्टानें हैं। पुलिस अब तक इस पहाड़ पर नहीं चढ़ सकी है, क्योंकि जगह-जगह माइंस बिछी हैं। पहले कई लोग इनकी चपेट में आकर जान गंवा चुके हैं। तिसिया में कच्चे घर नजर आए। इनकी संख्या करीब 18-20 होगी। इनमें 50-60 लोग रहते हैं। दिलीप नरसिया गांव के बारे में पूछने पर बोले, 'यहां अस्पताल, सड़क, बिजली, पानी कुछ भी नहीं है। किसी की तबीयत खराब होती है तो उसे कंधे पर ढोकर ले जाते हैं।'

दिलीप 5वीं तक पढ़े हैं। पहले गांव में 5वीं तक एक कच्चा स्कूल था। तीन साल पहले वह भी टूट गया और दोबारा नहीं बन पाया। एक टीचर हैं, वे भी कभी आते हैं, कभी नहीं। आते हैं तो पेड़ के नीचे बच्चों को थोड़ा-बहुत पढ़ा देते हैं। दिलीप खुश हैं कि उनके गांव में फोर्स का कैंप बन गया है।

वहीं गांव के ही राजेंदर ने बताया कि गांव में आने के बाद दो-दो नक्सली एक-एक घर में चले जाते थे। कई बार दूसरी जगह खाना पहुंचाने का बोलते थे। गांव में मीटिंग भी करते थे और पुलिस के बारे में पूछते थे।

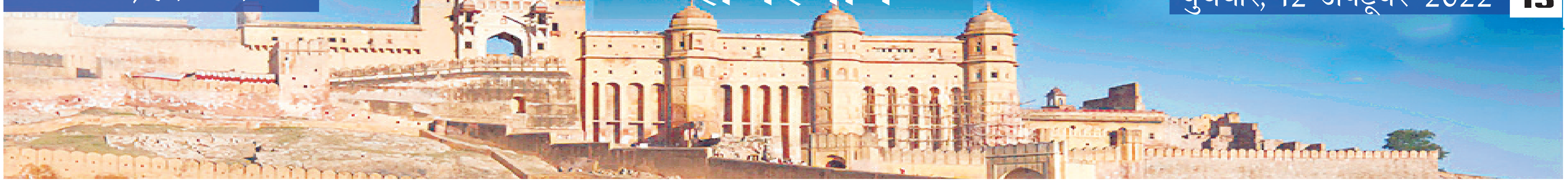

वसुंधरा राजे की जनसभा की धमक दिल्ली तक, बीजेपी में घमासान के आसार

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे की बीकानेर जिले की जनसभा में उमड़ी भीड़ की धमक ने जयपुर से दिल्ली तक सियासी संदेश दे दिया है। संदेश साफ है। राजस्थान की राजनीति में बीजेपी आलाकमान को उनकी अनदेखी 2023 के विधानसभा चुनाव में भारी पड़ सकती है। वसुंधरा राजे के शक्ति का प्रदर्शन की जयपुर से लेकर दिल्ली तक चर्चा है। चर्चा इसलिए है कि संगठन की दूरी के बावजूद वसुंधरा की सभा में भीड़ उमड़ी। भीड़ ने साबित कर दिया है कि वसुंधरा राजे की जमीनी पकड़ मजबूत है। बता दें बीजेपी अभी जिस रणनीति पर चल रही है, कह पाना मुश्किल है कि सफल हो पाएगी। बीजेपी के हर हाल में सीएम चेहरा घोषित करना ही पड़ेगा। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के समर्थक लगातार यही मांग करते आए है कि उन्हें सीएम चेहरा घोषित किया जाए, लेकिन पार्टी आलाकमान अभी तक यही संदेश दे रहा है कि पीएम मोदी के चेहरे पर ही चुनाव होगा।

राजस्थान में सीएम फेस को लेकर बीजेपी में घमासान है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा कि मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा, इसका निर्णय पार्टी आलाकमान करेगा। पूनिया का यह बयान वसुंधरा राजे समर्थकों को पंसद नहीं आ रहा है। राजस्थान की राजनीति में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत धुर वसुंधरा विरोधी माने जाते हैं। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने करणी माता के दर्शन कर सफेद चूहे के दर्शन। उनका सीधा संदेश था देवी ने आशिर्वाद दे दिया है। वह आलाकमान को कोई चुनौती नहीं दे रही है, लेकिन इशारों में जता रही है कि उनके समर्थकों की सुनी जाए। इसमें कोई दो राय नहीं है कि वसुंधरा राजे की अनदेखी बीजेपी को भारी पड़ सकती है। बता दें राजस्थान में सीएम अशोक गहलोत के बाद वसुंधरा राजे दूसरी बड़ी नेता है, जिसकी गांव-गांव में पकड़ मजबूत है। बीकानेर में शहर और देहात भाजपा संगठन इस पूरी यात्रा से दूरी बनाए हुए रहा। बावजूद उसके देशनोक और बीकानेर में जिस तरह से लोगों की मौजूदगी रही उससे कहीं न कहीं राजे पार्टी के मंच पर इस बात का मैसेज देने की कोशिश करेंगी कि आज भी राजस्थान भाजपा में भीड़ जुटाने में उनसे बड़ा कोई चेहरा नहीं है।

वसुंधरा राजे के बीकानेर दौरे के दौरान जिले के नेताओं ने दूरी बना ली, लेकिन श्रीगंगानगर से सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री निहालचंद मेघवाल और चूरू सांसद राहुल कंस्वा सक्रिय रहे। बीकानेर जिले से भाजपा के तीन विधायक हैं जिनमें सिद्धि कुमारी पूरी तरह से राजे के दौरे में साथ रहीं तो वहीं नोखा से विधायक बिहारीलाल बिश्नोई अपने विधानसभा क्षेत्र मुकाम में राजे के स्वागत में नजर आए।

ग्रामीण विकास राज्य मंत्री मंत्री गुढ़ा बोले-

भीड़ खींचने में राहुल-प्रियंका के बाद सचिन का नंबर, यूथ में क्रेज

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस में उठा सियासी बवाल एक बार शांत हो गया है, लेकिन खेमेबंदी फिर तेज होने लगी है। ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने एक बार फिर सचिन पायलट की पैरवी की है। गुढ़ा ने कहा कि सचिन पायलट का यूथ में क्रेज है। कोटा दौरे में भी सबने देखा होगा। पायलट भीड़ खींचने और जनता को आकर्षित करने में हिंदुस्तान के कांग्रेस में टॉप लीडर हैं। राहुल प्रियंका के बाद भीड़ खींचने में सचिन तीसरे नंबर पर हैं। उनका क्रेज है, यह सबको मानना पड़ेगा। गुढ़ा जयपुर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

विधायक दल की बैठकका बहिष्कार करने के मामले में गहलोत खेमे के तीन नेताओं को नोटिस के मुद्दे पर गुढ़ा ने कहा- इस पर फैसला दिल्ली को करना हैं यह हाईकमान और उन नेताओं के बीच का मामला है कि नोटिस वालों को सजा देते हैं या माफ करते हैं।

पन्नाधाय का राजपूत समाज पर कर्ज, पायलट का समर्थन उसी का असर

गुढ़ा ने कहा कि पन्नाधाय का राजपूत समाज पर बड़ा कर्ज है,

सचिन पायलट का यूथ में क्रेज है। भीड़ खींचने और लोगों को आकर्षित करने में हिंदुस्तान के अंदर कांग्रेस में टॉप लीडर हैं।

राजेंद्र सिंह गुढ़ा
ग्रामीण विकास राज्य मंत्री

उन्होंने अपने बेटे चंदन का बलिदान उदयुपर के युवराज को बचाने के लिए किया था। यह ऐतिहासिक तथ्य है। और इस चीज का फर्क पड़ता है। गुढ़ा ने पायलट का समर्थन करने को उसीके असर के तौर पर जोड़ा है। पन्नाधाय गुर्जर समुदाय से थीं। गुढ़ा ने इसी सामाजिक समीकरण का हवाला देकर पायलट का समर्थन करने का तर्क दिया है। गुढ़ा पहले भी इस संबंध में बयान दे चुके हैं।

पायलट के समर्थन में लगातार मुखर होकर बयानबाजी

ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा लगातार गहलोत खेमे के विरोध में और सचिन पायलट के पक्ष में मुखर होकर बयानबाजी कर रहे हैं। गुढ़ा ने विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करने पर गहलोत गुट के खिलाफ लगातार हमले किए थे, बाद में कांग्रेस हाईकमान ने गाइडलाइन जारी करकके नेताओं के खिलाफ बयानबाजी पर रोक लगा दी, लेकिन गुढ़ा अब भी सभाओं में मुखर हैं। दो दिन पहले उदयपुरवाटी में एक कार्यक्रम में गुढ़ा ने कहा था कि सचिन पायलट के खिलाफ बहुत बड़ा षडयंत्र रचा गया थ और उनकी छवि खराब करने का अभियान चलाया गया।

गहलोत सरकार की चौथी वर्षगांठ पर बीजेपी करेगी आंदोलन

प्रभारी अरुण सिंह बोले- मंत्री-विधायकों के इस्तीफे के बाद नैतिक बल खो चुकी गहलोत सरकार

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर के दो दिन के दौरे पर आए बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव और प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने कहा- गहलोत सरकार के मंत्री-विधायकों के इस्तीफे विधानसभा स्पीकर के पास हैं। जिसके बाद वो नैतिक बल खो चुके हैं। राजस्थान में गहलोत सरकार एक कमजोर सरकार है। लगता है सरकार नाम की चीज ही अस्तित्व में नहीं है। कई मंत्रियों को कांग्रेस हाईकमान का नोटिस भी इश्यु हुआ है। इससे उन्हें वर्किंग में भी परेशानी है। टुकड़ों में बंटी हुई कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस सरकार से जनता त्रस्त और परेशान है। मुझको नहीं लगता कि अब राजस्थान की जनता को भ्रष्टाचार से राहत मिलने वाली है। बिना अस्तित्व की सरकार को कोई नैतिक बल नहीं है कि वह सरकार में बनी रहे। अरुण सिंह ने जयपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में ये बात कही। सिंह ने कहा- हम आज बीजेपी के आंदोलन की भी तैयारी करेंगे।

राजस्थान में नवम्बर में गहलोत सरकार अपनी चौथी वर्षगांठ का जश्न मनाएगी। इस दौरान पूरे प्रदेश में बीजेपी सरकार के खिलाफ आंदोलन कर हल्ला बोलेगी। सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में धरने-प्रदर्शन करीब 10 दिन तक किए जाएंगे। राजस्थान बीजेपी आज से प्रदेश में चुनावी तैयारियों की शुरुआत करने जा रही है। विधानसभा चुनाव-2023 की तैयारियों के लिए लगभग 1 साल पहले से पार्टी पूरे प्रदेश में एक्टिव होकर प्रोग्राम तय करेगी। आज प्रदेश बीजेपी

मुख्यालय में सुबह 11 बजे से बैठकों का दौर शुरू होगा। जिनमें प्रदेश प्रभारी और राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, सह प्रभारी विजया राहटकर, प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया, संगठन महामंत्री चंद्रशेखर समेत पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। इसके बाद दोपहर 2 बजे पार्टी के आगामी कार्यक्रमों और अभियानों को लेकर प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ बैठक होगी।

सूत्रों के मुताबिक आज प्रदेश बीजेपी कार्यसमिति की बैठक भी प्रस्तावित थी, जिसे टाल दिया गया है। दोपहर 2 बजे पार्टी के आगामी कार्यक्रमों और अभियानों को लेकर प्रमुख नेताओं-कार्यकर्ताओं के साथ ही बैठक रखी गई है। 20-21 अक्टूबर को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के कोटा में बूथ सम्मेलन कार्यक्रम की तैयारी होगी। इसके बाद नवम्बर और दिसम्बर में जयपुर में बड़ी रैली और सभा की तैयारियां हैं। जिसमें 2 लाख से ज्यादा लोगों की भीड़ जुटाने की पार्टी ने तैयारी की है। पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के भी राजस्थान में दौरों की तैयारी पार्टी कर रही है।

गहलोत सरकार की चौथी वर्षगांठ पर बीजेपी प्रदेशभर में करेगी आंदोलन

प्रदेश की कांग्रेस सरकार में चल रही खींचतान और 19 अक्टूबर को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव नतीजा क्लीयर होने के बाद पैदा होने वाली तमाम स्थितियों को लेकर बीजेपी रणनीति तैयार करेगी।

पूर्वी राजस्थान में तेज बारिश का अलर्ट

अक्टूबर में टूटा 5 साल का रिकॉर्ड दस दिन में 443 फीसदी ज्यादा पानी गिरा

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। लगातार बारिश के कारण सुबह-शाम गुलाबी सर्दी का अहसास होने लगा है। अक्टूबर में तीन दिन की बरसात से तापमान में अचानक दस डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई है। राजस्थान के कई जिलों में आज सुबह हल्की धुंध भी नजर आई। वहीं, मौसम विभाग ने आज रात तक बारां और धौलपुर में भी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। अक्टूबर के पहले दस दिन में बारिश ने बीते 5 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। हालांकि, विभाग के अनुसार कल से मौसम साफ हो जाएगा। आज सुबह बीकानेर, सीकर और चूरू में धुंध के कारण नेशनल हाईवे पर गाड़ियां सड़क किनारे खड़ी नजर आईं। कुछ देर कोहरे के छंटने का इंतजार किया। हालात ऐसे थे, मानो बादल खेतों में उतर आए हैं। मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार से प्रदेश में पश्चिमी हवाओं का असर बढ़ने लगेगा और तापमान में मामूली बढ़ोतरी होगी। पिछले 24 घंटे की रिपोर्ट के अनुसार बारां, झालावाड़, सीकर, धौलपुर, झुंझुनूं, चूरू और भरतपुर बेल्ट में कई जगहों पर हल्की बारिश हुई। सबसे ज्यादा 22मिमी बरसात बारां जिले के अंता कस्बे में हुई। प्रदेश में मौसम के इस बदलाव से कई जिलों में दिन का तापमान सामान्य से 10 डिग्री सेल्सियस

तक नीचे चला गया।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर, जोधपुर, संभाग के जिलों में अब वेस्टर्न विंड (पश्चिमी हवाएं) एक्टिव होने लगी हैं, जिससे इन संभागों के जिलों में मौसम शुष्क रहने लगेगा। आने वाले 2-3 दिन दिनों में इन वेस्टर्न विंड का असर राज्य के पूर्वी हिस्सों तक बढ़ जाएगा, जिससे राज्य में मौसम पूरी तरह साफ हो जाएगा।

राजस्थान हाईकोर्ट के 40वें मुख्य न्यायाधीश बने जस्टिस पंकज मित्तल

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंकज मित्तल राजस्थान हाईकोर्ट के नए मुख्य न्यायाधीश बने हैं। केंद्र सरकार ने नियुक्ति को लेकर अधिसूचना जारी की है। 28 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने इनके नाम की सिफारिश भेजी थी।

पंकज मित्तल का जन्म 17 जून 1961 को उत्तर प्रदेश के मेरठ में हुआ था। इन्हें वकील कोटे से 7 जुलाई 2006 को एडिशनल जज बनाया गया। उसके बाद 2 जुलाई 2008 को परमानेंट जज बनाया गया। जस्टिस पंकज मित्तल 2021 तक इलाहाबाद हाईकोर्ट में रहे। उन्हें 4 जनवरी 2021 को जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट चीफ जस्टिस बनाया गया, अब वो 16 जून 2023 तक राजस्थान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रहेंगे। राजस्थान हाई कोर्ट चीफ जस्टिस के रूप में उनका करीब आठ महीने का कार्यकाल रहेगा। राजस्थान हाईकोर्ट में कार्यवाहक न्यायाधीश के रूप में एमएम श्रीवास्तव कार्य कर रहे हैं। चीफ जस्टिस एसएस शिंदे के रिटायरमेंट के बाद से ही राजस्थान हाई कोर्ट में कार्यवाहक न्यायाधीश के रूप में एमएम श्रीवास्तव कार्य कर रहे हैं।

ऐसे में सीजेआई यूयू ललित की अध्यक्षता में कॉलेजियम की बैठक में देश के तीन हाईकोर्ट में नए मुख्य न्यायाधीश और दो हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों के तबादले की सिफारिश की गई थी। इनमें पंकज मित्तल का भी नाम शामिल था।

राजस्थान बीजेपी में लड़ाई, 3 पूर्व मंत्रियों की वापसी लटकी

राजे समर्थक भाटी के कारण विवाद; प्रदेश प्रभारी बोले- पूनिया करेंगे फाइनल

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले बीजेपी में नेताओं की घर-वापसी से पार्टी में लड़ाई शुरू हो गई है। विवाद की शुरुआत देवी सिंह भाटी के वापसी के ऐलान से हुई। राजे समर्थक भाटी की एंट्री तो अब तक नहीं हुई, लेकिन दूसरे नेताओं की वापसी जरूर टल गई है। जयपुर में हुई पार्टी पदाधिकारियों और कार्यसमिति की बैठक में भी यही मुद्दा छाया रहा। हालांकि, पार्टी के प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने दैनिक भास्कर से विशेष बातचीत में स्पष्ट कर दिया है कि पार्टी प्रदेशाध्यक्ष की सहमति के बिना किसी की एंट्री संभव नहीं है। दरअसल, 8 अक्टूबर को बीजेपी नेता और पूर्व मंत्री भाटी ने बीजेपी में वापसी का ऐलान किया था। भाटी समेत 5 नेता ऐसे हैं, जो

बीजेपी में घर वापसी की कतार में बताए जाते हैं। इनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद रहे सुभाष महरिया, पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवा, पूर्व मंत्री सुरेन्द्र गोयल और पूर्व विधायक विजय बंसल शामिल हैं। सूत्र बताते हैं इनके अलावा भी 4-5 पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक, पूर्व पार्टी पदाधिकारी पार्टी में आना चाहते हैं, कई कांग्रेस नेता भी विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी में एंट्री करना चाहते हैं।

हालांकि इनसे पहले पूर्व मंत्री घनश्याम तिवाड़ी को बीजेपी ने घर वापसी करवा कर राज्यसभा पहुंचा दिया है। वहीं, पूर्व मंत्री लक्ष्मीनारायण दवे, पूर्व विधायक जगत सिंह, किशनाराम नाई की बीजेपी में घर वापसी हो चुकी है। किसी भी नेता की पार्टी में जॉइनिंग संगठन ही करवाता है। देवी सिंह भाटी ने वसुंधरा राजे के हाल ही में हुए बीकानेर दौरे के वक्त व्यवस्थाएं संभाली थीं। इससे पहले उन्होंने प्रदेश बीजेपी पदाधिकारियों से किसी तरह की बातचीत या सहमति के बिना खुद ही 8 अक्टूबर को बीजेपी जॉइन करने की घोषणा कर दी। इससे प्रदेश बीजेपी भी सकते में आ गई। इसे पार्टी में आने से पहले ही अनुशासनहीनता के तौर पर देखा गया। सूत्र बताते हैं भाटी की बीजेपी में जॉइनिंग से प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया और संगठन पदाधिकारी असहज हो सकते हैं। पिछले लोकसभा चुनाव से पहले मार्च 2019 में पूर्व मंत्री देवी सिंह भाटी ने बीजेपी पार्टी छोड़ने की घोषणा की थी। तब उन्होंने कहा था कि सांसद और केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को लोकसभा चुनाव में फिर उम्मीदवार बनाने पर उन्होंने पार्टी छोड़ने का फैसला लिया है।

रिणवा की जगह अभिनेष महर्षि को बीजेपी ने पिछले विधानसभा चुनाव में टिकट दिया था, जो दो दिन पहले ही बसपा से बीजेपी में आए थे। उससे पहले वे कांग्रेस में थे।

रेप आरोपियों के टॉयलेट में चिपकाए पोस्टर

तीनों को बताया जा रहा फरार, पुलिस ने कहा- चल रही जांच

अजमेर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। अजमेर में महिला के दुष्कर्म मामले में आरोपी व्यापार महासंघ के अध्यक्ष महेंद्र बंसल और अन्य आरोपियों के पोस्टर बाथरूम में लगाने का मामला सामने आया है। वहीं, मामले की जांच कर रही डीएसपी छवि शर्मा ने आरोपियों को फरार घोषित करने से इनकार किया है। शर्मा के अनुसार जिसने भी यह पोस्टर लगाए हैं, वह गलत है। अगर शिकायत मिली तो मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि अजमेर बस स्टैंड के सामने स्थित शौचालय में अज्ञात लोगों ने आपत्तिजनक पोस्टर चिपकाए। इसमें लिखा कि अजमेर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष महेंद्र बंसल, उनका पुत्र चितलेश बंसल, भतीजा रेलिश बंसल फरार है।

उल्लेखनीय है कि बंसल व अन्य के खिलाफ पिछले दिनों एक महिला ने लेनदेन के विवाद में कोतवाली थाने में दुष्कर्म सहित अन्य आरोपों के तहत मुकदमा दर्ज कराया था। जांच अधिकारी सीओ नार्थ छवि शर्मा ने बताया कि फिलहाल मामले में जांच कर साक्ष्य व गवाह जुटाए जा रहे हैं। जुर्म प्रमाणित पाए जाने पर आरोपियों कौ गिरफ्तारी होगी। बता दे की अज्ञात लोगों ने शहर की सड़को को छोड़कर सिर्फ रोडवेज बस स्टैंड के सामने टॉयलेट में ही 3 पोस्टर लगाए है। बाकि पुरे शहर में और कही पर पोस्टर नहीं लगे हुए है। जिसके बाद से यह पोस्टर चर्चा का विषय बने हुए है। इस मामले में बात करने के लिए महेंद्र बंसल से संपर्क किया तो उनके दोनों नंबर ऑफ मिले।

जयपुर की युवती से दिल्ली में गैंगरेप

कोल्डड्रिंक में मिलाकर दिया नशा, बेहोशी की हालत में किया रेप

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर की युवती से दिल्ली में गैंगरेप का मामला सामने आया है। जॉब दिलाने का झांसा देकर बॉयफ्रेंड उसे दिल्ली ले गया था। नशीली कोल्डड्रिंक पिलाकर उससे निकाह कर लिया। बेहोशी की हालत में दुष्कर्म कर अश्लील वीडिया बनाया। ब्लैकमेल कर लगातार नशीली कोल्डड्रिंक पिलाई गई। बेहोशी की हालत में अलग-अलग लोग गैंगरेप करते रहे। जयपुर पहुंचकर पीड़िता ने झोटवाड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

पुलिस ने बताया कि झोटवाड़ा निवासी 19 साल की युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वह कॉम्पिशिटन एग्जाम की तैयारी कर रही है। रिपोर्ट में बताया कि प्यार में फांसने के लिए मोहम्मद नदीम खान (37) उसके घर के आसपास चक्कर लगता था। दोस्ती होने पर दोनों में बातचीत होने लगी। बातचीत के दौरान उसने उसे दिल्ली में

मल्टीनेशनल कंपनी में जॉब लगाने का झांसा दिया।

बोले- या खुदा हम कामयाब हुए

रिपोर्ट में बताया कि 2 अगस्त 2022 को सुबह करीब 4 बजे आरोपी नदीम उसे बहला-फुसलाकर घर से अजमेर भगा ले गया। एक दिन अजमेर रुकने के बाद उसे दिल्ली ले गया। दिल्ली में रहने वाले परिवाजनों के पास उसे ले गया। वहां नदीम के साथी देखते ही बोले- या खुदा हम कामयाब हुए। वह कुछ समझ पाती इससे पहले ही उसके निकाह की तैयारी कर ली। उसे कोल्डड्रिंक में नशा मिलाकर पिलाया। रात करीब 1 बजे काजी को फ्लैट पर बुलाकर नदीम से निकाह करा दिया।

दुष्कर्म कर बनाया अश्लील वीडियो

बेहोशी ही हालत में उसके साथ नदीम ने रेप किया। सुबह होश आने पर नदीम से पूछने पर उसने अपने मोबाइल में बनाया अश्लील वीडियो दिखाया।

सरकारी अस्पताल में दवा के बहाने मरीज को एकांत में ले गया कंपाउंडर

रेप करते हुए परिजनों ने पकड़ा

भरतपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। धौलपुर जिला अस्पताल में एक शर्मनाक घटना सामने आई है। जब अस्पताल में भर्ती एक महिला मरीज को वहां तैनात कंपाउंडर ने गोली देने के बहाने बुलाया। वहां उसने महिला के साथ दुष्कर्म किया। इसी दौरान महिला के परिजनों को इस घटना के बारे में पता चला तो आरोपी कंपाउंडर राम लखन परमार की जमकर पिटाई कर डाली। परिजनों ने आरोपी को मौके से नग्न हालत में पकड़ा जिसका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। इस घटना को लेकर जिला अस्पताल प्रशासन ने एक जांच कमेटी गठित कर दी है। हालांकि महिला की तरफ से अभी तक पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

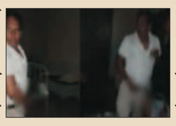

जानकारी के मुताबिक यह घटना विगत रविवार रात की है जब अस्पताल में तैनात कंपाउंडर राम लखन परमार वहां भर्ती एक महिला पुलिस को गोली देने के बहाने एकांत में ले गया। वहां महिला के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। लोकलाज के डर से महिला और उसके परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई है। जब इस घटना का वीडियो वायरल हुआ तो प्रशासन भी हरकत में आया। धौलपुर जिला अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ समर वीर सिंह ने बताया कि अस्पताल में इस तरह की घटना किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मामले की जांच के लिए एक जांच कमेटी का गठन किया गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद उचित कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

पीड़ित महिला ने बताया कि उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है और वहां तैनात एक कंपाउंडर दवा देने के बहाने एकांत में ले गया। वहां उसने लेटने को कहा और फिर गलत काम किया। परिजनों ने बताया कि महिला को कंपाउंडर कमरे के अंदर ले गया। शक होने पर वे मौके पर पहुंचे लेकिन दरवाजा लगा हुआ था। जब दरवाजा जोर से खोला तो कंपाउंडर नग्न हालत में था।

मिधानि में साइबर जागरूकता माह का उद्घाटन

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा मंत्रालय के उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में साइबर जागरूकता दिवस का उद्घाटन एक व्यापक तरीके से जन जागरूकता अभियान के रूप में मासोत्सव 6 से 31 अक्टूबर 2022 तक के रूप में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. एसके झा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और विशिष्ट अतिथि श्री के वी एम प्रसाद, सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी), साइबर अपराध पुलिस स्टेशन-हैदराबाद सिटी ने किया। गौरी शंकर राव, निदेशक (वित्त) और मिधानि के सीआईएसओ श्री टी मुत्तुकुमार, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

गणमान्य व्यक्तियों ने मिधानि के वरिष्ठ अधिकारियों सहित सभा में उपस्थित अधिकारियों को संबोधित किया। मुख्य अतिथि डॉ. एसके झा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने मिधानि में साइबर सुरक्षा के लिए किए गए विविध प्रयासों व उसमें आए सुधार की प्रशंसा की। उन्होंने पर्याप्त आईटी अवसंरचना की उपलब्धता को रेखांकित करते हुए और उपयोगकर्ताओं को साइबर सुरक्षित पद्धतियों के अनुपालन की जिम्मेदारी से अवगत कराया। विशेष अतिथि केवीएम प्रसाद, एसीपी ने हाल के दिनों में होने वाले साइबर अपराध और धोखाधड़ी के विभिन्न वास्तविक घटनाओं पर चर्चा की। उन्होंने साइबर अपराधियों द्वारा उपयोग की जा रही तरकीबों को साझा किया और कर्मचारियों को साइबर अपराध का शिकार न होने के लिए जागरूक किया। उन्होंने यह भी कहा कि मानवीय भूल के बिना कोई भी साइबर अपराध संभव नहीं है। गौरीशंकर राव, निदेशक (वित्त) ने आईटी सिस्टम साइबर सुरक्षा के महत्व, आधिकारिक और व्यक्तिगत लेनदेन में साइबर जागरूकता के आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए। टी मुत्तुकुमार, निदेशक (पी एंड एम) ने साइबर सुरक्षा के लिए क्या करें और क्या न करें, मेल सुरक्षा की सर्वोत्तम प्रथाओं और वर्गीकृत सूचनाओं की सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला।

सीएसओ, मिधानि ने मिधानि साइबर पोस्चर पर विस्तृत प्रस्तुति दी और उपचारात्मक कार्रवाई के लिए संबंधित एजेंसियों को असामान्य साइबर गतिविधि की त्वरित रिपोर्टिंग की प्रणाली पर प्रकाश डाला। आयोजन के दौरान, गणमान्य व्यक्तियों ने मिधानि के इंट्रानेट में साइबर सुरक्षा पोर्टल लॉन्च किया। आईटी विभाग ने हर महीने के पहले बुधवार को साइबर जागरुकता दिवस (सीजेडी) मनाने के लिए भविष्य की योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

कर्मनघाट हनुमान मंदिर के अधिकारियों से छठ पूजा के लिए अनुमति देने का आग्रह

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तर भारती नागरिक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने 4 दिवसीय छठ पूजा के संबंध में कर्मनघाट हनुमान मंदिर के अध्यक्ष ई. ईश्वरअम्मा, ईओ श्रीनिवास शर्मा, मंदिर समिति निदेशक अशोक गौड़ से मुलकत कर छठ पूजा के लिए अनुमति देने का आग्रह किया। इस दौरान संघ के चेयरमैन एनके सिंह, मनोहर सिंह, अमरजीत सिंह एवं मंदिर कमेटी के चेयरमैन और ईओ से छठ पूजा के संदर्भ में विस्तार से बातचीत की। इस बार छठ पूजा से 1 हफ्ते पहले ही तालाब की साफ सफाई एवं पेंटिंग का काम पूरा कर लिया जाएगा। इसबार बड़े धूम धाम से चाट पूजा का आयेंगे किया जाएगा। मंदिर समिति के अध्यक्ष ने अपना भरपूर सहयोग देने के लिए आश्वासन दिया और पूजा में शामिल होने के लिए भी सहमत हुए। तत्पश्चात संघ के अध्यक्ष एनके सिंह, मनोहर सिंह, अमरजीत सिंह (युवा अध्यक्ष), राजकुमार पांडे, एचके ओझा, आदित्य सिंह, राजू वर्मा और मंदिर समिति के सुरक्षा अधिकारी ने पूजा स्थल (तालाब) का निरीक्षण किया।

दमरे ने गुंतकल मंडल के रचगुन्नेरी से वाहनों की लोडिंग शुरू की

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के गुंतकल डिवीजन ने लगभग 15 वर्षों की अवधि के बाद रेलवे के माध्यम से श्रीकालहस्ती के पास रचगुन्नेरी स्टेशन से ऑटोमोबाइल जैसे कारों की लोडिंग को पुनर्जीवित किया है।

25 एनएमजी कोचों में कुल 125 कारों को लाद कर 2,171 किलोमीटर की दूरी तक हरियाणा के फरुखनगर पहुंचाया गया है। यह गुंतकल मंडल के बिजनेस डेवलपमेंट टीम (बीडीयू) के ईमानदार और निरंतर प्रयासों से संभव हुआ है। दक्षिण मध्य रेलवे हाल के वर्षों में माल ढुलाई में सुधार के लिए कड़े प्रयास कर रहा है। गुंतकल मंडल की बीडीयू टीम नए यातायात को आकर्षित करने और पुराने यातायात को पुनर्जीवित करने में सफल रही है। गुंतकल मंडल के राचागुन्नेरी को वाहनों की लोडिंग के लिए रैंप और एप्रोच रोड की सुविधा मिली है। इस यातायात को आकर्षित करने के लिए, रेलवे अधिकारियों ने इस स्टेशन से कारों की लदान करने के लिए माल ढुलाई ग्राहकों को लाने के लिए व्यापक विपणन प्रयास किए। यह स्टेशन तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में स्थित कार निर्माण इकाई से लोडिंग के लिए सुविधाजनक स्थान है।

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक (प्रभारी) अरुण कुमार जैन ने माल ढुलाई को बढ़ाने के लिए गुंतकल डिवीजन के रेलवे अधिकारियों, परिचालन और वाणिज्यिक टीमों को उनके निरंतर प्रयासों के लिए बधाई दी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे माल ढुलाई करने वाले ग्राहकों को यथासंभव सहयोग प्रदान करें ताकि निरंतर लदान के साथ जोन की माल ढुलाई में और सुधार हो सके।

37 साल बाद विजयवाड़ा में भाकपा राष्ट्रीय कांग्रेस का आयोजन 14 से

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा राष्ट्रीय कांग्रेस का आयोजन 14 से 18 अक्टूबर तक विजयवाड़ा में होगा। भाकपा देश के कुछ सबसे पुराने राजनीतिक दलों में से एक है। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन और स्वतंत्र देश में कई लोगों के संघर्ष में इसका गौरवशाली इतिहास रहा है।

पार्टी की 24वीं राष्ट्रीय कांग्रेस 14 से 18 अक्टूबर के बीच आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा शहर में होगी। विजयवाड़ा 37 साल बाद भाकपा राष्ट्रीय कांग्रेस की मेजबानी कर रहा है। यह राष्ट्रीय सम्मेलन एक ऐतिहासिक मोड़ पर आयोजित किया जा रहा है, जब देश के लोग सबसे बुरी तरह की कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, रुपये का मूल्य अपने ऐतिहासिक निचले स्तर पर है और इसके अलावा मामलों के शीर्ष पर फासीवादी आरएसएस, भाजपा है।

देश के एक जिम्मेदार राजनीतिक दल के रूप में भाकपा राष्ट्रव्यापी भाजपा के खिलाफ लड़ने के लिए एक व्यापक धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक, वाम दलों के मंच का निर्माण करने का प्रयास कर रही है। वाम दल के नेता राष्ट्रीय सम्मेलन की तर्ज पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करने और गैर-भाजपा दलों और मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित करने की योजना बना रहे थे। देश भर के विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि भाकपा की 24वीं राष्ट्रीय कांग्रेस में भाग लेंगे और लगभग 20 देशों के विदेशी प्रतिनिधि सम्मेलन में भाग लेंगे। सम्मेलन वैकल्पिक राजनीतिक और आर्थिक नीतियों पर विचार-विमर्श करेगा और ऐतिहासिक निर्णय और संकल्प लेगा।

वैष्णव समाज का दीपावली स्नेह मिलन व अन्नकूट 30 को, हुई बैठक

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। धम्माईगुडा स्थित वैष्णव धाम राम मंदिर मे तेलंगाना वैष्णव नवयुवक मंडल समाज बन्धुओं के सान्निध्य में विशेष मीटिंग आयोजितकर दीपावली स्नेह मिलन व अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम 30 अक्टूबर को आयोजित करने पर विचार-विमर्श किया गया। जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष विष्णु रामावत ने बताया कि श्री वैष्णव धाम राम मंदिर मे समाज बन्धुओं के सान्निध्य मे विचार-विमर्शकर 30 अक्टूबर को दीपावली स्नेह मिलन व अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अवसर पर आगामी कार्यकाल के लिए नयी कार्यकारिणी गठितकर शपथ ग्रहण कार्यक्रम व वैष्णव धाम राम मंदिर मे चल रहे निर्माणाधीन कार्यो को पूर्ण कराने के लिए समाज बन्धुओं के भामाशाहों से विचार-विमर्शकर सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मंदिर प्रांगण में पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए पूजा-अर्चना के पश्चात् ठाकुरजी को भोग लगाकर विशेष अन्नकूट प्रसाद का वितरण किया जाएगा। अध्यक्ष विष्णु रामावत ने उपरोक्त कार्यक्रम मे समाज बन्धुओं से निवेदन किया है कि समाज की एकता का परिचय देते हुए सपरिवार समय पर पधारकर कार्यक्रम को सफल बनावे।

बहुभाषी कवि सम्मेलन में बही काव्य की रस धारा

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कर्नाटक साहित्य मंदिर, काचीगुड़ा में संस्था के तत्वावधान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हर्षोल्लास वातावण में किया गया। संस्था के सचिव नरसिम्हा मूर्ति ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए कर्नाटक साहित्य मंदिर की बहुआयामी गतिविधियों पर प्रकाश डाला। नौ दिवसीय कार्यक्रमों में राष्ट्रीय एकता और सद्भावनाओं के कार्यक्रमों के साथ-साथ संगीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नाटक, स्कूली बच्चों के कार्यक्रमों को विशेष महत्व दिया गया। कार्यक्रमों में समाज सेवियों और विशिष्ट व्यक्तियों को मुख्य अतिथि और विशेष अतिथियों के रूप में आमंत्रित किया जाता है। इस बहुभाषी कवि सम्मेलन के मुख्य अतिथि बैंगलुरु से पधारे वरिष्ठ साहित्यकार व समाजसेवी अंजन कुमार यादव थे। कवयित्री विजय लक्ष्मी बस्वा ने कवि सम्मेलन का कुशल संचालन किया। कवि सम्मेलन में देश की रक्षा, सावन, शृंगार, विरह, आतंकवाद, देश की समसामयिक समस्याओं और हास्य व्यंग्य की कविताओं का पाठ किया गया। बहुभाषी कवि सम्मेलन में कविता पाठ करने वाले कवियों में गोविंद अक्षय, शोभा देशपांडेय, के.आर. उषा, डी. बी. राघवेंद्र राव, बी. वी. रमना राव, माया कंटला नारायण रेड्डी, रघु श्री, मीरा आर. जोशी, संतोष कुमार मिश्र माधुर्य, सी. रमेश बाबू, डॉ. प्रभास चंद्र सिंह चंदर, डॉ. एम. नागेश्वर राव, रघुनाथ, सीताराम माने, पुरुषोत्तम कड़ेल, डी. प्रकाश, सत्यनारायण काकड़ा, पूजा हवेली, इब्राहिम खान अयाज, डॉ. वेदा, रामाकृष्णा चंद्रमणि गुरुराज कुलकर्णी, अनिल कुमार गुप्ता, विजय लक्ष्मी बस्वा, डी. बी. राघवेंद्र राव, गुरुराज कुलकर्णी आदि के नाम सम्मिलित हैं। सभी कवियों और अतिथियों को आकर्षक स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

साइबराबाद सीपी ने एआरपीसी की सराहना की

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद सीपी स्टीफन रवींद्र ने आज पीएचडी की डिग्री मिलने पर डॉ. घनपुरम सुदर्शन को बधाई दी। वे साइबराबाद सीएआर मुख्यालय में एआर पुलिस कांस्टेबल के रूप में कार्यरत है। अंतराराम गांव चेवेल्ला मंडल रंगारेड्डी जिले के घनपुरम सुदर्शन ने उस्मानिया विश्वविद्यालय के तेलुगु विभाग में प्रो. एस. कमलाकार शर्मा की देखरेख में "तेलंगाना राष्ट्रीय आंदोलन कहानी साहित्य" विषय पर पीएचडी की। इस मौके पर एआरपीसी सुदर्शन ने सीपी से मुलाकात की। सीपी ने एआरपीसी को बधाई दी और भविष्य में और अधिक सफलता हासिल करने के लिए नकद इनाम दिया। इस अवसर पर सुदर्शन ने कहा कि वह इससे पहले सुरक्षा और अन्य पुलिस पत्रिकाओं के लिए कई लेख और कहानियां लिख चुके हैं।

जैन संस्थाओं एवं प्रतिष्ठित महानुभावों को निवेदन

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जैन मंदिर रेगोड में सहयोग देने हेतु श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन संस्था आगापुरा, श्री आदिनाथ राजेंद्र सुरी जैन श्वेतांबर संघ अरिहंत टावर, जैन संस्थाओ एवं प्रतिष्ठीत महानुभावों को निवेदन किया गया। विज्ञप्ति में बताया गया कि ट्रस्ट द्वारा जीर्णोद्धार किये जा रहे श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर रेगोड (संगारेड्डी) में सहयोग देने हेतु श्री आदिनाथ राजेंद्र सुरी जैन श्वेतांबर संघ अरिहंत टावर, श्री चंद्रप्रभ दिगंबर जैन संस्था आगापूरा हैदराबाद को निवेदन पत्र दिया गया। इस अवसर पर आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रेनोवेशन ट्रस्ट के चेयरमैन आर के जैन, वाईस चेयरमैन जसमत पटेल, अध्यक्ष मुकेश भाई चौहान, सेक्रेटरी रिद्धिश जागीरदार, श्री आदिनाथ राजेंद्र सुरी जैन श्वेतांबर संघ अरिहंत टावर के मंत्री संघवी महावीर खांटेड, श्री चंद्र प्रभु दिगंबर जैन मंदिर केसरबाग आगापूरा के अध्यक्ष विनोद बज, प्रवीण पंड्या एवं अन्य उपस्थित रहे। जीर्णोद्धार मे सहयोग हेतु महेश बैंक के चेयरमैन रमेश बंग, प्रतिष्ठित वकील सतीश काबरा को भी निवेदन पत्र दिया गया।

पूर्व मुख्यमंत्रियों में वाईएसआर, चंद्रबाबू ही बेहतर : मंत्री केटीआर

हैदराबाद, 11 अक्तूबर(स्वतंत्र वार्ता)। राज्य उद्योग मंत्री केटी रामाराव ने कहा कि, पूर्व मुख्यमंत्रियों में वाईएस राजशेखर रेड्डी, एन.चंद्रबाबू नायुडू ही बेहतर हैं। इस संदर्भ में, उद्योग मंत्री केटीआऱ ने प्रेस को बताया कि, निकट भविष्य़ में मुनुगोडु में उप चुनाव आयोजित हो रहा है तथा इस मुनुगोडु उप चुनाव के उपलक्ष्य में उन्होंने अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। जिसमें उन्होंने कहा कि, मुनुगोडू उप चुनाव आयोजित होने से पहले बीजेपी, तेदेपा, कांग्रेस जैसी कई पार्टियों के नेताओं के बीच अनाप शनाप शाब्दिक युध्द चल रहा है। इससे साफ जाहिर है कि, इन पार्टियों के नेताओं ने इस उप चुनाव में ऐनकेन प्रकारेण जीत पाने के लिए अपना आपा खोया है तथा इसके चलते वे एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप कर रहे हैं।

माता-पिता ने गांजे के आदी बेटे को मार डाला, पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया

नलगोंडा, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। गांजे के आदी बेटे द्वारा उत्पीड़न से तंग आकर एक पिता और मां ने कथित तौर पर रस्सी से उसकी गला दबाकर हत्या कर दी और बाद में सूर्यापेट जिले के तिरुमलगिरी में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

पुलिस के अनुसार तिरुमलगिरी के आदर्श नगर निवासी यादगिरी और वेंकटम्मा का पुत्र अमनगंती किरण (23) गांजे का आदी था और पिछले तीन साल से अपने परिवार के सदस्यों को परेशान कर रहा था। वह पहले तिरुमलगिरी में डीजे साउंड सिस्टम का व्यवसाय चला रहा था और उसने प्रेम विवाह किया था। हालांकि, गांजा पीने के बाद उसके उत्पीड़न को सहन करने में असमर्थ, उसकी पत्नी अपने बेटे को ले गई और उसे अपने माता-पिता के साथ रहने के लिए छोड़ दिया। किरण के माता-पिता भी उसके उत्पीड़न से बचने के लिए हैदराबाद चले गए।

पिछले हफ्ते वे अपने एक रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए घर लौटे थे। जब वे सोमवार को हैदराबाद लौटने की तैयारी कर रहे थे, तो किरण ने उनसे बहस की। उसने उन्हें घर छोड़ने की अनुमति नहीं दी, यह पूछते हुए कि अगर वे चले गए तो कौन उसे पैसे देगा। कहा जाता है कि अपने व्यवहार से पहले से ही परेशान और क्रोधित, यादगिरी और वेंकटम्मा के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने रस्सी पकड़ ली और किरण की गला घोंटकर हत्या कर दी।

इसके बाद वे पुलिस स्टेशन पहुंचे, जहां उन्होंने यह कहते हुए पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया कि उन्होंने अपने ही बेटे को मार डाला है क्योंकि वह गांजे, धूम्रपान की आदत नहीं छोड़ेगा। तिरुमलगिरी के सब-इंस्पेक्टर शिव कुमार ने कहा कि उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस बीच किरण के शव को पोस्टमार्टम के लिए तुंगथुर्ति के सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया।

मंत्रियों व बड़े अफसरों को 15 दिन में दो बार झेलनी पड़ी पीएम नरेंद्र मोदी की नाराजगी

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दो हफ्तों में अलग-अलग बैठकों में केंद्रीय मंत्रियों और वरिष्ठ सचिवों को फटकार लगाई है। इसके बाद पीएम मोदी के मंत्री बदलाव को लेकर चिंतित दिखाई दे रहे हैं। पीएम मोदी की नाराजगी का एक कारण राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (एनएससीएस) द्वारा भेजे गए बैकग्राउंड नोट की अनदेखी करने वाले मंत्रालय थे। इस नोट में दवाओं के निर्माण के लिए आयातित दवा सामग्री पर निरंतर निर्भरता के खिलाफ एक चेतावनी भी थी। पीएम मोदी ने महसूस किया कि बदलते अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के मद्देनजर सोच को लगातार अद्यतन करने के बजाय सरकार में बहुत अधिक शालीनता और दिमाग का प्रयोग नहीं किया गया था।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत एक सकारात्मक स्थान के रूप में उभरा : प्रो. कृष्णमूर्ति

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रोफेसर कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यम, कार्यकारी निदेशक (भारत)- नामित, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, वाशिंगटन डीसी और पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार, भारत सरकार ने अखिल भारतीय सेवाओं, केंद्रीय सिविल सेवाओं और सैन्य अभियंता सेवाओं को संबोधित किया। अधिकारी, जो तेलंगाना के डॉ एमसीआर एचआरडी संस्थान में अपने संबंधित फाउंडेशन पाठ्यक्रम में भाग ले रहे हैं। उनके संबोधन का विषय "भारत की कहानी का प्रसार" था।

प्रो. सुब्रमण्यम ने गर्व की भावना के साथ कहा कि भारत एक दशक के विकास के +7% पर प्रवेश करने के लिए तैयार है, जो आईएमएफ के पूर्वानुमान के अनुरूप था। उन्होंने यह भी कहा कि भारत विश्व अर्थव्यवस्था में एक सकारात्मक स्थान के रूप में उभरा है, जो कि अच्छी तरह से तैयार की गई नीति प्रतिक्रियाओं के कारण है जो कोविड संकट के दौरान लागू किए गए थे। प्रो. सुब्रमण्यम ने कहा कि नीति प्रतिक्रिया ने लॉकडाउन के दौरान भी आवश्यक वस्तुओं की आवाजाही की अनुमति देकर आपूर्ति पक्ष में व्यवधानों को संबोधित किया, क्योंकि आपूर्ति श्रृंखला में किसी भी व्यवधान ने अर्थव्यवस्था को एक बार फिर से शुरू करना बेहद मुश्किल बना दिया होगा। मांग पक्ष पर, उन्होंने कहा, कि पीएम गरीब कल्याण योजना जैसी लक्षित योजनाएं शुरू की गईं, जो एफसीआई के स्टॉक का उपयोग करके 80 करोड़ गरीब लोगों को मुफ्त राशन प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र और शहरी गरीबों की ऋण जरूरतों को पूरा करने के लिए, एक आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना शुरू की गई थी, जिसमें सरकार ने बैंक ऋण के लिए गारंटी प्रदान की हैग। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे के खर्च में वृद्धि निजी क्षेत्र के निवेश में "भीड़" करेगी और लंबी अवधि की संपत्ति के निर्माण और अंततः रोजगार सृजन के माध्यम से आपूर्ति पक्ष को संबोधित करेगी।

प्रो. सुब्रमण्यम ने कहा कि भारत ने लक्षित मांग-पक्ष प्रोत्साहन के साथ आपूर्ति-पक्ष उपायों को शुरू करने के एक अद्वितीय आर्थिक मार्ग का अनुसरण किया। 2009-10 में वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान लागू किए गए नीतिगत उपायों के तुलनात्मक विश्लेषण के आधार पर, 2020-21 में केविड संकट के जवाब में लागू किए गए नीतिगत उपायों के आधार पर, प्रोफेसर सुब्रमण्यम ने देखा कि, क्या भारत ने केवल इसी तरह की नीति का पालन किया था मांग-पक्ष राजकोषीय प्रोत्साहन, यह आज + 20% की चौंका देने वाली मुद्रास्फीति का अनुभव कर रहा होगा। कोविड नीति प्रतिक्रिया का विश्लेषण करते हुए, प्रोफेसर सुब्रमण्यम ने कहा कि जैसे ही भारतीय अर्थव्यवस्था केंविड संकट से उभरती है, यह पहले के संकट के समय की तुलना में कहीं अधिक लचीला है। उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक दृष्टि को कुशल कल्याण, नैतिक धन सृजन और सार्वजनिक खर्च से निजी निवेश का एक अच्छा चक्र बनाने के साथ विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

इस अवसर पर बेन्हुर महेश दत्त एक्का, आईएएस, डीजी, डॉ एमसीआर एचआरडी इंस्टीट्यूट और तेलंगाना सरकार के प्रधान सचिव ने प्रो के सुब्रमण्यम को स्मृति चिन्ह भेंट किए।

प्रवासी जाट अधिवेशन में उमडा जाट बंधुओं का सैलाव

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बेंगलूरू के टाउन हॉल में अंतर्राष्ट्रीय जाट संसद द्वारा प्रवासी जाट अधिवेशन आयोजित किया गया। आज यहां तेलंगाना जाट एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार देश भर से जाट समाज ने बेंगलूरू दक्षिण भारत से आकर जो प्यार, समान, आशीर्वाद और मार्गदर्शन दिया उसके लिए बेंगलुरु जाट समाज हमेशा आपका आभारी रहेंगा। कार्यक्रम के सफल बनाने में प्रधान संयोजक रामसिंह कुलेरी, अन्य सहयोजकों में रामलाल सेवलीया, रामनिवास ढिगला, संपतराम पूनिया, गणपत लाल आकोदिया, धनराज सारण, रामलाल गोदारा, हनुमान जनावा, मोती राम, रामनिवास ककड़ावा, रतन भाबू, छोटूराम कूड़िया का विशेष योगदान रहा। जाट समाज ने दक्षिण भारत सहित देश के कोने-कोने से आए जाट समाज बंधुओं को धन्यवाद दिया।

तीसरा वनडे 7 विकेट से जीता भारत

12 साल बाद अपनी धरती पर साउथ अफ्रीका को वनडे सीरीज में हराया

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज को टीम इंडिया ने 2-1 से जीत लिया है। ये 12 साल के बाद पहला मौका है, जब भारतीय टीम ने अपनी सरजमीं पर साउथ अफ्रीका से कोई वनडे सीरीज जीती है। इससे पहले 2010 में टीम इंडिया ने आखिरी बार 2-1 से सीरीज जीता था। वहीं, 2015 में धोनी की कप्तानी में 5 मैचों की वनडे सीरीज में भारत को 2-3 से हार मिली थी।

तीसरे वनडे में टीम इंडिया ने 7 विकेट से जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए पूरी अफ्रीकी टीम 27.1 ओवर में 99 रन पर ऑलआउट हो गई। ये साउथ अफ्रीका का भारत के खिलाफ सबसे छोटा स्कोर है। इससे पहले 1999 में भारत ने अफ्रीकी टीम को 117 रन पर ऑलआउट किया था। भारत के लिए सबसे ज्यादा 4 विकेट कुलदीप यादव ने लिए। वहीं, शाहबाज अहमद, मोहम्मद सिराज और वाशिंगटन सुंदर को 2-2 विकेट मिले।

जवाब में भारत ने 19.1 ओवर में 3 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। सबसे ज्यादा 49 रन शुभमन गिल ने बनाए।

साउथ अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक तीसरे वनडे में कुछ खास नहीं कर पाए। उन्हें वाशिंगटन सुंदर ने आउट किया। डिकॉक के बल्ले से 10 बॉल में सिर्फ 6 रन निकले।

अफ्रीकी टीम को दूसरा झटका मोहम्मद सिराज ने दिया। उन्होंने यानेमन मलान को 15 रन बनाने के बाद पवेलियन भेजा। शानदार फॉर्म में चल रहे रीजा हेंड्रिक्स का विकेट भी मोहम्मद सिराज ने लिया। उन्होंने 21 बॉल में 3 रन बनाए।

मार्करम का विकेट शाहबाज अहमद ने लिया। उन्होंने 19 बॉल में 9 रन बनाए। वहीं, पूरी तरह सेट हो चुके क्लासन को 34 रन बनाने के बाद शाहबाज ने बोल्ड कर दिया।

शानदार फॉर्म में चल रहे कप्तान मिलर को वाशिंगटन सुंदर ने बोल्ड किया। वहीं, एंडिले फेहलुकवायो को विकेट कुलदीप यादव ने लिया।

टीम इंडियाः शिखर धवन (कप्तान), शुभमन गिल, ईशान किशन, श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, शार्दूल ठाकुर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज और आवेश खान।

साउथ अफ्रीकाः क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), यानेमन मलान, रीजा हेंड्रिक्स, एडेन मार्करम, हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर (कप्तान), मार्को जैन्सन, एंडिले फेहलुकवायो, ब्योर्न फोर्तूइन, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्त्या।

जान लेते हैं पिछले मुकाबले में क्या हुआ?

दूसरे मुकाबले में साउथ अफ्रीका को भारत ने 7 विकेट से हराया था। इस जीत के साथ भारत ने सीरीज में 1-1 से बराबरी हासिल कर ली थी। मैच में साउथ अफ्रीका के कप्तान केशव महाराज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था और उनकी टीम ने 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 278 रन बनाए थे। सबसे ज्यादा रन एडेन मार्करम के बल्ले से निकले थे। उन्होंने 89 बॉल में 79 रन की पारी खेली थी। वहीं, रीजा हेन्ड्रिक्स ने 76 बॉल में 74 रन बनाए थे।

जवाब में श्रेयस अय्यर और ईशान किशन की शानदार पारियों के दम पर टीम इंडिया को जीत मिली थी। अय्यर ने अपने वनडे करियर का दूसरा शतक जड़ा था। उन्होंने 111 बॉल का सामना किया था और 113 रन की पारी खेली थी। वहीं, ईशान ने मैच में 93 रन बनाए थे। इस दौरान उनके बल्ले से 7 छक्के निकले थे। संजू सैमसन ने भी 30 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली थी।

रोजर बिन्नी बनेंगे बीसीसीआई अध्यक्ष

1983 वर्ल्ड कप में लिए सबसे ज्यादा विकेट, भारत के पहले एंग्लो इंडियन क्रिकेटर

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीसीसीआई चुनाव की नामांकन प्रक्रिया मंगलवार को शुरू हो चुकी है। अब सौरव गांगुली के बाद बीसीसीआई को नया अध्यक्ष मिलेगा। इसमें 1983 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे रोजर बिन्नी अध्यक्ष पद के लिए सबसे बड़े दावेदार साबित हो रहे है।

67 साल के रोजर बिन्नी भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी है। इनका जन्म कर्नाटक के बेंगलुरु में हुआ था। बिन्नी भारतीय क्रिकेट टीम में खेलने वाले पहले एंग्लो-इंडियन प्लेयर बने। रोजर बिन्नी ने 1977 में कर्नाटक टीम के लिए केरल के खिलाफ 211 रन बनाए थे। इसके बाद उनका नाम डोमेस्टिक क्रिकेट में चलने लगा। ऑलराउंडर बिन्नी ने 1979 में बैंगलोर के चिन्नास्वामी स्टेडियम पाकिस्तान के खिलाफ नेशनल टीम के लिए डेब्यू किया। बिन्नी ने भारतीय टीम के लिए 27 टेस्ट और 72 वन-डे गेम खेले। रोजर बिन्नी ने अपना आखिरी मैच 9 अक्टूबर 1987 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला।

बिन्नी ने मुंबई में पाकिस्तान के खिलाफ अपने तीसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में माजिद खान, जहीर अब्बास और जावेद मियांदाद को शुरूआती ओवर्स में ही आउट कर दिया। उनकी शानदार बॉलिंग के खातिर भारत ने 131 रनों से मैच जीत लिया।

रॉजर बिन्नी 1983 में भारतीय क्रिकेट टीम के हिस्सा थे। उन्होंने टीम में अहम भूमिका निभाई। बिन्नी वर्ल्ड कप में हाईएस्ट विकेट टेकर यानी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले प्लेयर बने। बिन्नी ने टूर्नामेंट में 18 विकेट लिए।

2000 में भारत को अंडर-19 कप दिलाया

रॉजर बिन्नी ने भारतीय क्रिकेट में कई पद संभाले है। साल 2000 में बिन्नी ने भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम को कोच के रूप में वर्ल्ड कप जिताया। इसके बाद 2007 में बिन्नी पश्चिम बंगाल की टीम के हेड कोच बने।

कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन की मैनेजमेंट टीम का हिस्सा होने के बाद 2012 में रोजर बिन्नी भारतीय क्रिकेट टीम के सिलेक्टर बने।

रोजर बिन्नी की ग्लोरी देखने के बाद उनके बेटे स्टुअर्ट बिन्नी भी उनके नक्शे कदमों पर चले। स्टुअर्ट बिन्नी ने अपने पिता की तरह ऑल राउंडर के रूप में ही अपना क्रिकेट करियर बनाया। स्टुअर्ट बिन्नी आईपीएल में मुंबई, बैंगलोर और राजस्थान की टीम से खेले। साथ ही स्टुअर्ट ने भारतीय क्रिकेट टीम के लिए 6 टेस्ट,14 वन-डे और 3 टी 20 मैच खेले।

बीसीसीआई अध्यक्ष से कम कुछ भी मंजूर नहीं, सौरव गांगुली का आईपीएल चेयरमैन बनने से इंकार

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का बीसीसीआई अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल समाप्त होने वाला है। रिपोर्ट्स के अनुसार दिग्गज भारतीय क्रिकेटर की 18 अक्टूबर से बोर्ड में कोई भूमिका नहीं होगी। भारत के 1983 वर्ल्ड कप जीतने में अहम रोल निभाने वाले रोजर बिन्नी अगले हफ्ते एजीएम में नए अध्यक्ष के तौर दादा की जगह लेंगे। किसी भी पद के लिए कोई चुनाव नहीं होगा क्योंकि सभी उम्मीदवारों को निर्विरोध चुना जाएगा। गांगुली सोमवार शाम को मुंबई पहुंचे थे और पिछले हफ्ते नई दिल्ली में प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ बैठकें कीं। भारत के पूर्व कप्तान बीसीसीआई अध्यक्ष बने रहने के इच्छुक थे, लेकिन उन्हें बताया गया कि बोर्ड अध्यक्ष को दूसरा कार्यकाल देने का चलन नहीं है। बृजेश पटेल इस साल नवंबर में 70 साल के होने वाले हैं, ऐसे में आईपीएल चेयरमैन का पद खाली था। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार गांगुली को इस भूमिका की पेशकश की गई थी ,लेकिन उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया।

फीफा अंडर 17 विमेंस वर्ल्ड कप

भुवनेश्वर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। फीफा अंडर 17 विमेंस वर्ल्ड कप आज से शुरू होने जा रहा हैं। आज रात 8 बजे भारत और USA के बीच मुकाबला भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में दुनियाभर की 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इनके मैच भुवनेश्वर, नवी मुंबई और गोवा में खेले जाएंगे।

भारतीय टीम से इस साल अच्छी परफॉर्मेंस की उम्मीद है। टीम के हेड कोच थॉमस दनर्बी विमेंस फुटबॉल में बड़ा नाम है। थॉमस स्वीडन से है। इन्होंने 2011 विमेंस वर्ल्ड कप में स्वीडन को थर्ड पोजीशन दिलाई थी। साथ ही नाइजीरिया को 2019 में वर्ल्ड कप में राउंड ऑफ 16 में लेकर गए थे। कोच थॉमस ने कहा- हमारे खिलाफ गोल करना किसी भी टीम के लिए बहुत मुश्किल होगा क्योंकि हमारा डिफेंस बेहतरीन है।

भारत के ग्रुप में ब्राजील, अमेरिका और मोरक्को है। भारतीय टीम अपने ग्रुप के सभी मैच भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में खेलेगी। ग्रुप मैच खेलने के बाद टीमें नॉकआउट राउंड में जाएंगीं।

मणिपुर की लिंडा कॉम सर्टो पर अटैक की जिम्मेदारी

भारत के पास इस बार अटैकिंग लाइनअप अच्छा है। मणिपुर की लिंडा कॉम सर्टो अटैक संभालेंगी। उन्होंने पिछले कुछ टूर्नामेंट्स में अच्छा परफॉर्म किया है। अंडर 18 सैफ चैम्पियनशिप में सार्टो ने सबसे ज्यादा 5 गोल किए थे।

पिछली बार अमेरिका अपने ग्रुप में आखिरी

पिछली बार अंडर 17 विमेंस वर्ल्ड कप में अमेरिका यानी अमेरीका का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। टीम को अपने ग्रुप में आखिरी स्थान मिला था। हालांकि इस साल अमेरिका की टीम फॉर्म में नजर आ रही है। नॉर्थ अमेरिका की कॉन्टिनेंट चैम्पियनशिप में इस साल USA का प्रदर्शन अच्छा रहा है। टूर्नामेंट में अमेरिका ने 7 मैचों में कुल 58 गोल दागे थे और 1 ही गोल खाया। भारत के लिए अमेरिका से भिड़ना चुनौतीपूर्ण रहेगा।

पहली बार भारत ले रहा है टूर्नामेंट में हिस्सा

भारत की टीम

मोनालिशा देवी मोइरंगथेम, मेलोडी चानू कीशम, अंजलि मुंडा, अस्तम उरांव, नकेता, पूर्णिमा कुमारी, वार्शिका, शिल्की देवी हेमम, बबीना देवी लिशम, नीतू लिंडा, शैलजा, शुभांगी सिंह, अनीता कुमारी, लिंडा कॉम सर्टो, नेहा, रेजिया देवी लैशराम, शेलिया देवी लोकतोंगबम, काजोल ह्यूबर्ट डिसूजा, लावण्या उपाध्याय, सुधा अंकिता तिर्की।

अमेरिका की टीम

अबीगैल गुंडरी, विक्टोरिया सफ्राडिन, वेलेंटीना अमरल, एला एमरी, निकोला फ्रेजर, जोरीडन बग, सवाना किंग, कैमरून रोलर, गिसेले थॉम्पसन, मिया भूटा, रिले जैक्सन, चार्लोट कोहलर, लॉरेन मार्टिन्हो, एला सांचेज, एमरी एडम्स, ओनेका गामेरो, निकोलेट कियॉर्प्स मेलिना रेबिंबास, सामंथा स्मिथ, टेलर सुआरेज़, अमालिया विलारियल।

वुमन्स एशिया कप

थाइलैंड ने पहली बार बनाई सेमीफाइनल में जगह, बारिश ने फेरा बांग्लादेश के अरमानों पर पानी

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। थाइलैंड पर इंद्र देवता मेहरबान हुए और उसने इतिहास रच दिया। थाइलैंड की टीम ने महिला एशिया कप टी20 में पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई। उसके सेमीफाइनल में पहुंचने में सिलहट के मौसम की अहम भूमिका रही।

बारिश ने सिलहट के सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई)नके बीच होने वाले मैच पर पानी फेर दिया। इस कारण बांग्लादेश को यूएई के साथ एक-एक अंक बांटना पड़ा। वह अंक तालिका में पांचवें नंबर पर रहा। थाइलैंड की टीम 6 में से 3 मैच जीतकर आखिरी 4 में जगह बनाने में सफल रही।

बांग्लादेश की यूएई के खिलाफ जीत तय मानी जा रही थी और वह शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में बनी हुई थी। बांग्लादेश इससे पहले 5 मैच में 2 जीत के साथ पांचवें नंबर पर थी, वह चौथे स्थान पर काबिज थाइलैंड से दो अंक पीछे थी, लेकिन उसका नेट रनरेट बेहतर था।

एक जीत से बांग्लादेश के भी 6 अंक हो जाते और वह बेहतर रनरेट के कारण आखिरी 4 में जगह बनाने में सफल हो जाती। हालांकि, लगातार बारिश का मतलब था कि बिना गेंद फेंके मैच रद्द करना पड़ा। इसका मतलब है कि बांग्लादेश ने सिर्फ एक अंक अर्जित किया और पांचवें स्थान पर रहा जबकि थाइलैंड उससे आगे रहा।

वुमन्स एशिया कप टी20 2022 में थाइलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। उसे मेजबान बांग्लादेश के खिलाफ 9 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था। उसे अपने अगले मैच में श्रीलंका के हाथों भी 49 रन से बड़ी हार झेलनी पड़ी। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ मैच में उसने उलटफेर किया।

थाइलैंड ने पाकिस्तान को 4 विकेट से हराया। अगले मैच में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ भी 19 रन से जीत हासिल की। थाइलैंड ने जीत की हैट्रिक लगाते हुए मलेशिया को 50 रन से हराया। इसके बाद भारतीय टीम ने उसका विजय अभियान रोका। स्मृति मंधाना की अगुआई वाली भारतीय टीम ने 10 अक्टूबर को थाइलैंड को 9 विकेट से हराया था। यह स्मृति मंधाना का 100वां टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी था।

न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान

फिन एलन और डेवोन कॉनवे ने की चौके-छक्कों की बारिश

31 साल के स्पिनर ने बरपाया कहर; न्यूजीलैंड ने रोका पाकिस्तान का विजय रथ

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने 11 अक्टूबर 2022 को पाकिस्तान क्रिकेट टीम का विजय अभियान थाम दिया। उसने त्रिकोणीय टी20 सीरीज के चौथे मैच में पाकिस्तान को 9 विकेट से हराया। न्यूजीलैंड इस जीत के साथ पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर पहुंच गई। पाकिस्तान दूसरे नंबर पर है। दोनों के 4-4 अंक हैं। न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ 8 अक्टूबर का मुकाबला 6 विकेट से गंवा दिया था।

न्यूजीलैंड की इस जीत में उसके ओपनर्स फिन एलन और डेवोन कॉनवे और 31 साल के स्पिनर माइकल ब्रेसवेल ने अहम भूमिका निभाई। माइकल ब्रेसवेल ने 4 ओवर में सिर्फ 11 रन देकर 2 विकेट चटकाए। वहीं, फिन एलन और डेवोन कॉनवे ने करीब 150 के स्ट्राइक रेट से रन ठोके।

न्यूजीलैंड की ओर से टिम साउदी ने 4 ओवर में 31 रन, मिशेल सैंटनर ने 4 ओवर में 27 रन देकर 2-2 विकेट लिए। ईश सोढ़ी ने 4 ओवर में 23 रन दिए और हैदर अली को टिम साउदी के हाथों कैच कराकर पवेलियन भेजा। क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल मैदान पर खेले गए इस मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीता और बल्लेबाजी का फैसला किया। हालांकि, बाबर आजम का यह फैसला बहुत बढ़िया नहीं साबित हुआ और टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 130 रन ही बना पाई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ने 16.1 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 131 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। फिन एलन एक चौके और 6 छक्के की मदद से 42 गेंद में 62 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने शादाब खान की गेंद पर स्टम्प होने से पहले डेवोन कॉनवे के साथ मिलकर 13.3 ओवर में 117 रन की साझेदारी की। विकेटकीपर बल्लेबाज डेवोन कॉनवे 46 गेंद में 49 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 5 चौके लगाए। कप्तान केन विलियमसन 9 गेंद में 9 रन बनाकर नाबाद रहे।

इससे पहले पाकिस्तान की शुरुआत ठीक रही। बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान ने पहले विकेट के लिए 30 रन बनाए। रिजवान 17 गेंद में 16 रन बनाकर आउट हुए। बाबर आजम 23 गेंद में 21 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इन दोनों के विकेट माइकल ब्रेसवेल ने लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

लक्ष्य सेन ने हासिल की करियर बेस्ट रैंकिंग, कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को दिलाया था स्वर्ण

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत को बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में बैडमिंटन में स्वर्ण पदक दिलाने वाले स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है। वह ताजा रैंकिंग में अपने करियर बेस्ट पोजिशन आठवें पायदान पर पहुंच गए हैं। वहीं, मेन्स डबल्स की जोड़ी एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला को भी फायदा हुआ है। यह जोड़ी टॉप-20 में जगह बनाने में कामयाब हुई है। इनकी जोड़ी को दो स्थानों का फायदा हुआ है।

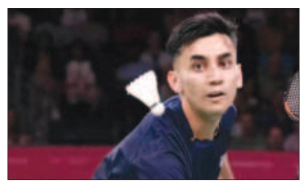

लक्ष्य को रैंकिंग में एक स्थान का फायदा हुआ है और वह टॉप-10 में एंट्री कर चुके हैं। लक्ष्य फिलहाल शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। साल की शुरुआत उन्होंने बेहतरीन अंदाज में की थी जब योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन में मेन्स सिंगल्स में गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। इसके बाद वह ऑल इंग्लैंड ओपन चैंपियनशिप और जर्मन ओपन में रनर-अप रहे थे। इसके अलावा वह भारत के एतिहासिक थॉमस कप जीत में टीम इंडिया के सदस्य रहे थे। भारत ने 73 साल के थॉमस कप के इतिहास में पहली बार यह टूर्नामेंट जीता था।

भारत के लिए शानदार फॉर्म में चल रहे अर्जुल और ध्रुव ने भी इस साल कई मैच जीते हैं। इन दोनों साल की शुरुआत 42वें पोजिशन से की थी। अब वह 21वें पायदान पर पहुंच गए हैं। इन दोनों ने हाल ही में इंडिया महाराष्ट्र इंटरनेशनल चैलेंज 2022 खिताब जीता था।

गीता बसरा का दूसरा मिसकैरिज हुआ तो भज्जी ने संभाला:पहली बार कुकिंग भी की...

भोपाल, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह अच्छे क्रिकेटर ही नहीं। बल्कि अच्छे पति भी हैं। 42 साल के पूर्व क्रिकेटर अपनी पत्नी गीता बसरा का ख्याल कैसे रखते हैं। इसका खुलासा खुद गीता बसरा ने दैनिक भास्कर को दिए इंटरव्यू में किया है।

38 साल की एक्ट्रेस गीता बसरा भोपाल में फिल्म नोटरी की शूटिंग कर रही हैं। वे 6 साल बाद कैमरे की दुनिया में वापसी कर रही हैं। बसरा ने वापसी की कहानी सुनाई।

2 साल बहुत कठिनाई से गुजरे मैं और हरभजन 27 जुलाई 2016 को पहली बार बेटी हिनाया के पेरेंट्स बने थे। मेरा पहला मिसकैरिज 2019 में हुआ था। जबकि दूसरा मिसकैरिज 2020 में हुआ था। दोनों मिसकैरिज के समय मैं अपनी प्रेग्नेंसी के तीसरे महीने में ही थीं। इन दोनों मिसकैरिज के बाद हरभजन ने मुझे संभाला था। पिछले 2 साल मेरे लिए बेहद कठिन थे। लेकिन मैंने अपने आप को टूटने से बचाया।

मिसकैरिज के बाद किसी महिला के हार्मोन बहुत ऊपर-नीचे जाते हैं, जिससे खुद को मेनटेन करना बेहद कठिन हो जाता है। लेकिन मैंने खुद को मजबूत बनाए रखा। बच्चों की वजह से बिना शर्त जीने का मतलब सीखा

प्यार और सपोर्ट दिया

मां बनने का एहसास दुनिया की सबसे अच्छी चीज है। मेरा पहला बच्चा, बेटी हिनाया ने मुझे बहुत बदल दिया है। हम कहते हैं कि हम बच्चों को पढ़ाते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि बच्चे हमें और भी बहुत कुछ सिखाते हैं।

रमीज राजा की प्लानिंग से शाहीन अफरीदी ने टी20 विश्व कप में रोहित शर्मा को किया था एलबीडब्ल्यू, बाबर आजम को बताई थी यह ट्रिक

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2021 में टीम इंडिया को पाकिस्तान ने 10 विकेट से हरा दिया था। कप्तान बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान के अलावा तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने रोहित शर्मा, केएल राहुल और विराट कोहली को आउट किया था। रोहित को उन्होंने गोल्डन डक पर आउट किया था। अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष रमिज राजा ने खुलासा किया कि कैसे उन्होंने दुबई में पिछले साल के टी 20 विश्व कप से पहले बाबर आजम के साथ रोहित शर्मा के विकेट लेने की योजना बनाई थी। बीबीसी पोडकॉस्ट पर रमीज राजा ने कहा, "विश्व कप के लिए रवाना होने से पहले बाबर आजम मुख्य चयनकर्ता के साथ यहां थे और मैंने उनसे पूछा कि भारत के खिलाफ आपकी क्या योजना है। मैं आपको बता सकता हूं कि रोहित शर्मा को कैसे आउट किया जाए और बाबर ने इसमें दिलचस्पी दिखाई। "

रमीज ने आगे बताया, " मैंने कहा कि शाहीन अफरीदी को 100 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कराओ। शॉर्ट लेग पर एक खिलाड़ी को लगाओ। 100 मील प्रति घंटे की इनस्विंग यॉर्कर फेंकें और सिंगल न दें। उन्हें स्ट्राइक पर रखें। आप उन्हें आउट कर देंगे।" रोहित शर्मा एलबीडब्ल्यू करार दिए गए थे। गेंद मिडिल स्टंप पर लग रही थी। वह गोल्डन डक पर आउट हुए थे। इस मैच में पाकिस्तान ने आईसीसी विश्व कप में भारत के खिलाफ पहली बार जीत दर्ज करके इतिहास रच दिया था। एक बार फिर दोनों का आमना-सामना होना है।

आईटी मंत्री ने डब्ल्यूईएफ व उद्योग जगत के प्रमुखों के साथ बैठक की

राज्य में जीवन विज्ञान क्षेत्र द्वारा बनाए गए मूल्य और प्रभाव में तेजी लाने पर चर्चा

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जीवन विज्ञान क्षेत्र द्वारा बनाए गए मूल्य और प्रभाव में तेजी लाने के लिए अपने नेटवर्क का लाभ उठाने के लिए विश्व आर्थिक मंच के साथ संभावित सहयोग का पता लगाएगा। आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामाराव की अध्यक्षता में मंगलवार को यहां डब्ल्यूईएफ के प्रतिनिधियों और तेलंगाना में लाइफ साइंसेज और फार्मा क्षेत्र के प्रमुख नेताओं के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक में इस पर चर्चा की गई।

बैठक का आयोजन तेलंगाना में जीवन विज्ञान पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के रास्ते तलाशने और हैदराबाद को वैश्विक स्वास्थ्य नेटवर्क में एकीकृत करने के आगे के तरीकों की पहचान करने के लिए किया गया था। सत्र के दौरान, रामा राव ने तेलंगाना की ताकत और राज्य सरकार की विभिन्न पहलों पर प्रकाश डाला, जिसने जीवन विज्ञान क्षेत्र के विकास को कई गुना बढ़ा दिया। चर्चा तेलंगाना में जीवन विज्ञान क्षेत्र द्वारा बनाए गए मूल्य और प्रभाव में तेजी लाने के लिए अपने नेटवर्क का लाभ उठाने के लिए डब्ल्यूईएफ के साथ संभावित सहयोग पर भी केंद्रित थी। डब्ल्यूईएफ टीम ने राज्य के प्रयासों और पहलों की सराहना की है। इसने वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य सेवा में सुधार के अपने मिशन को आगे बढ़ाने में एक रणनीतिक भागीदार के रूप में तेलंगाना के साथ सहयोग करने में भी रुचि व्यक्त की।

रेड्डीज लैबोरेटरीज के चेयरमैन सतीश रेड्डी, बायोलॉजिकल ई लिमिटेड की प्रबंध निदेशक महिमा दतला, अरबिंदो फार्मा के निदेशक पी शरतचंद्र रेड्डी, नोवार्टिस बिजनेस सर्विसेज के ग्लोबल हेड नवीन गुल्लापल्ली और मेडट्रॉनिक इंजीनियरिंग एंड इनोवेशन सेंटर की वरिष्ठ निदेशक और साइट लीडर दिव्या जोशी ने लाइफ साइंसेज और फार्मा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। डब्ल्यूईएफ का प्रतिनिधित्व हेल्थ एंड हेल्थकेयर हेड डॉ श्याम बिशन, डायरेक्टर और डिप्टी हेड (भारत और दक्षिण एशिया) श्रीराम गुट्टा, सेंटर फॉर द फोर्थ इंडस्ट्रियल रेवोल्यूशन हेड पुरुषोत्तम कौशिक और कम्युनिटी लीड, बिजनेस एंगेजमेंट (इंडिया एंड साउथ एशिया) यश दिवाडकर ने किया। आईटी और उद्योग प्रमुख सचिव जयेश रंजन, टीएसआईआईसी के प्रबंध निदेशक ईवी नरसिम्हा रेड्डी, और लाइफ साइंसेज और फार्मा निदेशक शक्ति नागप्पन भी उपस्थित थे।

केटीआर ने केंद्र से नलगोंडा जिले को 18 हजार करोड़ रुपये मंजूर करने की मांग की

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऊर्जा मंत्री जी. जगदीश रेड्डी के बयान का समर्थन करते हुए, जिन्होंने कहा था कि अगर केंद्र नलगोंडा के विकास के लिए 18,000 करोड़ रुपये की मंजूरी देता है, तो उनकी पार्टी मुनुगोडु उपचुनाव मैदान से हटने के लिए तैयार है, टीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि अगर केंद्र लोगों के कल्याण के लिए इस तरह का फैसला लेता है तो उनकी पार्टी खुशी से स्वागत करेगी। तेलंगाना राष्ट्र समिति विद्यार्थी विभाग की तेलंगाना भवन में मंगलवार को बैठक को संबोधित करते हुए टीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि यह पार्टी कैडर का कर्तव्य है कि वे इस तथ्य को जानें कि उपचुनाव की आवश्यकता क्यों पड़ी और क्या उपचुनाव के पीछे कारण हैं। केटीआर ने कहा कि राज्य विधानसभा में हमारे पास 105 सदस्यों की ताकत है। अगर केंद्र 18,000 करोड़ रुपये देने का वादा करता है तो टीआरएस के लिए एक सीट हारने और मैदान से बाहर निकलने से कोई फर्क नहीं पड़ता। यह कहते हुए कि नलगोंडा जिले को संयुक्त आंध्र प्रदेश राज्य में उपेक्षित किया गया था और लोग दशकों से फ्लोराइड के मुद्दे से पीड़ित थे, नगर प्रशासन मंत्री केटीआर ने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर के नेतृत्व में टीआरएस सरकार ने सभी घरों में पीने के पानी की आपूर्ति शुरू कर दी है। तेलंगाना राज्य के गठन के बाद मिशन भगीरथ योजना के तहत और जिले में फ्लोराइड मुद्दे को सफलतापूर्वक मिटा दिया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोगों को मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में विकास का फल मिल रहा है और राज्य सभी मोर्चों पर प्रगति कर रहा है। राज्य सरकार मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली लगभग 580 एकड़ भूमि में विजयवाड़ा मार्ग पर राष्ट्रीय राजमार्ग 65 से सटे दंडुमलकापुर गांव में कौशल विकास केंद्र (एसडीसी) स्थापित कर रही है।

महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए आरपीएफ ने बनाई 'शक्ति टीमें'

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ट्रेनों में महिला यात्रियों में विश्वास पैदा करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों में उनके सामने आने वाली समस्याओं से निपटने के लिए दो सभी महिला टीमों का गठन किया है। शक्ति टीमों को बुलाया जाता है, इनमें से प्रत्येक टीम में एक सब इंस्पेक्टर और आठ महिला कांस्टेबल शामिल हैं। ट्रेन में महिलाओं के साथ बातचीत कर और महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में आरपीएफ की भूमिका के बारे में उन्हें समझाकर और उनकी सुरक्षा बढ़ाने के लिए उनका समर्थन मांगने के बाद टीमें 'महिला मित्र' बना रही हैं।

सिकंदराबाद रेलवे डिवीजन, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, देबश्मिता ने कहा कि एक व्हाट्सएप ग्रुप 'शक्ति@ट्रेन' बनाया गया है और नियमित महिला यात्री (अब 66 महिलाएं) और आरपीएफ के अधिकारी सदस्य हैं। जब भी महिलाओं को किसी समस्या का सामना करना पड़ता है, तो वे समूह में संदेश या तस्वीर पोस्ट कर सकती हैं। संबंधित को संदेश भेजा जाता है और तत्काल कार्रवाई शुरू की जाती है। पिछले पखवाड़े में महिलाओं के डिब्बे में यात्रा करने और अन्य अपराधों के लिए पुरुषों के खिलाफ 163 मामले दर्ज किए गए थे।

टीमें अपराध डेटा का विश्लेषण करती हैं और क्लोज सर्किट कैमरा नेटवर्क से फ़ीड करती हैं, और आपराधिक गतिविधि का पिन-पॉइंट विश्लेषण करती हैं जो सदस्य योजना बनाते हैं और संचालन करते हैं। अधिकारी ने बताया कि पिछले दस दिनों में छेड़खानी और मोबाइल फोन, हैंडबैग और अन्य सामान की चोरी सहित संपत्ति के अपराधों के कई मामलों की जाँच की गई। टीमें चलती ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर बेतरतीब ढंग से मौजूद रहती हैं और दिन और रात दोनों समय फर्जी संचालन करती हैं। टीम के सदस्य यात्रियों के रूप में पोज देते हैं और घूमते हैं। यदि वे देखते हैं कि कोई व्यक्ति अपराध करने की कोशिश कर रहा है या संदिग्ध रूप से इधर-उधर घूम रहा है, तो अपराधी रंगे हाथों पकड़े जाते हैं। अब तक 11 मामलों में 13 लोगों को हिरासत में लिया गया है और संबंधित अधिकारियों द्वारा कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी।

ऑनलाइन सट्टेबाजी में नुकसान के कारण युवा ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऑनलाइन सट्टेबाजी ने एक और जीवन ले लिया है, क्योंकि तेलंगाना में एक युवा ने भारी नुकसान झेलने के बाद आत्महत्या कर ली। रामकृष्ण रेड्डी ने हनमकोंडा जिले के धर्मसागर मंडल के मलकापल्ली में कीटनाशक खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। युवक ने अतिवादी कदम का कारण बताते हुए सेल्फी वीडियो बनाया। उन्होंने कहा कि उनके पास अपना जीवन समाप्त करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है क्योंकि उन्हें ऑनलाइन गेम खेलने से 6 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। उसने कीटनाशकों का सेवन करने के बाद वीडियो को अपने रिश्तेदारों और दोस्तों को भेज दिया। वे उसे तुरंत वारंगल के एमजीएम अस्पताल ले गए, जहां उसने दम तोड़ दिया। रेड्डी ने कहा कि वह कैसीनो, ऑनलाइन सट्टेबाजी और विभिन्न ऑनलाइन गेम खेलने के आदी हो गए थे और उन्होंने ऋण ऐप सहित विभिन्न स्रोतों से ऋण लिया था।

नाबालिग लड़की से छेडछाड के आरोप में स्कूल टीचर को तीन साल की जेल

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पोक्सो अदालत ने एक नाबालिग लड़की का पीछा करने और उसे धमकाने के लिए एक स्कूल शिक्षक को तीन साल की कैद की सजा सुनाई है। एक निजी स्कूल में शिक्षक यचारम रमेश (23), एक दोस्त के साथ लगभग 17 साल की पीड़िता के घर गया और उसे धमकी दी कि अगर उसने उससे शादी नहीं की तो वह मर जाएगा। पीड़िता ने उसे फोन पर चेतावनी दी थी, फिर भी रमेश उसे मोबाइल फोन कॉल और संदेशों पर परेशान करता रहा। मीरपेट पुलिस ने कहा कि जब पीड़िता ने इनकार किया, तो उस व्यक्ति ने उसे शर्मसार करने और परेशान करने के लिए रिश्तेदारों को कॉल रिकॉर्डिंग भेजना शुरू कर दिया और उसने पीड़िता को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। एक शिकायत पर तत्कालीन उप निरीक्षक मीरपेट, एस. मायबेली ने मामला दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर लिया। ट्रायल के बाद स्पेशल पोक्सो कोर्ट जज हरीशा ने आरोपी यचारम रमेश को तीन साल की कैद और उस पर 20,000 रुपये का जुर्माना लगाया।

नगर में आज भी हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी, येलो अलर्ट जारी

नगर में मंगलवार को हुई बारिश का दृश्य

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के कई इलाकों में मंगलवार को एक और हल्की बारिश हुई, जिसमें सेरिलिंगमपल्ली मंडल ने बारिश की अधिकतम तीव्रता ली। बारिश शुरू होने से पहले दोपहर के आसपास धूप और उमस भरी जलवायु अचानक बादल छा गई। हालांकि, कम बारिश की तीव्रता बहुत हल्की से हल्की थी।

स्वचालित मौसम स्टेशनों द्वारा दर्ज आंकड़ों के अनुसार, शाम तक, गाचीबोवली के खाजागुडा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में 15.5 मिमी बारिश हुई, जबकि मारेदपल्ली, उप्पल, मलकाजगिरी और शैकपेट जैसे अन्य इलाकों में बहुत हल्की बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग हैदराबाद (आईएमडी-एच) के एक आधिकारिक बुलेटिन में कहा गया है कि आमतौर पर बुधवार को शहर में बादल छाए रहेंगे। येलो अलर्ट जारी करते हुए, इसने कहा कि हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें और कभी-कभी शहर के कई हिस्सों में तेज बारिश होने की संभावना है।

हालांकि, उत्तरी क्षेत्र के कुछ हिस्सों में बुधवार को भारी बारिश होने की संभावना है क्योंकि तेलंगाना स्टेट डेवलपमेंट प्लानिंग सोसाइटी ने कुथबुल्लापुर, गजुलारामरम और अलवाल में 15.60 मिमी से 64.40 मिमी तक बारिश की भविष्यवाणी की है। सतही हवाएं दक्षिण-पूर्वी होने की संभावना है, हवा की गति लगभग 4-8 किमी प्रति घंटे है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 30 डिग्री सेल्सियस और 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। मौसम एजेंसी के अनुसार, संभावित प्रभाव में सड़कों और निचले इलाकों और गीली और फिसलन वाली सड़कों पर पानी जमा होना शामिल है।

सीएस ने ग्रुप 1 प्रारंभिक परीक्षा की व्यवस्थाओं की समीक्षा की

जिलाधीशों को दिया सभी परीक्षा केंद्रों पर पुख्ता व्यवस्था करने का दिया

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव सोमेश कुमार ने टीएसपीएससी के अध्यक्ष डॉ. बी जनार्दन रेड्डी और डीजीपी महेंद्र रेड्डी के साथ जिला कलेक्टरों, पुलिस आयुक्तों और एसपी के साथ टेलीकांफ्रेंस की और ग्रुप 1 के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रारंभिक परीक्षा 16 अक्टूबर को होनी है। राज्य भर के 1,019 केंद्रों पर प्रारंभिक परीक्षा के लिए 3.8 लाख से अधिक उम्मीदवारों के उपस्थित होने के साथ, मुख्य सचिव ने कलेक्टरों से परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए विस्तृत व्यवस्था करने को कहा।

स्ट्रांग रूम की पहचान की जाए और पुलिस विभाग के साथ समन्वय कर पर्याप्त पुलिस सुरक्षा की व्यवस्था की जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि कलेक्टर सभी संबंधित विभागों के साथ बैठक कर परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, साफ-सफाई आदि की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान सोमेश कुमार ने निर्देश दिए कि स्ट्रांग रूम प्रभारी, मार्ग अधिकारी, संपर्क अधिकारी, सहायक संपर्क अधिकारी और मुख्य अधीक्षकों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा जाए कि वे टीएसपीएससी द्वारा दी गई जांच सूची के अनुसार निर्देशों का पालन करें। टीएसपीएससी के कार्यालय में एक विशेष नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया जाएगा। सभी जिला केंद्रों में 16 अक्टूबर को सुबह 10.30 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक आयोजित होने वाली प्रारंभिक परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) के लिए हॉल टिकट की मेजबानी की जाती है।

मुख्य सचिव ने कलेक्टरों को इस परीक्षा के लिए पहली बार शुरू की गई बायोमेट्रिक सुविधा के बारे में उम्मीदवारों को जागरूक करने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने का निर्देश दिया। उम्मीदवारों को हॉल टिकट डाउनलोड करने के लिए भी कहा जाना चाहिए और उन्हें निर्धारित समय से बहुत पहले परीक्षा समय पर पहुंचने के लिए कहा जाना चाहिए ताकि अंतिम समय में देरी से बचा जा सके। बैठक में टीएसपीएससी सचिव अनीता रामचंद्रन, सचिव जीएडी शेषाद्रि, सचिव स्कूल शिक्षा वी करुणा, आयुक्त तकनीकी शिक्षा नवीन मित्तल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी टेलीकांफ्रेंस में शामिल हुए।

रहस्यमय परिस्थितियों में मृत मिले बुजुर्ग दंपत्ति

निजामाबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के अलूर गांव में मंगलवार को एक बुजुर्ग दंपति अपने आवास पर रहस्यमयी परिस्थितियों में मृत पाया गया। इनकी पहचान गंगाराम (70) और गंगामणि (65) के रूप में हुई है। आरमूर इंस्पेक्टर सुरेश के अनुसार, दोनों के शव उनके घर में छत से लटके मिले थे। शव देखकर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल की जांच के लिए खोजी कुत्तों को लगाया है, यहां तक कि ग्रामीणों ने मौत पर संदेह जताया है, कुछ ने पुलिस को बताया कि दंपति के 17 वर्षीय दत्तक पुत्र ओंकार, जो फरार हो गया है, की भूमिका हो सकती है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ओंकार, जिसके अपने माता-पिता के साथ तनावपूर्ण संबंध थे, का मौत में हाथ हो सकता है और यह एक दोहरे हत्याकांड को आत्महत्या के रूप में चित्रित करने का मामला हो सकता है। दंपति ने कुछ साल पहले एक सड़क दुर्घटना में अपने बेटे की मौत के बाद एक रिश्तेदार के बेटे को गोद लिया था। हालांकि, पुलिस ने कहा कि मौत के कारणों की पुष्टि करना जल्दबाजी होगी। अभी हम यह कहने की स्थिति में नहीं हैं कि यह आत्महत्या है या हत्या। इंस्पेक्टर सुरेश ने कहा कि हम पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही इस मुद्दे पर टिप्पणी कर सकते हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

मुलायम के अंतिम संस्कार में शामिल हुए सीएम केसीआर

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव मंगलवार को उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के सैफई के पैतृक गांव समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने दिवंगत नेता के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। केसीआर ने समाजवादी पार्टी प्रमुख और मुलायम सिंह यादव के बेटे अखिलेश यादव और परिवार के अन्य सदस्यों को सांत्वना दी। उनके साथ मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव, सांसद जोगीनापल्ली संतोष कुमार, एमएलसी के कविता, रावुला श्रवण कुमार रेड्डी और अन्य लोग थे। समाजवादी पार्टी के संस्थापक यूपी के तीन बार मुख्यमंत्री रहे और देश के रक्षा मंत्री के रूप में भी काम किया। गुरुग्राम के एक अस्पताल में सोमवार को मरने से पहले वह महीनों से बीमार थे। वह 82 वर्ष के थे। अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए। भारत राष्ट्र समिति की घोषणा के बाद केसीआर पहली बार राष्ट्रीय राजधानी का दौरा कर रहे हैं।

नागार्जुन सागर परियोजना बायीं नहर में दरार, अधिकारियों ने लिया जायजा

खम्मम, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के पेनुबल्ली मंडल में नागार्जुन सागर परियोजना की मुख्य बायीं नहर में बड़ी दरार आ गई है। मंडल के तुम्मलपल्ली और बय्यानागुडेम गांवों के बीच सोमवार देर रात दरार आई। नहर के आसपास के क्षेत्र में 70 एकड़ धान के खेत में दरार के बाद पानी भर गया है। खड़ी फसल को मामूली नुकसान हुआ है। सिंचाई अधिकारियों ने मंगलवार को मौके का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। नहर में पानी छोड़ना बंद कर दिया गया जिससे बाढ़ की स्थिति कम हो गई। अधिकारियों के अनुसार, नहर के किनारे से पानी के रिसाव से तट कमजोर हो गया और दरार आ गई। अधिकारियों ने कहा कि नहर के टूटे हुए हिस्से की मरम्मत में एक सप्ताह का समय लग सकता है क्योंकि दरार की चौड़ाई लगभग 30 फीट है।

एमपी केवीआर ने केटीआर की आलोचना की

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद और पूर्व मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने आज उद्योग मंत्री के तारकरमा राव को फटकार लगाई और उन्हें अपनी भाषा बदलने की सलाह दी।

एक बयान में, कांग्रेस सांसद ने केटीआर द्वारा इस्तेमाल किए गए 'गुप्त' शब्द पर आपत्ति जताई और मंत्री से पूछा कि उनके खिलाफ इस तरह के शब्द का इस्तेमाल करने और उनकी आलोचना करने के लिए उनके पास क्या योग्यता है? उन्होंने मज़ाक उड़ाया कि केटीआर को विदेशों में मज़ा आया जब तेलंगाना के शहीदों की आत्मा अलग राज्य के लिए तरस रही है।

वरिष्ठ अधिकारियों को फील्ड में होना चाहिए : सीवी आनंद

नगर पुलिस आयुक्त ने ऑपरेशन रोप की समीक्षा की

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ट्रैफिक विंग की परिचालन दक्षता बढ़ाने और चल रहे ऑपरेशन "रोप" की समीक्षा करने के लिए, शहर पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने यातायात परिसर में सम्मेलन हॉल में सभी यातायात अधिकारियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की। ऑपरेशन आरओपीई के कार्योत्तर प्रवर्तन आंकड़ों का विश्लेषण करते हुए, उन्होंने कहा कि स्टॉप लाइन अनुशासन और ट्रैफिक सिग्नल का पालन, मुक्त बाएं मार्ग बुनियादी सड़क भावना का गठन करता है और इसे शिक्षा और प्रवर्तन के माध्यम से स्थापित किया जाना है। ट्रैफिक विंग में नए शामिल हुए लोगों को संबोधित करते हुए, सीपी आनंद ने दोहराया कि ट्रैफिक ड्यूटी फील्ड जॉब पर है और इस बात पर जोर दिया कि वरिष्ठ अधिकारियों को भी फील्ड पर होना चाहिए और ट्रैफिक प्रवाह की पहली जानकारी प्राप्त करने के लिए कई जंक्शनों का दौरा करना चाहिए। उन्होंने गाड़ी के रास्ते को साफ रखने के महत्व और शहर के यात्रियों पर सकारात्मक प्रभाव और उनके जीवन की गुणवत्ता के बारे में बताया। उन्होंने यातायात एसएचओ को शिक्षा अभियानों, संवादात्मक बैठकों से पहले गुणवत्ता प्रवर्तन पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया और उन्हें शक्तियों का प्रभावी ढंग से प्रयोग करने के लिए आगाह किया।

"बैकएंड में प्रेरित दिमाग के साथ किसी भी प्रतिकूल प्रतिक्रिया को नजरअंदाज किया जा सकता है और हमेशा अपने अधिकार क्षेत्र में शुरू किए गए उपायों पर रचनात्मक आलोचना पर अपने कार्यों का विश्लेषण करे। यातायात प्रवाह में सुधार और उपाय शुरू करने के लिए आपको अपने संबंधित क्षेत्रों में अपनी रणनीति तैयार करनी होगी। बैठक में जंक्शनों पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, यातायात छतरियों को उन्नत करने, यातायात कर्मियों के लिए कल्याणकारी उपायों, उच्च घनत्व वाले मार्गों में नई क्रेनों को तैनात करने, संचार सेट प्रदान करने आदि पर चर्चा की गई, कई अन्य प्रशासनिक, वित्त और कर्मियों की तैनाती के मुद्दों पर भी इस बैठक में चर्चा की गई। समापन पर पुलिस आयुक्त ने यातायात अधिकारियों से गर्व के साथ काम करने का आग्रह किया क्योंकि शुरू किए गए किसी भी बदलाव से राज्य की राजधानी में 100 प्रतिशत आबादी प्रभावित होगी और यातायात में नए प्रवेशकों के लिए एक प्रेरण प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को मानकीकृत करने का निर्देश दिया। बाद में उन्होंने ट्रैफिक एक्शन प्लान हैंड गाइड का अनावरण किया।

इससे पहले श्री आनंद ने गोशामहल में यातायात प्रशिक्षण संस्थान का दौरा किया, जो विभिन्न पाठ्यक्रम मॉड्यूल के माध्यम से पुलिस कर्मियों की क्षमता निर्माण और उल्लंघनकर्ताओं को प्रशिक्षण, परामर्श सत्र आयोजित करने में सहायक रहा है। उन्होंने सभी कक्षाओं, यातायात पार्क का निरीक्षण किया और होमगार्डों को संबोधित किया, जो जल्द ही यातायात शाखा में शामिल होंगे। आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी यात्री यातायात नियमों का पालन करें। इस दौरान सीपी के साथ ए.वी. रंगनाथ, संयुक्त.सीपी. यातायात, एन.प्रकाश रेड्डी डीसीपी यातायात, पी करुणाकर डीसीपी यातायात रहे।

स्पोर्ट्स बाइक की टक्कर से दो की मौत

वारंगल, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार तड़के वेंकटरमन थिएटर जंक्शन के पास स्पोर्ट्स बाइक की टक्कर से एक युवक समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी।

मरने वालों में गांधी नगर की लेबर कॉलोनी के मजदूर रामास्वामी (51) और शहर के पोचम्मा मैदान इलाके के तुम्मा जयसिम्हा रेड्डी (18) थे। अधिक विवरण की प्रतीक्षा है। जयसिम्हा रेड्डी के पिता शहर में एक लॉरी ट्रांसपोर्ट कंपनी के मालिक हैं। घटना मिल्स कॉलोनी थाना क्षेत्र की है।

गांधीनगर में 3.5 करोड़ रुपये की नकदी जब्त

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। गांधीनगर पुलिस ने मंगलवार को एक कार में राशि ले जा रहे छह लोगों से 3.5 करोड़ रुपये जब्त किए। एक गुप्त सूचना पर, पुलिस ने गांधीनगर में एक कार को रोका और छह लोगों को अपने साथ नकदी ले जाते हुए पाया। राशि अलग-अलग संप्रदायों में है। व्यक्ति नकदी के स्रोत का समर्थन करने के लिए कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सके। राशि जब्त कर ली गई है और पूछताछ की जा रही है। अधिक विवरण की प्रतीक्षा है।

CHANGE OF NAME

I, AVTAR (Old name) S/O HARMINDER SINGH R/O 161, NANAK WARD, BINA STATION, SAGAR, MADHYA PRADESH, changing my name from AVTAR (OLD Name) to AVTAR SINGH GANDHI (New Name) S/O HARMINDER SINGH henceforth being called as AVTAR SINGH GANDHI (New Name) for all purposes.

नल्लामला वन क्षेत्र में देखा गया बाघ

नागरकुर्नूल, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के अमराबाद के नल्लामाला जंगल में एक बाघ देखा गया। आदमखोर को उस समय देखा गया जब जिला वन अधिकारी रोहित रेड्डी सोमवार रात जंगल में गश्त कर रहे थे। उन्होंने तुरंत पहले जानवर को अपने मोबाइल फोन में कैद किया और अपने ट्विटर पर पोस्ट किया, जो वायरल हो गया।

राज्य में नेटिज़न्स बाघों और अन्य जंगली जानवरों की सुरक्षा के लिए प्रभावी उपाय करने और जंगली जानवरों की आबादी में वृद्धि में योगदान के लिए तेलंगाना सरकार की प्रशंसा कर रहे थे।

आंध्र प्रदेश में 400 किलो गधे का मांस जब्त

अमरावती, 11 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में पुलिस ने सोमवार को 400 किलोग्राम से अधिक गधे का मांस जब्त किया। पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) इंडिया और स्थानीय समूहों के साथ अवैध रूप से गधे के मांस के व्यापार पर पुलिस द्वारा सुबह की छापेमारी के दौरान मांस जब्त किया गया है।

पेटा इंडिया की एक शिकायत के बाद, बापटला पुलिस ने पेटा इंडिया और आंध्र प्रदेश के स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ एक संयुक्त अभियान में बापटला जिले में चार छापे मारे और 400 किलोग्राम से अधिक गधे का मांस जब्त किया। एनिमल रेस्क्यू ऑर्गनाइजेशन के गोपाल सुरबथुला, हेल्प फॉर एनिमल्स सोसाइटी के तेजोवंत अनुपोजू और पूर्वी गोदावरी एसपीसीए के विजय किशोर पालिका छापेमारी का हिस्सा थे। उज्ज़िलीपेट में दो स्थानों पर, एक वेतापलेम में, और एक 2 टाउन पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में छापा मारा गया और गधे के मांस और शरीर के अंगों को छोड़ दिया गया, जिसमें सिर, पैर और पूंछ से जुड़े मांस शामिल थे, पुलिस ने जब्त कर लिया। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), 1860 के विभिन्न प्रावधानों के तहत 1 टाउन पुलिस स्टेशन, 2 टाउन पुलिस स्टेशन और वेतापलेम पुलिस स्टेशन द्वारा प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई है। अवैध व्यापार और वध में शामिल सभी व्यक्तियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.